दैनिक

पुष्पांजली टुडे

नई सोच नई पहल

वर्ष 04 : अंक : 102 | ग्वालियर, बुधवार 02 जून 2021 | pushpanjalitoday@gmail.com | मूल्य : 01, रुपए, पृष्ठ 8

पंचायत चुनाव को लेकर

नीतीश सरकार का बड़ा फैसला, नहीं बढ़ेगा मुखिया: सरपंच का कार्यकाल

पटना। बिहार की नीतीश सरकार ने राज्य में होने वाले पंचायत चुनाव को लेकर महत्वपूर्ण फैसला लिया है. कोरोना और बारिश की वजह से बिहार में पंचायत चुनाव टाल दिया गया है. बिहार में पंचायतों का कार्यकाल 15 जून को खत्म हो रहा है. इसके मद्देनजर मंगलवार को नीतीश सरकार ने बड़ा फैसला लिया। तय किया गया है. नीतीश सरकार ने फैसला किया है कि 15 जून को प्रदेश के करीब ढाई लाख पंचायत प्रतिनिधियों का कार्यकाल खत्म हो जाने दिया जाएगा और मुखिया-सरपंच का कार्यकाल का विस्तार नहीं दिया जाएगा. इसके बदले बिहार में पहली बार परामर्श समितियां बनेंगी जो गांवों की सरकार चलाएंगी. बिहार सरकार ने पंचायत प्रतिनिधियों को विस्तार यानी एक्सटेंशन न देने का फैसला लिया है. इस फैसले को पंचायत प्रतिनिधियों के लिए झटका के तौर

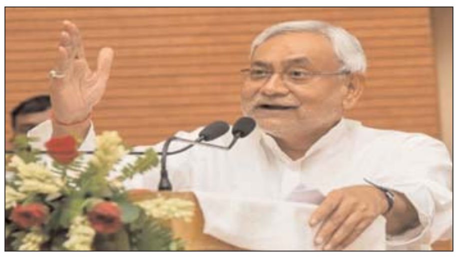

पर देखा जा रहा है. मंगलवार को बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में हुई मंत्रिपरिषद की अहम बैठक में कुल 18 एजेंडों पर मुहर लगी, जिसमें सबसे अहम मुद्दा पंचायती राज चुनाव को लेकर लिया गया फैसला रहा. पंचायतों में परामर्श समिति का गठन होगा जिसके तहत बिहार में पंचायत, ग्राम कचहरी, पंचायत समिति, जिला परिषद में परामर्शी समिति का गठन किया जाएगा. दरअसल, बिहार में कोरोना महामारी के कारण पंचायत चुनाव न होने के हालात बन गए हैं. बिहार के पंचायती राज मंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि कोरोना संक्रमण के कारण बिहार में पंचायत चुनाव समय से नहीं कराया जा सकता है, जिसके कारण बिहार कैबिनेट ने निर्णय लिया है कि पंचायतों में परामर्शी समिति की नियुक्ति होगी. यदि किसी कारण से ग्राम पंचायत का आम निर्वाचन कराना संभव नहीं होने पर ग्राम पंचायत भंग हो जाएगी. ग्राम पंचायत के विकाश कार्य परामर्श समिति द्वारा की जाएगी. अब इस प्रस्ताव को राज्यपाल के पास भेजा जाएगा कि समिति में कौन-कौन लोग होंगे. इस पर बाद में निर्णय होगा. उन्होंने यह भी साफ कर दिया कि पंचायतों के लिए प्रशासक नियुक्त नहीं किये जाएंगे, लेकिन ये भी मान जा रहा है कि परामर्श समिति में अफसर और वर्त्तमान पंचायत प्रतिनिधियों को शामिल किया जायेगा. बिहार में वर्तमान पंचायत प्रतिनिधियों का कार्यकाल 15 जून को समाप्त हो रहा है.

सीएम अरविंद केजरीवाल की केंद्र से अपील- 12वीं की परीक्षा हो रद्द

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने केंद्र सरकार से 12वीं की परीक्षा रद्द करने की मांग की है. मुख्यमंत्री केजरीवाल ने केंद्र से अपील की है कि परफॉर्मेंस के आधार पर आंकलन हो. उन्होंने कहा कि 12वीं की परीक्षा को लेकर बच्चे और पेरेंट्स काफी चिंतित हैं. वे चाहते हैं कि बिना वैक्सीनेशन 12वीं की परीक्षा नहीं होनी चाहिए. मेरी केंद्र सरकार से अपील है कि 12वीं की परीक्षा रद्द की जाए. पिछले परफॉर्मेंस के आधार पर उन्हें आंकलन किया जाए. आपको बता दें कि केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने 15 जुलाई से 26 अगस्त के बीच परीक्षाएं कराने और सितंबर में परिणाम घोषित करने का प्रस्ताव रखा है. बोर्ड ने दो विकल्प भी प्रस्तावित किए हैं. इनमें एक में 19 प्रमुख विषयों के लिए अधिसूचित केंद्रों पर नियमित परीक्षाएं कराना या छात्रों के अध्ययन वाले स्कूलों में ही अल्पावधि की परीक्षाएं कराने के विकल्प हैं. वहीं, पीएम नरेंद्र मोदी मंगलवार की शाम को 12वीं की बोर्ड परीक्षाओं को लेकर अहम बैठक की अध्यक्षता करेंगे. सभी राज्यों और अन्य हितधारकों के साथ व्यापक चर्चा के परिणामस्वरूप उन्हें सभी संभावित विकल्पों के बारे में बताया जाएगा. इसकी जानकारी सूत्रों ने दी है. दिल्ली के डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया ने न्यूज नेशन से बातचीत में कहा कि बात सिर्फ दिल्ली के बच्चों की नहीं बल्कि देश के 1 करोड़ 40 लाख बच्चों की है जो 12वीं में हैं उन्हें 12वीं की परीक्षा के साथ-साथ जेल नीट जैसी परीक्षाएं दिलवाने की बात भी हो रही हैं. सवाल यह है कि जब देश में ढाई लाख रोजाना केस आ रहे हैं और हजारों लोगों की मौत हो रही है और कहा जा रहा है कि सर्वे में बच्चों पर ज्यादा खतरा है तो ऐसे में हम अपने बच्चों की सलामती से क्यों रिस्क ले परीक्षा लेने के तरीके और भी हैं अगर हमें परीक्षा लेना नहीं आ रहा तो यह बच्चों की गलती नहीं है हमें श्सोचना होगा दुनिया के बहुत से देशों ने अलग तरीके अपनाए हैं हमें भी अपनाना चाहिए. इस पर दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने न्यूज नेशन से बातचीत में कहा कि बच्चा बचेगा तो ही तो प्रोफेशनल एग्जाम दे पाएगा. यह एक्जाम सिस्टम की नाकामी है कि हमें एक ही तरीके एग्जाम लेना आता है. उसका भुगतान बच्चे क्यों भोंकते हैं. पहले राज्य सरकारें और केंद्र सरकार मिलकर बच्चों का वैक्सीनेशन प्रोग्राम बनाएं. 12वीं के बच्चों का लगा दे उसके बाद एग्जाम ले ले.

घटते कोरोना केस के बीच

नीदरलैंड ने भारत से उड़ने वाले यात्री विमान पर से हटाया प्रतिबंध

दिल्ली। देश में कोरोना के दूसरे लहर का प्रकोप अब धीरे धीरे कम हो रहा है. जिंदगी भी सामान्य पटरी पर

लौटने को अग्रसर हो रहा है. देश में कोरोना के खिलाफ वैक्सीनेशन अभियान जोरो पर है जिसका नतीजा है कि आज देश में अब संक्रमण से ज्यादा कोरोना का रिकवरी रेट हो गया है. बता दें कि देश में कोरोना के दूसरे लहर के शुरुआत के साथ ही कई देशों के साथ हवाई यात्रा पर प्रतिबंध लग गया था. कोरोना के संक्रमण एक देश से दूसरे देश न फैले इस उद्देश्य से हवाई उड़ानों पर प्रतिबंध लगा दिया गया था. अब जब देश में कोरोना से स्थिति सामान्य हो रही है और कोरोना के मामलें भी लगातार घट रहे हैं ऐसे में नीदरलैंड की सरकार ने एक बड़ा कदम उठाया है. नीदरलैंड सरकार ने भारत से उड़ने वाली यात्री विमान से प्रतिबंध हटा दिया है. आज से भारत और नीदरलैंड के बीच सामान्य हवाई सेवा की शुरुआत हो गयी है.

राजधानी दिल्ली में सनसनीखेज वारदात, बीच सड़क पर शख्स का कत्ल

नई दिल्ली। दिल्ली के मंगोलपुरी में एक सनसनीखेज वारदात को अंजाम दिया गया है. राष्ट्रीय राजधानी में बीच सड़क पर अपराधियों ने एक शख्स को गोलियों से भून दिया. इतना ही नहीं, बाद में इस शख्स को चाकू से गोद दिया गया. इससे पूरे इलाके में दहशत फैल गई. मृतककी पहचान जफर आजाद के रूप में हुई है. बताया जा रहा है कि इस मर्डर की वारदात को आपसी रंजिश के चलते अंजाम दिया गया. यह पूरी वारदात वहां लगे एक सीसीटीवी में कैद हो गई. जिसके आधार पर पुलिस ने 2 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है. बाकी आरोपियों की पहचान की जा रही है. जानकारी के अनुसार, मंगोलपुरी इलाके में इस वारदात को 21 मई को अंजाम दिया गया था. 30 वर्षीय जफर आजाद अपनी बाइक से इलाके से गुजर रहा था. तभी घात लगाए अपराधियों ने पहले स्कूटी चलाते जफर को गोली मार दी. उसके बाद दोनों तरफ से

दो लोगों ने उसके चाकू से गोद डाला. जिससे घायल जफर स्कूटी से नीचे गिर गया. गोली की आवाज सुनते ही पास में खड़ी पुलिस मौके पर पहुंच गई. घायल जफर को लेकर पुलिसकर्मी अस्पताल पहुंचे और उसे भर्ती करवाया. लेकिन 30 मई को इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई. अब इस मामले का सीसीटीवी फुटेज सामने आई है, जिसके आधार पर पुलिस आरोपियों तक पहुंच गई है. बताया जा रहा है कि आशु नाम के शख्स ने इस घटना को अंजाम दिया था. जफर की आरोपी आशु के साथ पुरानी रंजिश चल रही थी. आरोप है कि पिछले साल ही जफर के भाई नवासा ने अपने साथियों के साथ आशु के भाई की हत्या कर दी थी. इस हत्या का बदला लेने के लिए ही आशु ने जफर की हत्या की. पुलिस ने आशु समेत 2 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है. बाकी आरोपियों की पहचान की जा रही है.

सिर्फ 3.4 फीसदी का ही हुआ टीकाकरण

प्रियंका गांधी ने वैक्सीनेशन पॉलिसी में बताई खामियां

नई दिल्ली। कोरोना महामारी की तीसरी लहर की आशंकाओं के बीच देश में वैक्सीन की भारी किल्लत है. कुछ दिनों पहले 18 प्लस वालों के लिए जोर शोर से वैक्सीनेशन अभियान शुरू किया गया था, मगर टीके की कमी के कारण अब कई जगह वैक्सीनेशन सेंटरों पर ताले लग गए हैं. वैक्सीन की कमी को लेकर देश में जमकर राजनीति भी हो रही है. इस बीच कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने केंद्र की मोदी सरकार को निशाने पर लिया है. प्रियंका गांधी ने मंगलवार को अपनी श्रृंखला जिम्मेदार कौन (कौन जिम्मेदार है) में टीका वितरण में खामियों पर प्रकाश डाला.

प्रियंका गांधी ने मंगलवार को अपने फेसबुक पोस्ट में लिखा, कुछ दिनों पहले मैंने वैक्सीन नीति के बारे में चर्चा की थी. आज मैं वैक्सीन नीति के दूसरे, सबसे महत्वपूर्ण अंग के बारे में आपसे चर्चा करना चाहती हूं- वैक्सीनों का वितरण. कांग्रेस महासचिव प्रियंका ने लिखा, विशेषज्ञों का मानना है कि कोरोनावायरस को हराने के लिए टीकाकरण महत्वपूर्ण है. जिन देशों ने अपने लोगों का टीकाकरण किया है, उन्होंने दूसरी लहर का कम प्रभाव देखा है, लेकिन हमारे देश में

यह पहली लहर की तुलना में 320 प्रतिशत अधिक था. उन्होंने कहा कि नागरिक पूछ रहे हैं कि ऐसी स्थिति क्यों आ गई है कि राज्य सरकारों को ग्लोबल टेंडर के लिए जाना पड़ता है और एक ही वैक्सीन के लिए अलग अलग दरों के लिए प्रतिस्पर्धा करनी पड़ती है. सरकार किस तरह इस साल के अंत तक हर भारतीय का टीकाकरण करने का दावा कर रही है और जो लोग डिजिटल कनेक्टिविटी से वंचित हैं उनका टीकाकरण करने की क्या योजना है? प्रियंका गांधी ने लिखा, इस देश में, चेचक और पोलियो के टीके हर घर में वितरित किए गए थे, लेकिन मोदी सरकार की अक्षमता के कारण उत्पादन और वितरण गड़बड़ा गया है. कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने फेसबुक पोस्ट में लिखा, केवल 12 प्रतिशत लोगों को पहली खुराक मिली और भारत में केवल 3.4 प्रतिशत लोगों को ही पूरी तरह से टीका लगाया गया है. 15 अगस्त 2020 के भाषण में मोदीजी ने देश के हरएक नागरिक को वैक्सिनेट करने की ज़िम्मेदारी लेते हुए कहा था कि पूरा खाका तैयार है. लेकिन अप्रैल 2021 में, दूसरी लहर की तबाही के दौरान, मोदीजी ने सबको वैक्सीन देने की ज़िम्मेदारी से अपने हाथ खींचते हुए, इसका आधा भार राज्य सरकारों पर डाल दिया.

कोरोना की दूसरी लहर ने कर दिए इतने बेरोजगार, सामने आया चौंकाने वाला आंकड़ा

नई दिल्ली। कोरोना वायरस महामारी की दूसरी लहर की वजह से देश में 1 करोड़ से ज्यादा लोगों को नौकरियों से हाथ धोना पड़ गया है. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक पिछले साल कोरोना महामारी के शुरू होने से अब तक तकरीबन 97 फीसदी परिवारों की आय में गिरावट देखने को मिली है. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन एकोनॉमी (सीएमआईई) के मुख्य कार्यपालक अधिकारी महेश व्यास ने यह जानकारी साझा की है. उनका कहना है कि मई के दौरान बेरोजगारी दर 12 फीसदी दर्ज की गई है, जबकि अप्रैल के दौरान यह आंकड़ा 8 फीसदी का था. आंकड़ों को अगर देखें तो इस अवधि में करीब 1 करोड़ लोगों की नौकरियां जा चुकी हैं.

गैर-मुस्लिम शरणार्थियों को नागरिकता के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका

नई दिल्ली। पाकिस्तान समेत 3 देशों के गैर मुस्लिम नागरिकों को भारत की नागरिकता के लिए मांगे गए आवेदन के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की गई है. केरल की पार्टी मुस्लिम लीग ने अफगानिस्तान, पाकिस्तान, बांग्लादेश से आए गैर-मुस्लिम शरणार्थियों को नागरिकता देने के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है. अर्जी में मुस्लिम लीग ने केंद्र के उस नोटिफिकेशन को चुनौती देते हुए इस पर रोक लगाने की मांग की है. बता दें ही हाल में केंद्रीय गृह मंत्रालय ने नोटिफिकेशन जारी किया था, जिसमें सरकार ने 5 राज्यों के कुछ जिलों में शरणार्थियों को नागरिकता के लिए अप्लाई करने की इजाजत दी. शुक्रवार को केंद्र की मोदी सरकार ने पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान से आए और गुजरात, राजस्थान, छत्तीसगढ़, हरियाणा और पंजाब के 13 जिलों में निवास कर रहे हिंदू, सिख, जैन और बौद्ध जैसे गैर मुस्लिमों से भारतीय नागरिकता के लिए आवेदन मंगाए.

पंजाब में कांग्रेस संकट में! दिल्ली में पार्टी पैनल से मिले सिद्धू

नई दिल्ली। पंजाब कांग्रेस के अंदर सब कुछ ठीक नहीं है. पार्टी नेताओं में गुटबाजी और खींचतान की दौर जारी है. मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह और कांग्रेस नेता नवजोत सिंह सिद्धू के बीच जुबानी जंग छिड़ी हुई है. इस अंदरुनी कलह को सुलझाने की कवायद के बीच नवजोत सिंह सिद्धू ने अपनी आवाज मुखर की है. दिल्ली पहुंचे नवजोत सिद्धू ने कहा कि पंजाब के सच और हक की आवाज मैंने हाई कमान को बुलंद आवाज में बताई है. उन्होंने कहा कि सत्य प्रताड़ित हो सकता है, लेकिन पराजित नहीं. पंजाब को जिताना है और हर पंजाब विरोधी ताकत को हराना है.

दरअसल, पंजाब कांग्रेस में चल रही अनबन को दूर करने के लिए कांग्रेस हाईकमान ने मल्लिकार्जुन खड़गे, हरीश रावत और जेपी अग्रवाल की तीन सदस्यीय समिति का गठन किया है. हरीश रावत कांग्रेस के पंजाब प्रभारी भी हैं. इस समिति ने बीते दिन पंजाब के करीब दो दर्जन विधायकों को दिल्ली बुलाया और हर किसी से चर्चा की. इसी कड़ी में मंगलवार को नवजोत सिंह सिद्धू, कांग्रेस नेता परगट सिंह और अन्य नेताओं भी इस समिति से मिलने पहुंचे. करीब डेढ़ घंटे चली इस मुलाकात के बाद नवजोत सिंह सिद्धू ने बाहर निकलकर पत्रकारों से बातचीत की. नवजोत सिंह सिद्धू ने कहा,

जो कुछ भी हाईकमान ने पार्टी के हित में पूछा उन्हें पूरी तरह से सजग कर दिया है. पंजाब के लोगों की आवाज हाईकमान तक पहुंचाने आया हूं और मेरा पक्ष है कि पंजाब के लोगों की वित्तीय ताकत जो टैक्स के रूप में सरकार को जाती है वो लोगों तक वापस जानी चाहिए. सिद्धू ने कहा कि पंजाब के सच और हक की आवाज मैंने हाई कमान को बुलंद आवाज में बताई है. पंजाब को जिताना है और हर पंजाब विरोधी ताकत को हराना है. उन्बोंने कहा कि मैंने आम जन की आवाज कमिटी के सामने रखी है. सत्य परेशान हो सकता है, पराजित नहीं. गौरतलब है कि पंजाब में 2022 में विधानसभा चुनाव होने हैं, लेकिन कांग्रेस में हालात ठीक नहीं है. पिछले दिनों दो दर्जन से अधिक विधायकों ने मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह के खिलाफ ही बागी तेवर दिखाने शुरू कर दिए थे. नवजोत सिंह सिद्धू भी लगातार उन्हें आड़े हाथों लेते आ रहे हैं. पिछले हफ्ते जुबानी जंग में सिद्धू ने मुख्यमंत्री को अपने सहयोगियों के कंधों से गोलीबारी बंद करने की सलाह दी थी. सिद्धू ने अमरिंदर सिंह को याद दिलाया था कि उनकी आत्मा गुरु साहिब के लिए न्याय मांगती है. उनकी प्रतिक्रिया तब आई जब सात मंत्रियों ने अमरिंदर सिंह पर अनुशासनहीनता और मौखिक हमले शुरू करने के लिए सिद्धू को पार्टी से निलंबित करने की मांग की थी.

मेरी लड़ाई ड्रग माफिया से, मैं एलोपैथी और डॉक्टरों के खिलाफ नहीं - बाबा रामदेव

नई दिल्ली। योग गुरू बाबा रामदेव ने इन दिनों अपने बयानों को लेकर विवादों में घिरे हैं. इंडियन मेडिकल एसोसिएशन और बाबा रामदेव अब तक आमने सामने हैं. इस बीच तमाम विवादों पर रामदेव ने कहा कि यदि एलोपैथी में सर्जरी व लाइफ सेविंग ड्रग्स हैं तो शेष 98प्रतिशत बीमारियों का योग-आयुर्वेद में स्थायी समाधान है, हम इंटीग्रेटेड पैथी के पक्ष में है. योग-आयुर्वेद को स्यूडो-साईंस और अल्टरनेटिव थैरेपी कहकर मजाक उड़ाना व नीचा दिखाने की मानसिकता को देश बर्दाश्त नही करेगा. हमारा अभियान ऐलोपैथी व श्रेष्ठ डाक्टर्स के खिलाफ नहीं है हम इनका सम्मान करते हैं,उन ड्रग माफियाओं के खिलाफ है जो 2 रुपये की दवाई को 2000 रुपये तक बेचते हैं?

मुंबई के विदेश में पढ़ने वाले छात्रों के लिए

वैक्सीनेशन की खास सुविधा, मेयर ने दिया ये जवाब

मुंबई। बीएमसी अस्पतालों में मुंबई से विदेश की यूनिवर्सिटी में पढाई करनेवाले छात्रों को बिना अपॉइंमेन्ट वॉक इन वैक्सीनशन कराया जा रहा है. मुंबई बीएमसी के कस्तूरबा गांधी अस्पताल , कूपर अस्पताल , राजेवाड़ी अस्पताल ऐसे तीन अस्पतालों में यह सुविद्या मुहैया कराई गई है. मुंबई बीएमसी के दिशानिर्देशानुसार मुंबई में रहनेवाले 18-44 साल के विदेश में पढाई करनेवाले या पढाई के लिए पात्र विद्यार्थीयों को वैक्सीन दी जायेगी. छात्रों को वैक्सीन के लिए विदेश के यूनिवर्सिटी का एडमिशन सर्टिफिकेट, पासपोर्ट, पढ़ाई करने वाले देश का वीजा, वीजा के लिए संबंधित युनिवेर्सिटी से प्राप्त द्ध-20 श्रह्न छ्र्स-160 फॉर्म , एडमिशन कंफर्मेशन लेटर, आधार कार्ड, यह सभी डॉक्यूमेंट वैक्सीनेशन केंद्र में दिखाना अनिवार्य है.

बीएमसी के इन तीन अस्पतालों में अब तक 1000 से भी ज्यादा विदेश में पढ़ाई के लिए जानेवाले छात्रों

को कोविशील्ड की वैक्सीन दी जा चुकी है. वहीं जब मुंबई के मेयर किशोरी पेडनेकर से जब बीएमसी से विदेश जाने वाले छात्रों के लिए टीकाकरण की अनुमति देने और दूसरी खुराक के लिए अंतर बढ़ाने के बारे में पूछ गया तब उन्होंने मीडिया को जवाब देते हुए कहा कि टीकाकरण केंद्र सरकार की दिशा-निर्देशों के अनुसार किया जा रहा है. हमारे मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे संबंधित विभागों से बात करेंगे और उसी के अनुसार ये समाधान लाया जाएगा.

2022 में होने वाले बीएमसी चुनाव पर किशोरी पेडनेकर का बड़ा बयान-बीएमसी की मेयर किशोरी पेडनेकर ने साल 2022 में होने वाले बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) के चुनाव पर बड़ा बयान दिया है. मुंबई मेयर किशोरी पेडनेकर ने कहा, कि जब बीएमसी के चुनाव होंगे तो उस समय कोरोना की स्थिति कम हो ऐसा होगा तभी तो चुनाव होगा और अगर कोरोना की स्थिति बढ़ती है तो ये चुनाव आगे जा सकता है. लेकिन हमें इसके लिए तैयारी तो करनी ही पड़ेगी.

कोरोना वैक्सीन के रख-रखाव पर लापरवाही-रविवार को मुंबई की मेयर किशोरी पेडनेकर ने कई होटलों का औचक निरीक्षण किया तो उन्हें कोरोना वैक्सीन के रखरखाव को लेकर लापरवाही का मामला दिखाई दिया. किशोरी पेडनेकर को रविवार के दिन होटलों में निरीक्षण के दौरान कोरोना वैक्सीन सामान्य फ्रिज में रखे हुए मिले. जिसके बाद उन्होंने नाराजगी जताई और कहा कि यह तय प्रक्रिया का उल्लंघन है. इसे देखते हुए मेयर ने जांच के आदेश दिए हैं.

ग्वालियर से प्रकाशित
दैनिक पुष्पांजली टुडे
राष्ट्रीय मासिक पत्रिका, ऑनलाइन न्यूज चैनल, पोर्टल, एंड्रॉयड ऐप
को
सम्पूर्ण भारत में नियुक्त करना है
ब्यूरो चीफ/रिपोर्टर
मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, हरियाणा, गुजरात, बिहार, झारखंड, उड़ीसा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, आंध्रप्रदेश, अरूणाचल प्रदेश, असम, गोआ, कर्नाटक, केरल
आदि राज्यों के जिला एवं तहसील स्तर पर मनोनीत करना है
सम्पर्क करें
जी.एस. प्लाजा सूर्य मंदिर रोड गोले का मंदिर, ग्वालियर मध्यप्रदेश
फोन: 0751-4901403
मो. 8269307478,7879637585, 8770253710
Website-www.pushpanjalitoday.com
Email.- pushpanjalitoday@gmail.com

एक नजर...

पॉन ब्रोकेर्स एवम् ज्वेलर्स एसोसिएशन अम्बतूर शाखा की तरफ से 2लाख 53हजार रुपये मुख्यमंत्री राहत कोष में सुपुर्द किये

चैन्नई –तामीलनाडु मुख्यमंत्री राहत कोष मे देने के लिए तामीलनाडु पॉन ब्रोकर ऐवम ज्वेलर्स एसोसिएशन अम्बतूर शाखा कि तरफ सु कूल 253000/ रुपीया तामीलनाडु पॉन ब्रोकर ऐवम ज्वेलर्स एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष स्वामी तेजानन्द सघंठन के प्रदेश महासचिव नरेशपुरी गोस्वामी सघंठन के प्रदेश उपाध्यक्ष आणदप्रकाश शर्मा सघंठन के प्रदेश सहसचिव एम रमेश कुमार सैन पेरीयपालीयम भागीरत जाट को सुपुर्द किया इस कार्यक्रम मे तामीलनाडु पॉन ब्रोकर ऐवम ज्वेलर्स एसोसिएशन शाखा के अध्यक्ष सजनराज देसरला जैन भूतपूर्व अध्यक्ष नेमीचन्द रांका इन्द्रचन्द देसरला प्रमोद पोकरना रुपचन्द देसरला चन्द्रप्रकाश बरलेचा मोजुद थे

मृत्यु भोज नही करके 251 किलो लापसी गौमाता को खिलाया

पाली /नारायणलाल सैणचा/ महेन्द्र लाल पंवार गांव इन्द्रोका की ढ़ाणी का स्वर्गवास दिनांक 17-5-2021 को हो गया अतः इनके बारहवे दिन पर मृत्युभोज नही करके दिनांक 30-5-2021 को इनकी धर्मपत्नी गंगादेवी के कहने पर तीनो पुत्रो हीरालाल पूनाराम व ओमप्रकाश द्वारा कुबाजी महाराज गौशाला झीतड़ा मे गौ माताओं को 251 किलो लापसी बनाकर खिलाई गई इस पुनीत कार्य मे परिवार के अन्य सदस्य पुकाराम चोलाराम सुराराम सुजान मानाराम के साथ सरपंच दिलदार खा चौहान पंचायत समिति सदस्य डुंगाराम परिहार व गौशाला मे कार्य करने वाले सभी गौ भक्तो का पूर्ण सहयोग रहा।

दयालपुरा मे जरूरतमंद लोगों को खाद्य सामग्री कीट व मास्क, सैनेटाइजर बाँटे

नेनाराम सीरवी पाली निकटवर्ती ग्राम पंचायत दयालपुरा गॉव खेडा आंगनवाड़ी केन्द्र पर भारतीय जनता पार्टी नेता एवं समाजसेवी हरिभाई पटेल रूपावास के नेतृत्व में कोरोना वायरस महामारी बचाव व लॉकडाउन गाइडलाइन की पालना देखते हुए ग्रामीण क्षेत्र में बेरोजगारी जरूरतमंदो गरीब परिवारों को खाद्य भोजन सामग्री कीट और मास्क सैनेटाइजर वितरित किया तथा लोगों को कोरोना वायरस महामारी से कई प्रकार की फैली हुई बीमारियों के बारे में लोगों को जागरूकता की शपथ दिलाकर नियमों के निर्देश की पालना रखने को जैसे दो गज की दूरी रखना मास्क लगाना सैनेटाइजर व साबुन से बार बार हाथ धोए ,बिना काम घर से बाहर नहीं निकलना इसी पर लोगों को जागरूक कर संदेश दिया । इस मौके पर पंचायत समिति सदस्य संगीता मीणा सरपंच कैलाश कंवर पुर्व छात्रसंघ अध्यक्ष कविता पटेल आंगनवाड़ी कार्यकर्ता वरजु देवी सुगना कंवर आशा सहयोगी मनीषा देवी जगदीश सिंह व केशर सिंह राजपुरोहित जेट प्रभारी लखनलाल पुनाराम वरिष्ठ अध्यापक मोहनलाल अध्यापक क्क रु.ह्र लालाराम पंचायत सहायक पुखराज चौधरी ओमाराम व रमेश मुंजी सहित कई लोग मौजूद थे।

पुण्यश्लोक लोकमाता देवी अहिल्याबाई होलकर की जयंती मेहगॉव

बृजपाल सिंह गुर्जर

मेहंगाव। विधानसभा के कन्हारी गांव में धूमधाम से मनाई गई । कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रहे माननीय राजवीर सिंह बघेल कनाथर (राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पाल बघेल धनगर समाज) के द्वारा केक काटकर समस्त अतिथियों के साथ महारानी का बर्थडे मनाया गया । साथ ही इस अवसर पर उपस्थित ग्रामीण जनों को बताया कि न्याय की देवी लोकमाता देवी अहिल्याबाई होलकर पाल बघेल धनगर समाज की ही माता नहीं थी बल्कि वह तो पूरे देश की राजमाता थी जिन्होंने पूरे भारत देश में कुआ बावड़ी धर्मशालाऐ इत्यादि अपने निजी कोश से निर्माण किए । साथ ही श्री बघेल ने युवाओं व बुजुर्गों को शिक्षा को लेकर संदेश दिया कि अच्छे से अच्छे स्कूलो मैं अपने बच्चों की शिक्षा को पूरा करें ताकि आने वाले समय में अपने हक और अधिकारों को ले सकें शिक्षा पर किया हुआ खर्च कभी व्यर्थ नहीं जाएगा उसको आप एक जमा पूंजी की तरह समझे जिसको आने वाली पीढ़ी पढ़ लिख कर मय सूत के चुकाएगी । कार्यक्रम कार्यक्रम का संचालन दिनेश बौध ने किया एवं कार्यक्रम का आभार राकेश बघेल कन्हारी ने किया । इस अवसर पर उपस्थित रहे टिंकू बघेल ,विष्णु, बघेल ,भगवान सिंह कुशवाह, दिनेश बौद्ध कन्हारी, राकेश बघेल, बल्लू पाल ,। अंत में कन्हारी गांव की पाल बघेल युवा टीम ने समस्त अतिथियों को लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर की स्मृति चिन्ह देकर सभी अतिथियों का सम्मान किया ।

पाली सांसद पी पी चौधरी ने निधि निजी प्रयासों से विश्व स्तरीय उच्च गुणवत्ता युक्त 159 ऑक्सीजन कंसंट्रेटर करवाएं उपलब्ध

नेनाराम सिरवी

पाली/कोराना संक्रमण की बढ़ती हुई दूसरी रफ्तार को रोकने के लिए केंद्र सरकार द्वारा बेहतर चिकित्सा सुविधा देने के लिए हर संभव प्रयास किया जा रहा हैं। कोराना महामारी की संभावनाओं के अनुसार तीसरी लहर अपने संसदीय क्षेत्र को पूरी तरह से महामारी से बचाने के लिए पाली सांसद एवं पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री

जिले में हर परिस्थिति का सामना करने के लिए तैयार, सांसद पी पी चौधरी

पी पी चौधरी ने एक अनूठी पहल की। सांसद ने अपने सांसद निधि कोष व निजी प्रयासों से स्थानीय प्रशासन व चिकित्सा विभाग विश्व स्तरीय उच्च गुणवत्ता युक्त 159 ऑक्सीजन कंसंट्रेटर प्रदान किए। प्रदान किए गए चिकित्सा उपकरण सांसद के संसदीय क्षेत्र में पी एस सी या सी एस सी केंद्रों पर आवश्यकता के अनुसार प्रदान किए जाएंगे। सांसद पी पी चौधरी का संसदीय क्षेत्र पाली जिले के अलावा जोधपुर जिले के भोपालगढ़ ओसियां बिलाड़ा विधानसभा क्षेत्र शामिल हैं। जिसमें पाली सांसद पी पी चौधरी के संपूर्ण संसदीय क्षेत्र के लिए चिकित्सा उपकरण प्रदान किए गए। किसान केसरी गार्डन पाली में इन सभी ऑक्सीजन कंसंट्रेटर को पाली जिला कलेक्टर आई ए एस अंशदीप एवं प्रभारी पाली सावन कुमार सायल ।डी आई जी स्टांप। पाली को प्रदान किए। पाली सांसद चौधरी ने बताया कि कोरोना महामारी की दूसरी लहर में सबसे ज्यादा जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में आमजन को प्रभावित हुआ । उन्होंने बताया कि देश के उज्जवल भविष्य के लिए ग्रामीण क्षेत्र को रीड की हड्डी माना जाता है देश की विकास यात्रा में सर्वाधिक योगदान ग्रामीण क्षेत्रों का रहता है। ऐसी स्थिति में शहरी क्षेत्रों के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों में अभी वैश्विक महामारी से स्वस्थ सुरक्षित रखना सरकारों के साथ साथ जनप्रतिनिधियों का भी कर्तव्य बनता है। भारत देश के हर आमजन को सुरक्षित रखने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की परेक अगुवाई में भाजपा के सभी जनप्रतिनिधि एवं कार्यकर्ता अपने-अपने क्षेत्रों में कोराना महामारी प्रत्येक जीवन को बचाने में लगे हुए हैं। केंद्र सरकार का संकल्प की देश में विकट परिस्थिति के दौरान हर आमजन को बेहतर चिकित्सा सुविधा देने के लिए पूरा प्रयास किया जाएगा।

ऑक्सीजन की कमी से कोई परिवार अपने सदस्यों को न खोए इसी संकल्प के आधार पर जिले वासियों के लिए विश्व स्तरीय उच्च गुणवत्ता युक्त चिकित्सा उपकरण 159 ऑक्सीजन कंसंट्रेटर प्रशासन को प्रदान किए गए। सांसद चौधरी ने आगे बताया कि इन दिनों में संसदीय क्षेत्र में पी ए सी व सी एस सी के निरीक्षण में पाया गया कि कोराना महामारी के खिलाफ लड़ने के लिए हमारा स्वास्थ्य सेवाओं का बुनियादी ढांचा मजबूत होना आवश्यक है। डॉक्टर्स स्थानीय जनप्रतिनिधियों व आमजन के साथ बातचीत में यह भी सामने आया कि चिकित्सीय उपकरणों के साथ साथ ऑक्सीजन की उपलब्ध ना होने के कारण ग्रामीण क्षेत्रों में कोरोना मरीजों को शहरी क्षेत्रों के सरकारी अस्पताल व निजी अस्पतालों की ओर रुख करना पड़ता है। ग्रामीण क्षेत्रों में कई गांव कई ढाणी जहां पर आसपास में मरीज को आपातकालीन स्थिति के लिए दूर-दूर तक भटकना पड़ता है। जिसमें वर्तमान स्थिति में काफी दिक्कत सामने आती हैं। और लंबी दूरी पर ले जाने में जान का खतरा बना रहता है। और ऐसी कई मुश्किलों में ग्रामीण क्षेत्रों में कोराना महामारी से जाने गवाही। वैश्विक महामारी से लगातार 15 महीने से मध्यमवर्ग के व्यापारी दिनदहाड़े मजदूरी करने वाले लोग और मध्यम वर्ग की किसानों आदि सहित कई परिवार के लोग पहले ही परेशान हैं गरीब वर्ग के परिवार वालों के लिए कोरोना महामारी के चलते निजी अस्पतालों में उपचार के लिए भारी धनराशि का बोझ को देखकर संकट खड़ा होता है। ग्रामीण क्षेत्रों में सबसे ज्यादा रोज मजदूरी करने वाला व्यक्ति और उसका परिवार चलाना वर्तमान में सबसे बड़ा संकट खड़ा हुआ। ऐसी स्थिति में निजी अस्पताल में तो उनके लिए पहाड़ सा खड़ा हुआ। लगातार महामारी से संपूर्ण देश में मध्यम वर्ग के व्यापारी मध्यमवर्ग का किसान वैसे ही लंबे समय से चिंतित हैं। ऐसी स्थिति में इन सभी बातों को ध्यान में रखकर केंद्र सरकार के संकल्प के अनुसार शहरी क्षेत्रों के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों में भी बेहतर चिकित्सा सुविधा हर आमजन को दी जाए। सांसद चौधरी ने बताया कि ऑक्सीजन को कमी को दूर करने के लिए प्राण वायु की निबंध उपलब्धि के लिए उन्होंने सभी पी ए सी और सी एस सी केंद्रों पर विश्व स्तरीय उच्च गुणवत्ता युक्त 159 ऑक्सीजन कंसंट्रेटर प्रदान किए। कोराना के खिलाफ जंग में पाली जिले को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मजबूत प्रदान करने के लिए आगे भी आवश्यक कार्य किए जाएंगे।

सांसद चौधरी के साथ साथ सुमेरपुर विधायक कुमावत ने लगातार ग्रामीण क्षेत्रों का किया दौरा वैश्विक महामारी की बढ़ती हुई दूसरी रफ्तार को थामने के लिए केंद्र सरकार राज्य सरकार जिला प्रशासन पुलिस प्रशासन चिकित्सा विभाग स्वास्थ्य कर्मी पंचायत प्रशासन समाजसेवी भामाशाह के साथ साथ सुमेरपुर विधायक जोराराम कुमावत ने लगातार अपने विधानसभा क्षेत्र के अलावा अन्य क्षेत्रों का दौरा करके आमजन राहत प्रदान करने के लिए हर संभव पूरा प्रयास किया। विधायक कुमावत ने अलग-अलग क्षेत्रों का दौरा करके आमजन को बेहतर चिकित्सा सुविधा देने के विधायक राहत कोष के अलावा समाजसेवी और भामाशाह से सहयोग लेकर चिकित्सा केंद्रों पर चिकित्सा उपकरण भेट करवाएं गए। जिले में भारतीय जनता पार्टी के जिला स्तर के पदाधिकारी मंडल स्तर के पदाधिकारी ग्रामीण क्षेत्रों में कार्यकर्ताओं द्वारा कोरोना वायरस के बढ़ते मामलों को नियंत्रण करने के लिए जन जागरूकता अभियान के तहत आमजन को जागरूक किया। इस अवसर पर यह रहे मौजूद। पाली सांसद पीपी चौधरी के अलावा प्रांत प्रचारक योगेंद्र। सेवा भारती समिति के सदस्य स्वरूप दान। सुमेरपुर विधायक जोराराम कुमावत। पाली जिला प्रमुख रश्मि सिंह रोहट। पाली सभापति रेखा राकेश भाटी। पूर्व सभापति महेंद्र बोहरा। जिला अध्यक्ष जोधपुर देहांत दक्षिण जगराम बिश्नोई। जिला मंत्री सुनील भंडारी। सिद्धार्थ सिंह रोहट। भाजपा प्रदेश प्रतिनिधि पुखराज पटेल। पूर्व जिला अध्यक्ष ओबीसी मोर्चा भंवरलाल सिरवी किसान केसरी गार्डन पाली। जिला मंत्री पूनम सिंह। पूर्व मंडल अध्यक्ष खोड मुकेश सीरवी। जिला कोषाध्यक्ष राम किशोर साहू। अल्पसंख्यक मोर्चा जिला अध्यक्ष अजीज कोहिनूर। जिला अध्यक्ष ओबीसी मोर्चा हेमंत गदाणा। जिला प्रवक्ता त्रिलोक चौधरी। अशोक बाफना। जाहिद नूरानी गणपत लाल मेघवाल पार्षद दिलीप चौधरी सहित अन्य भाजपा कार्यकर्ता गण मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री ने कैबिनेट बैठक के पूर्व मंत्रिमंडल के सदस्यों को संबोधित किया

पंकज त्रिपाठी स्टेट ब्यूरो चीफ
दैनिक पुष्पांजली टुडे

भोपाल।आज कैबिनेट बैठक के पूर्व मंत्रिमंडल के सदस्यों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि आप सब ने पिछले दो माह में अनथक परिश्रम किया है, आज उसका ही सुपरिणाम सामने आ रहा है। कल 1078 पाज़िटिव केस आए हैं, पाज़िटिविटी रेट 1.5 त्न है तथा 4120 लोग रिकवर हुए है, तथा स्वस्थ होने वालों की दर 96.36त्न हो गई है। कल अलीराजपुर में एक भी केस नहीं आया है, 36 जिलों में 10 से कम पाज़िटिव केस हैं। हम शून्य पाज़िटिविटी रेट के लक्ष्य की ओर बढ़ रहे हैं। हम सब ने जनता और क्राइसिस मैनेजमेंट ग्रुप के साथ मिलकर जो काम किया है यह सब उसके ही परिणाम हैं। अब अनलॉक शुरू हुआ है, हमे कोरोना को लॉक करना है और जिंदगी को अनलॉक। हमारी पूरी कोशिश होगी की व्यापार और काम धंधे भी चलें और कोरोना को भी नियंत्रण में रख पाएं। आपसे आग्रह है कोविड अनुरूप व्यवहार आपके जिले में पालन हो ये आपकी जिम्मेदारी है। मंत्री गण अपने प्रभार के जिलों में दौरा करें और हर स्तर के जनप्रतिनिधियों को जोड़कर, अधिकारी-कर्मचारी के साथ कोविड अनुरूप व्यवहार की जागरूकता के लिये कार्य करें। इसी के साथ कोविड वैक्सीनेशन के लिये भी जागरूक करना है। मंत्रियों के 6 समूह लगातार कार्य करते रहें। इनका काम जारी रहेगा और इस काम को लीड करेगा जिस विभाग से संबंधित है। हम सब के परिश्रम से मध्यप्रदेश आगे बढ़े यह सुनिश्चित करना है। शिक्षा के लिये गठित समूह बहुत महत्वपूर्ण है, यह समूह बैठक कर शिक्षा के नवाचारों पर विचार करे। महाविद्यालय के छात्रों तथा प्राध्यापकों को कोविड अनुरूप व्यवहार और वैक्सीनेशन के प्रति जागरूक करने हेतु उच्च शिक्षा तथा तकनीकी शिक्षा विभाग इनकी ट्रेनिंग के कार्यक्रम पर काम करे। बड़ी संख्या में हमारे छात्र और शिक्षक हमारी बहुत बड़ी शक्ति है।

कानेलाव में 65 फिट ऊँचाई के वट व्रक्ष को सीरवी युवाओं एवं पर्यावरण संजीवनी संस्थान ने सुरक्षा के लिये बनाया चबुतरा

बेंगलुरु। गुंदोज निकटवर्ती कानेलाव गाव में पर्यावरण को ध्यान में रखते हुए सीरवी युवाओं नवयुवक मंडल एवं पर्यावरण संजीवनी संस्थान के सदस्यो द्वरा 50 हजार की लागत से 65 फिट ऊँचाई वाले वट व्रक्ष तालाब की पाल पर खड़ा देख युवाओं ने सुरक्षा के लिए वट व्रक्ष के चारो ओर दीवार बनाकर चबुतरा बनाया गया । पर्यावरण संजीवनी संस्थान के नगाराम सीरवी का कहना है कि कानेलाव गाव का सबसे बड़ाएवं पुराना वट व्रक्ष तालाब की पाल पर खड़ा है लेकिन तेज हवा व तूफान में कभी गिर नही जाये इसलिए युवाओं ने भामाशाहो के सहयोग से बनाया चबुतरा और आगे ऐसे ही नेक कार्य करने का सुजाव भी दिया युवाओं का कहने का मतलब इंसान को पर्यावरण की रक्षा के लिए पेड़ पौधे लगाने चाहिये और जो पेड़ पौधे लगे हुए है उसकी भी सुरक्षा करनी चाहिये संस्था के प्रदेशाध्यक्ष गोविन्द सीरवी ने पाली क्षेत्र की टीम की सराहना की साथ ही पर्यावरण के क्षेत्र में हर समय तैयार रहने की अपील की ।

कोरोना की जंग स्थानीय पुलिस प्रशासन का सहयोग करें: भवानी सिंह

नेनाराम सिरवी

पाली। कोराना संक्रमण के चलते राज्य सरकार की आदेशानुसार जिला प्रशासन जिला पुलिस प्रशासन चिकित्सा विभाग स्वास्थ्य कर्मी पंचायत प्रशासन स्थानीय पुलिस प्रशासन द्वारा लगातार शहरी क्षेत्रों के साथ-साथ अब ग्रामीण क्षेत्रों में गंभीरता देखते हुए प्रशासन पूरी तरह से हुआ अलर्ट। कोराना संक्रमण की बढ़ती हुई दूसरी रफ्तार को रोकने के लिए जिला पुलिस अधीक्षक कालूराम रावत के निर्देशानुसार जिले के अलग-अलग थाना प्रभारियों के नेतृत्व में ग्रामीण क्षेत्रों में बढ़ते प्रकोप को नियंत्रण करने के लिए हर आमजन को राज्य सरकार के निर्देशों की पालना सख्ती करवाई जा रही हैं। जिले के गुड़ा एंडला थाना प्रभारी बिहारी लाल शर्मा के नेतृत्व में रानी उपखंड क्षेत्र के ग्राम किरवा मुख्य चौराया राष्ट्रीय राजमार्ग नंबर 62 पर महामारी रेड अलर्ट जन अनुशासन पखवाड़े के दौरान राज्य सरकार की ओर से लगाया गया सख्त लॉक डाउन के मध्य नजर अस्थाई पुलिस चौकी स्थापित की गई। कोरोना वायरस की भयंकर महामारी को गंभीरता पूर्वक समझ कर जिला पुलिस अधीक्षक कालूराम रावत के निर्देशानुसार गुड़ा थाना प्रभारी बिहारी लाल शर्मा के नेतृत्व में थाना हल्का क्षेत्र के संपूर्ण गांव में पुलिस द्वारा फ्लैग मार्च निकाला गया। और आमजन से जिला प्रशासन पुलिस प्रशासन के प्रति सहयोग देने की अपील की गई। जिसमें बताया गया कि वैश्विक महामारी से पूरी दुनिया भर में मरने वालों का आंकड़ा बहुत ऊपर पहुंचा गया। भारत में भी कोरोना संक्रमित लोगों की संख्या निरंतर बढ़ोतरी हो रही हैं। ओर विश्वव्यापी महामारी का मुख्य उपचार बचाव ही उपचार हैं। ऐसी विकट परिस्थिति के दौरान भारत में बढ़ते दिनोंदिन कोराना मामलों को देख कर राजस्थान सरकार की ओर से महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए महामारी रेड अलर्ट जन अनुशासन पखवाड़े के दौरान सख्त लॉक डाउन लगाया गया। जिसमें राज्य सरकार के आदेश अनुसार जिला पुलिस प्रशासन की ओर से शहरी क्षेत्रों के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों में पुलिस प्रशासन को सख्ती की पालना सुनिश्चित करवाने के लिए आदेश जारी किए गए। आदेशों की पालना के अनुसार थाना क्षेत्र के अंतर्गत खोड चौकी गुंदोज चौकी डेण्डा चौकी मनिहारी चौकी प्रभारियों को अपने अपने हल्का क्षेत्र में बेवजह घूमने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के लिए आदेश। किरवा मुख्य मुखिया चौराहे पर अस्थाई पुलिस चौकी स्थापित करके वैश्विक महामारी के बढ़ते प्रकोप को रोकने के लिए सफल प्रयास नजर आ रहे हैं। गुड़ा एंडला थाना कॉन्स्टेबल भवानी सिंह ने बताया कि कोराना संक्रमण के चलते निर्देशों के अनुसार बेवजह घूमने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई हेलमेट नहीं पहनने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई। बिना मास्क वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई। ओर धार्मिक आयोजन सांस्कृतिक आयोजन पारिवारिक आयोजन पर पुलिस प्रशासन की ओर से कड़ी से कड़ी नजर बनाई हुई है। ग्रामीण क्षेत्रों में आम चौराया धार्मिक स्थल मुख्य रोड बाजारों में सामाजिक दूरी की पालना करने के निर्देश दिए जा रहे हैं। कॉन्स्टेबल भवानी सिंह ने कहा कि पुलिस प्रशासन आमजन का सहयोग करेगा आमजन हमेशा पुलिस प्रशासन का सहयोग करें। और वैश्विक महामारी से घबराए नहीं बल्कि उपचार को उपचार ही समझ कर निर्देशों की पूरी पालना करें। क्योंकि घातक वायरस से लड़ने की जिम्मेदारी सिर्फ और सिर्फ पुलिस प्रशासन की नहीं बल्कि हम सबकी जिम्मेदारी बनती हैं। ओर 2 गज की दूरी है जरूरी मास्क है जरूरी। किरवा राष्ट्रीय राजमार्ग नंबर 62 पर अस्थाई पुलिस चौकी स्थापित करने के बाद आमजन में पुलिस प्रशासन के प्रति भय के साथ-साथ विश्वास की चेतना में उमंग उठी । जिसमें लगातार थाना प्रभारी शर्मा के निर्देशानुसार पुलिस प्रशासन द्वारा कोराना वायरस घातक महामारी को गंभीरता पूर्वक आमजन को स्वस्थ और सुरक्षित रखने के लिए हर संभव पूरा प्रयास किया जा रहा है।

नगर के युवा समाजसेवियों ने स्टेट बैंक चौराहे पर मास्क एवं सेनेटाइजर का किया वितरण

संतोष सिंह भदौरिया रिपोर्टर

भिंड/गोरमी। नगर के युवा समाजसेवियों ने कोरोना महामारी के बीच स्टेट बैंक चौराहे पर मास्क एवं सैनिटाइजर का वितरण किया मुख्य मार्ग से गुजरने वाली सभी बसों ऑटो जीप ट्रक के ड्राइवरों को सैनिटाइजर एवं मास्क प्रदान किया गया एवं मार्ग पर बिना मास्क चलने वाले लोगों को रोक रोक कर मास्क पहनाया गया एवं उनको बिना मास्क के घर से ना निकलने की समझाइश दी गई इस अवसर पर उपस्थित भाजपा मंडल अध्यक्ष सुभाष थापक ने युवाओं की इस अभिनव पहल का स्वागत किया और कहां कि अगर हमसबको कोरोना महामारी से जंग जीतना है तो इसमें समाज के हर वर्ग के लोगों को आगे आना चाहिए बिना काम के घर से बाहर न निकले।मास्क वितरण कार्यक्रम के आयोजक डॉक्टर डी सी कानिया एवं युवा समाजसेवी डॉ राजेश पचौरी ने बताया हमारा मास्क एवं सैनिटाइजर वितरण का कार्यक्रम इसी प्रकार नगर के मुख्य चौराहों अस्पताल परिसर में निरंतर जारी रहेगा इस अवसर पर मुख्य रूप से युवा समाजसेवी हरिओम कटारे डॉ राजेश पचौरी सुभम थापक दिनेश श्रीवास् रणवीर परम सनी शर्मा निखिल मिश्रा दीपू चौधरी राजीव श्रीवास्तव मोनू शर्मा आदि युवा उपस्थित थे।

राष्ट्रीय विप्र एकता मंच के नवनियुक्त पदाधिकारियों ने परिचय किया

नीरज त्रिपाठी पुष्पांजली टुडे

भिण्ड(ब्यूरो)।आज विश्व ब्राह्मण दिवस के उपलक्ष्य में आज भगवान परशुराम मंदिर भिण्ड में राष्ट्रीय विप्र एकता मंच के प्रदेशाध्यक्ष दीपक दुबे एवं प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष आशीष जोशी के द्वारा भगवान परशुराम मंदिर पर माल्यार्पण कर पूजा अर्चना की जिसमें साथ मे ही मौजूद रहे चम्बल सम्भाग अध्यक्ष नमो जोशी ,जिला अध्यक्ष कुलदीप भारद्वाज ,अटेर विधानसभा अध्यक्ष गिर्राज पुरोहित, गोहद विधानसभा अध्यक्ष अमरदीप शर्मा,संभाग सचिव सर्वेश पाठक ,ब्लॉक अध्यक्ष अटेर कमलकांत बरुआ ,ब्लॉक अध्यक्ष सुरपुरा अमन कटारे,ब्लॉक अध्यक्ष फूप गोलू शुक्ला ,ब्लॉक क्र.2 भिण्ड अध्यक्ष नीरज त्रिपाठी,एवं सभी पदाधिकारियों के प्रदेशाध्यक्ष दीपक दुबे जी ने भगवान परशुराम मंदिर पर माल्यार्पण कर पूजा अर्चना की और सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों से परिचय किया।

सावधानी ही हथियार करें कोरोना पर प्रहार

युवा समाजसेवी भाजयुमो जिला उपाध्यक्ष दतिया सेवड़ा श्यामू ठाकुर ने की कोरोना गाइड लाइन का पालन करने की विनम्रता पूर्वक की अपील। थोड़ी सी लापरवाही परिवार के लिए बड़ा संकट बन सकती है युवा मोर्चा जिला उपाध्यक्ष श्यामू ठाकुर ने सेवड़ा नगर व जिले-वासियों से अपील की है कि कोरोना कर्फ्यू में ढील के दौरान कोरोना गाइड लाइन का पूरी तरह पालन करें। उन्होंने कहा है कि हमारी थोड़ी सी भी लापरवाही स्वयं और परिवार के लिए बड़ा संकट खड़ा कर सकती है। उन्होंने सभी से अपील की है कि बाजार जाते समय मास्क लगाएँ, निश्चित दूरी बनाए रखें और कोरोना गाइड लाइन के अन्य बिंदुओं का पालन करें।

भोपाल प्रतिबंधों के साथ होगा अनलॉक रात्रि 8 से सुबह 6 बजे तक प्रतिदिन रात्रि कर्फ्यू'

(सप्ताह में शुक्रवार रात 8 बजे से सोमवार सुबह 6 बजे तक कर्फ्यू रहेगा)

पंकज त्रिपाठी स्टेट ब्यूरो चीफ
दैनिक पुष्पांजली टुडे

भोपाल। जिला मजिस्ट्रेट एव कलेक्टर भोपाल अविनाश लवानिया ने जिले की राजस्व सीमा में 15 जून तक के लिए प्रतिबंधात्मक आदेश जारी करते हुए कुछ शर्तों के साथ व्यावसायिक और अन्य गतिविधियों की छूट घोषित की है। कलेक्टर श्री लवानिया ने कोरोना कर्फ्यू में पूर्व में जारी आदेश को अधिक्रमित करते हुए रात्रि 8 से सुबह 6 बजे तक कोरोना कर्फ्यू लगाने के नवीन आदेश के साथ सप्ताह में दो दिन शनिवार और रविवार को जनता कर्फ्यू लगाने के आदेश दिए है। कलेक्टर ने आदेश में बताया कि आम नागरिको के कोरोना संकमण से बचाव एवं जन सामान्य के स्वास्थ्य हित को ध्यान में रखते हुए प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किए है क्योंकि वर्तमान समय में भी स्थिति पूरी तरह से नियंत्रित नही हुई है।उन्होंने धारा 144 में प्रदत्त शक्तियो को प्रयोग मे लाते हुये सम्पूर्ण भोपाल जिले की राजस्व सीमाओं में 15 जून 2021 तक प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किये है। जनता कर्फ्यू शुकवार रात्रि 8 से सोमवार को प्रातः 6 बजे तक प्रभावी रहेगा । उक्त अवधि में दूध डेरी प्रातः 6 से 9 बजे तक तथा केमिस्ट एवं स्वास्थ्य सेवाओं से संबंधित अस्पताल और संस्थान पूरे दिन खुले रह सकेगें, वैक्सीनेशन कार्य में संलग्न अधिकारियो, कर्मचारियों एवं वैक्सीनेशन कराने वाले व्यक्तियों को आने एवं जाने के लिए, आवश्यक वस्तुओं के परिवहन, औद्योगिक इकाईयो के श्रमिको, कर्मियो , औद्योगिक कच्चे माल तथा उत्पाद के परिवहन, बीमार व्यक्तियों के परिवहन एवं एयरपोर्ट, रेल्वे स्टेशन आने जाने तथा परीक्षा, प्रतियोगिता परीक्षा में शामिल होने के लिये छूट रहेगी, जारी आदेश अनुसार जिले में खुले एवं बंद स्थानों पर होने वाले सभी प्रकार के सामाजिक, राजनैतिक, खेल, मनोरंजन, सांस्कृतिक, धार्मिक आयोजन, मेले आदि जिनमें जनसमूह एकत्र होता है, पूर्णतः प्रतिबंधित रहेंगे । सभी प्रकार के धरना, प्रदर्शन, जुलूस, ज्ञापन, एकत्रीकरण इत्यादि पर पूर्ण रुप से प्रतिबंध रहेगा । रूल आफ सिक्स - अनुमत्य गतिविधियों के अलावा किसी भी स्थान पर 6 से अधिक व्यक्तियों के एकत्र होने पर प्रतिबंध रहेगा । स्कूल , कॉलेज , शैक्षणिक, प्रशिक्षण, कोचिंग संस्थान की ऑफलाइन कक्षाएँ पूर्णतः बंद रहेंगी। आनलाईन क्लासेस चल सकेंगी। सभी सिनेमाघर , शापिंग माल, स्वीमिंग पूल, थियेटर, पिकनिक स्पाट, ऑडिटोरियम सभागृह इत्यादि बंद रहेंगे । सभी धार्मिक, पूजा स्थल पर एक समय में 4 से अधिक व्यक्ति उपस्थित नहीं रह सकेंगे। अत्यावश्यक सेवायें देने का कार्य करने वाले कार्यालयों, जिला कलेक्ट्रेट, पुलिस, आपदा प्रबंधन, फायर, स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा , जेल, राजस्व, पेयजल आपूर्ति, नगरीय प्रशासन, ग्रामीण विकास, विद्युत प्रदाय, सार्वजनिक परिवहन, कोषालय, पंजीयन विभाग को छोड़कर शेष कार्यालय 100 प्रतिशत अधिकारियों एवं 50 प्रतिशत कर्मचारियों के साथ ही संचालित किये जा सकेंगे,अधिकतम 10 व्यक्तियों के साथ अंतिम संस्कार की अनुमति रहेगी, विवाह में दोनो पक्षों के मिलाकर अधिकतम 20 लोगों के साथ ही अनुमति रहेगी, इस प्रयोजन के लिये विवाह समारोह में उपस्थित होने वाले अतिथियों के नाम की सूची आयोजक को सम्बंधित क्षेत्र के एसडीएम को आयोजन से पूर्व प्रदाय किया जाना आवश्यक होगा ।

प्रतिबंध से मुक्त गतिविधियां- समस्त प्रकार के उद्योग एवं औद्योगिक गतिविधियां चालू रह सकेंगी। इस कार्य हेतु उद्योग से जुड़े अधिकारियों ,कर्मचारियों, श्रमिकों को वैद्य आईडीकार्ड के साथ आने - जाने की अनुमति रहेगी । उद्योगों के कच्चा माल, तैयार माल के आवागमन पर किसी प्रकार की रोक नहीं होगी। अस्पताल, नर्सिंग होम , क्लीनिक , मेडिकल इन्श्योरेंस कम्पनीज , अन्य स्वास्थ्य एवं चिकित्सा सेवाएं एवं पशु चिकित्सा अस्पताल चालू रहेंगी। केमिस्ट, सार्वजनिक वितरण प्रणाली की राशन दुकाने, किराना दुकाने , फल और सब्जियां, डेयरी एवं दुग्ध केन्द्र , आटा चक्की, पशु आहार एवं स्टेशनरी की दुकाने पूरे दिन के लिये खुली रखी जा सकेंगी, पेट्रोल, डीजल पम्प, गैस स्टेशन, रसोई गैस सेवायें पूरी तरह से चालू रहेंगे । सभी कृषि गतिविधियों की अनुमति होगी । कृषि उपज मण्डी , खाद, बीज, कृषि यंत्र की दुकाने खुल सकेंगी, इलेक्ट्रीकल , हार्डवेयर , मोटर रिपेयर एवं बिल्डिंग मेटेरियल की दुकानें सायंकाल 6बजे तक खुल सकेगी। बैंक, बीमा कार्यालय एवं एटीएम चालू रहेंगे। प्रिन्ट एवं इलेक्ट्रानिक मीडिया तथा केबल संचालन की अनुमति रहेगी। बैंक , इन्श्योरेंस , एन बी एफ सी एस से जुड़े संस्थानों के कोआपरेटिव क्रेडिट सोसाइटी , कैश मेनेजमेंट एजेन्सीज संचालन एवं आवागमन की अनुमति रहेगी।सभी प्रकार के सामानों एवं माल की आवाजाही जारी रहेगी, सार्वजनिक परिवहन , निजी बसों , ट्रेनो के माध्यम से कोविड -19 के दिशा निर्देशों के अन्तर्गत अनुमति रहेगी। बसों में यात्रियों को एक सीट छोड़कर ही बैठाया जाए जिससे सामाजिक दूरी बनाई रखी जा सके।आटो , ई - रिक्शा में दो सवारी , टैक्सी तथा निजी चार पहिया वाहनों में ड्राईवर तथा दो पैसेंजरों को, फेस मास्क के साथ यात्रा करने की अनुमति होगी , मोहल्लों, कॉलोनियों, ग्रामों में एकल दुकाने पूरे समय खुली रखी जा सकेंगी । कोल्ड स्टोरेज एवं वेयर हाउसिंग की सर्विसेज को अनुमति होगी । जिले में ई - कामर्स कम्पनियों से तथा अत्यावश्यक वस्तुओं की दुकानों से होम डिलीवरी की अनुमति रहेगी । येलो एवं ग्रीन जोन के ग्रामों में समस्त मनरेगा कार्य , ग्रामीण विकास विभाग एवं अन्य विभागों के निर्माण कार्य तथा तेन्दुपत्ता संग्रहण के कार्य कोविड -19 महामारी की रोकथाम की एसओपी का पालन करते हुए अनुमत्य होंगे । परम्परागत रूप से लेबर मार्किट कोविड -19 के दिशा निर्देशों का पालन करने की शर्त पर चालू रह सकेंगे । नगर निगम द्वारा सभी स्थानों पर कोविड -19 प्रोटोकॉल का पालन सुनिश्चित कराया जाएगा । सब्जियां, फल फूल के थोक बाजार नगरीय क्षेत्र से बाहर ही निर्धारित स्थानों पर संचालित होगें । शहर के अंदर हाथ ठेला आदि पर सब्जी, फल फूल का रिटेल में विकय चलित रुप में ही कर सकेगें । एक जगह पर खडे होकर विकय नही किया जाएगा । हाट बाजार पूर्णतः बंद रहेंगे । एम्बूलेंस आक्सीजन टेंकर का आवागमन निर्बाद्ध रहेगा । अस्पताल, नर्सिंग होम और टीकाकारण हेतु आवागमन कर रहे नागरिकों, कर्मियों को छूट रहेगी । मेनटेनेन्स सर्विस देने वाले यथा इलेक्ट्रीशियन, प्लम्बर, कारपेंटर , मोटर मैकेनिक , आईटी सर्विस प्रोवाइडर आदि के आवागमन पर रोक नहीं होगी ।परीक्षा केन्द्र आने एवं जाने वाले परीक्षार्थी तथा परीक्षा केन्द्र एवं परीक्षा आयोजन से जुड़े कर्मी, अधिकारीगण के आवागमन पर छूट रहेगी । उपार्जन गतिविधियों पर कोई रोक नहीं होगी तथा सतत् रूप से उपार्जन संचालित किया जायेगा।निजी सुरक्षा सेवाओं को अनुमति रहेगी ।घरेलू सेवा देने वाले यथा धोबी, ड्राईवर , हाऊस हेल्प, मेड , कुक आदि के आवागमन पर रोक नहीं होगी । फायर बिग्रेड , टेली कम्यूनीकेशन , विद्युत प्रदाय , रसोई गैस , पेट्रोल, डीजल, केरोसीन टैंकर , होम डिलेवरी सेवाएं.दूध एकत्रीकरण, वितरण , फल - सब्जी के परिवहन , डाक एवं कोरियर सेवाओं के आवागमन पर कोई बाधा नहीं होगी । हवाई यात्रा से जुड़े कार्यालय एवं उनसे सम्बंधित कर्मियों के आवागमन की अनुमति समस्त निजी कार्यालय कुल कर्मचारियों में से 50 प्रतिशत की उपस्थिति के साथ खुल सकेंगे । समस्त सिविल निमार्ण कार्य , निर्माण स्थल परिसर में कर्मी, श्रमिकों को रुकने की व्यवस्था करने के साथ ही अनुमत्य होंगे । समस्त रेस्टोरेंट , भोजनालय , मिठाई दुकान केवल टेक होम, होम डिलीवरी के लिए खुल सकेगें इनमें बैठकर खिलाना पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा ।समस्त लॉजिंग, होटल, रिसोर्ट केवल आगंतुको के लिए ही खुल सकेगें । लॉज, होटल, रिसोर्ट में इन हाउस गेस्ट को ही भोजन सर्व किया जा सकेगा । जिले में देशी विदेशी मदिरा की दुकाने आबकारी विभाग , मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार संचालित होंगी । सभी सार्वजनिक व व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में कोविड -19 के प्रोटोकॉल, फेस मास्क , सेनिटाइजर , 2 गज की दूरी , गोले बनाना व रस्सी बांधना का पालन करना अनिवार्य होगा । इसके उल्लंघन पर संबंधित प्रतिष्ठान के संचालक पर वैधानिक कार्यवाही की जाएगी व संबंधित प्रतिष्ठान को सील किया जा सकेगा होगी । शहर के सभी वार्डों में साप्ताहिक औसत के आधार पर डार्क ग्रीन, येलो, आरेन्ज व रेड जोन में बांटा जाएगा जिसमें आरेन्ज व रेड जोन में आने वाले वार्डो को कन्टेनमेंट एरिया बनाकर उपरोक्त गतिविधियाँ पूर्णतःप्रतिबंधितकीजाएगी । इसी क्रम में इस सप्ताह वार्ड क 52 में 70 से अधिक कोरोना पॉजेटिव केसेस आने के चलते इन वार्ड में उपरोक्त प्रतिबंधों से छूट नहीं रहेंगी ।यह आदेश एक जून 2021 से प्रभावशील होगा । इस आदेश का उल्लघंन करने वाले व्यक्ति के विरूद्व भारतीय दण्ड संहिता की धारा 188 के अंतर्गत कार्यवाही की जायेगी ।

सोहनलाल चन्द्रजी सकलेचा परिवार की तरफ से 21 हजार रुपये मुख्यमंत्री **राहत कोष में सुपुर्द किये**

पुष्पांजली टुडे

चैन्नई। तामीलनाडु मुख्यमंत्री राहत कोष मे देने के लिए मिन्जूर सोहनलाल प्रकाश चन्द्रजी सकलेचा ने अपने परिवार कि तरफ सु 21000/ रुपीये तामीलनाडु पॉन ब्रोकर ऐवम ज्वेलर्स एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष स्वामी तेजानन्द सघंठन के प्रदेश उपाध्यक्ष आणदप्रकाश शर्मा सघंठन के प्रदेश सहसचिव एम रमेश कुमार जी सैन प्रदेश उपाध्यक्ष भभुतराम कुलदानीया जाट तामीलनाडु पॉन ब्रोकर ऐवम ज्वेलर्स एसोसिएशन तिरुवेलुर इष्ट जिला अध्यक्ष एस महावीरचन्द कटारिया जैन को सुर्फद किया इस कार्यक्रम मे पेरीयपालीयम भागीरत जाट चौधरी मोजुद थे।

मेरा गांव मेरी जिम्मेदारी ग्रामीण क्षेत्रों में पंचायत प्रशासन हुआ अलर्ट

नेनाराम सिरवी

पाली/निकटवर्ती ग्राम पंचायत भावरी सरपंच सुनीता त्रिवेदी उपसरपंच महंत ज्ञान दास महाराज ग्राम विकास अधिकारी धर्मेंद्र खंडेलवाल पंचायत सहायक जालम सिंह राजपुरोहित पंचायत सहायक प्रभु राम पंचायत सहायक ओम प्रकाश गर्ग रोजगार कनिष्ठ रोजगार भागीरथ देवासी कोराना संक्रमण की बढ़ती हुई दूसरी रफ्तार को थामने के लिए मेरा गांव मेरी जिम्मेदारी का एहसास करवाने के लिए जिला प्रशासन चिकित्सा विभाग पुलिस प्रशासन की अनुशंसा पर पंचायत प्रशासन वर्तमान कोराना महामारी के चलते पूरी तरह से अलर्ट नजर आ रही है। वैश्विक महामारी की बढ़ती हुई दूसरी रफ्तार को रोकने के लिए जिला प्रशासन चिकित्सा विभाग शहरी क्षेत्रों के साथ साथ लगातार ग्रामीण क्षेत्रों में हर संभव आमजन को बेहतर चिकित्सा सुविधा देने के लिए पूरा प्रयास किया जा रहा है। जिला प्रशासन की प्रेरणा से ग्राम पंचायत भावरी सरपंच सुनीता त्रिवेदी के आदेश अनुसार पंचायत कार्मिकों द्वारा लगातार ग्राम पंचायत क्षेत्र में भ्रमण करके आमजन को वर्तमान परिस्थिति को देखकर जागरूक किया जा रहा है। पाली जिला कलेक्टर अंशदीप के आदेशानुसार पंचायत प्रशासन की ओर से प्रतिदिन पूरा प्रयास करकेमेरा आंगन मेरा गांव मेरा देश स्वस्थ रहे। ग्रामीणों को जगाने की अपील की जा रही हैं। कोरोना वायरस की दूसरी लहर से शहरी क्षेत्रों के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों में भी लोग प्रभावित हुए। भयंकर विकट परिस्थिति के दौरान जिला प्रशासन चिकित्सा विभाग पुलिस प्रशासन स्वास्थ्य कर्मियों के साथ साथ पंचायत प्रशासन भावरी के सफल प्रयास से हर क्षेत्र में सफल रही। पंचायत सहायक जालम सिंह राजपुरोहित ने बताया कि कोराना काल के चलते हमारा गांव हमारी रीड की हड्डी हैं। देश की विकास गतिविधियों में ग्रामीण क्षेत्रों का सर्वाधिक योगदान रहता है।ऐसे में इनको कोराना महामारी से सुरक्षित रखना प्रत्येक देशवासियों का कर्तव्य होता है। भीषण गर्मी के चलते पंचायत प्रशासन के कार्मिक अपनी जान जोखिम में डालकर लगातार आमजन को स्वस्थ रखने के लिए हर संभव प्रयास करके जागरूक किया गया। जिला प्रशासन के निर्देशानुसार डोर टू डोर सर्वे करके टीकाकरण शिविर के दौरान वंचित बुजुर्गों का सर्वे करके कोराना वैक्सीन के टीके लगाने के लिए प्रेरित किया गया। और गंभीर बीमारी रोग ग्रस्त लोगों को चिकित्सा उपचार के लिए प्रेरित करके हर संभव उनकी मदद करके उपचार करवाया गया। ग्राम पंचायत उप सरपंच महंत ज्ञान दास महाराज ग्राम पंचायत के जनप्रतिनिधियों ने ग्राम पंचायत क्षेत्र में बुजुर्गों को ज्यादा से ज्यादा टीके लगाने के लिए बुजुर्गों को प्रेरित किया। पंचायत प्रशासन की ओर से धार्मिक आयोजन सांस्कृतिक आयोजन सामूहिक कार्यक्रम आदि आयोजनों पर कड़ी से कड़ी नजर बनाए रखी गई। और सामाजिक दूरी की पालना सुनिश्चित करने की अपील के साथ साथ नियमित मास्क का उपयोग करने के साथ-साथ आमजन से वर्तमान परिस्थिति को देखकर जिला प्रशासन के निर्देशानुसार स्थानीय पुलिस प्रशासन के साथ-साथ स्वास्थ्य कर्मी पंचायत प्रशासन के प्रति सहयोग देने की अपील की गई।

मुख्यमंत्री कोविड बाल कल्याण योजना दीपक के भविष्य की बनी सहारा

संदीप प्रधान उप संपादक

दतिया। मुख्यमंत्री कोविड-19 बाल कल्याण योजना दतिया जिले के इनदरगढ़ तहसील के ग्राम सिलौरी के रहने वाले दीपक कुशवाहा को अपने भविष्य की अब चिन्ता नहीं करनी होगी। मुख्यमंत्री कोविड बाल कल्याण योजना दीपक का सहारा बनेगी।रविवार को प्रदेश के गृह, जेल, संसदीय कार्य एवं विधि विधायी विभाग के मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्र ने 13 वर्षीय बालक दीपक कुशवाहा को पांच हजार रूपये की सहायता राशि पेंशन के रूप में प्रदाय की। बालक दीपक कुशवाहा के पिता श्री रमेश कुशवाहा की 28 मई 2021 को कोरोना संक्रमण के कारण मृत्यु हो गई थी। जबकि दीपक की माता श्रीमती माया कुशवाहा का पूर्व में ही निधन हो चुका है। ऐसे में दीपक के भरण-पोषण की समस्या आ खड़ी हुई। इसी बीच मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चैहान द्वारा घोषित मुख्यमंत्री कोविड बाल कल्याण योजना दीपक के भविष्य का सहारा बनेगी। योजना का लाभ दिलाये जाने हेतु 28 मई 2021 को आयोजित जिला स्तरीय समिति में दीपक का प्रकरण स्वीकृत कर संरक्षक के रूप में श्री रामस्वरूप कुशवाहा को चिन्हित किया गया। योजना के तहत् दीपक को 21 वर्ष पूर्ण होने तक पांच हजार रूपये की प्रतिमाह पेंशन राशि के साथ संरक्षक को राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत् निःशुल्क खाद्यान प्रदाय किया जायेगा। दीपक की पढ़ाई लिखाई की व्यवस्था भी निःशुल्क शासन द्वारा की जायेगी।

सीएम शिवराज की भांजी के पिता का ब्लैक फंगस से निधन

इंजेक्शन नहीं मिलने से हुई मौत, लगाई थी गुहार-मामा बचा लो

ग्वालियर(अर्पित गुप्ता)। प्रदेश में ब्लैक फंगस के मामले बेकाबू होते जा रहे हैं।इंजेक्शन और दवाई के अभाव में लोगों की मौतों का सिलसिला लगातार जारी है। ग्वालियर में ब्लैक फंगस के इंजेक्शन के लिए सीएम शिवराज और मंत्री प्रद्युमन सिंह तोमर से गुहार लगाने वाली लड़की के पिता की मौत हो गई। सोशल मीडिया में लड़की का वीडियो वायरल हुआ था, जिसके बाद अभिनेता सोनू सूद ने भी मदद के लिए अपने हाथ बढ़ाए थे। वहीं बीजेपी नेता लोकेन्द्र पराशर और कांग्रेस विधायक प्रवीण पाठक ने भी इंजेक्शन के लिए प्रयास किये थे। लड़की के पिता की जान बचाने के लिए 50 इंजेक्शन की आवश्यकता थी लेकिन सारे प्रयासों के बाद भी महज 6 इंजक्शनों की ही व्यवस्था हो पाई थी। इलाज के अभाव में लड़की के पिता राजकुमार शर्मा की मौत हो गई। राजकुमार शर्मा को कोरोना हुआ था उससे ठीक होने के बाद उन्हें ब्लैक फंगस ने जकड़ लिया था। ब्लैक फंगस की वजह से डॉक्टरों ने ऑपरेशन कर पहले उनकी एक आंख निकाल दी थी और बाद में ऊपरी जबड़ा। डॉक्टरों ने उनकी जान बचाने के लिए इंजेक्शन की व्यवस्था करने कहा था लेकिन इंजेक्शन नहीं मिलने की वजह से उनकी मौत हो गई।

अम्बाह बाजार बंद के चलते ,बस संचालक थरा से बैठा रहे सवारियां

भीमसेन तोमर

अम्बाह। इन दिनों अम्बाह बाजार बंद चलने से वहां से दिल्ली, गुजरात, राजस्थान आदि स्थानों के लिए बस एंजेटों के द्वारा सवारियां बैठाया जाता था लेकिन कुछ दिनों से यह कार्य थरा से चलने लगा है। तो गांव के युवाओं ने इसका विरोध किया । जिसके चलते गांव में कहासुनी हो गई। गांव के युवाओं का कहना है कि ना जाने कहां से और किस प्रकार के लोगों का आना जाना होने से गांव में कहीं कोरोना संक्रमण न फैलने लगे इस लिए संबंधित थाना प्रभारी को इस बात पर ध्यान देना चाहिएं। ।गांव में कौन सी ट्रैवल एजेंटों के द्वारा सवारियां बैठाने कार्य किया जा रहा है। मैं कल दिखवा लेता हूं। प्रभारी इंचार्ज एस आई विवेक तोमर थाना अम्बाह।

राधे-राधे गैंग का हुआ पर्दाफाश मुख्य आरोपी डकैती की योजना बनाते हुए गिरफ्तार

विगत दिनों ड्राइवर से स्विफ्ट कार एवं पंचायत सचिव पर दिनदहाड़े कट्टा लगाकर बाईक लूटने की घटना को दिया था अंजाम, गैंग के सदस्य अपराधिक गतिविधियों में कुख्यात गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई सुखा केहलान को मानते थे आदर्श, गैंग के मुख्य सरगना उदय वीर गुर्जर पर हत्या के प्रयास लूट चोरी डकैती की योजना सहित 21 मामले हैं ग्वालियर भिंड दतिया मुरैना में दर्ज

गोहद -संगठित अपराध पर प्रभावी रूप से अंकुश लगाने हेतु पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार सिंह द्वारा जिले के समस्त राजपत्रित अधिकारी तथा थाना प्रभारियों को विशेष रूप से कार्रवाई करने हेतु निर्देशित किया गया है जिसके अंतर्गत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक भिंड कमलेश खरपुसे के मार्गदर्शन में उक्त अपराधियों पर अंकुश लगाने हेतु विशेष कार्य योजना निर्मित की गई है संगठित अपराधों पर प्रभावी कार्यवाही हेतु भिंड पुलिस द्वारा अपने मुखबिर सूचना तंत्र को मजबूत किया गया है तथा साथ ही सोशल मीडिया पर भी ऐसे तत्वों की निगरानी रखी जा रही है उक्त कार्यवाही के तहत दिनांक 31 मई की रात्रि को एसडीओपी गोहद नरेंद्र सोलंकी को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि थाना क्षेत्र एंडोरी में हथियारों से लैस होकर कुछ बदमाश शेरपुर के पास डकैती की तैयारी कर रहे हैं उक्त सूचना पर कार्रवाई हेतु थाना प्रभारी मालनपुर निरीक्षक विनोद सिंह कुशवाह कार्यवाहक निरीक्षक नरेंद्र सिंह कुशवाह प्रभारी गोहद कार्यवाहक निरीक्षक गोपाल सिंह सिकरवार थाना प्रभारी गोहद चौराहा, उपेंद्र धाकड़ उपनिरीक्षक प्रभारी एंडोरी थाना क्षेत्र एंडोरी के हनुमान मंदिर के पास नहर की पुलिया के पास पहुंचे और घेराबंदी कर तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया तीन आरोपी मौके से फरार हो गए। एसडीओपी नरेंद्र सोलंकी ने जानकारी देते हुए बताया कि गिरफ्तार सुदा आरोपियों से पूछताछ पर ज्ञात हुआ कि उक्त गैंग का मुख्य सरगना उदय वीर पुत्र रामवीर गुर्जर है जिस पर वर्ष 2015 से 2021 तक कुल 21 अपराध ग्वालियर मुरैना भिंड दतिया आदि जिलों में पंजीबद्ध है उदयवीर अपने साथ अलग-अलग नए लड़कों को सम्मिलित कर गैंग को संचालित करता है गिरफ्तार आरोपी राहुल गुर्जर पर आठ तथा भोला गुर्जर पर 5 अपराध पंजीबद्ध है भोला गुर्जर वर्तमान में जिला ग्वालियर के दो फायरिंग के प्रकरणों में भी वांछित है गैंग के सदस्य सोशल मीडिया पर भी सक्रिय हैं जिस कारण यह अधिकांश फेसबुक और व्हाट्सएप कॉलिंग के द्वारा एक दूसरे के संपर्क में रहते हैं पुलिस से बचने हेतु इनके द्वारा राधे-राधे शब्द का प्रयोग किया जाता है जिससे यह पता चल सके कि गैंग का एक सदस्य पुलिस के द्वारा पकड़ा गया है तो गैंग के अन्य सदस्य भूमिगत हो जाएं संचार तकनीकी बखूबी उपयोग से इसके द्वारा अब तक आपराधिक गतिविधियों को अंजाम दिया जा रहा था भिंड पुलिस द्वारा सतत रूप से इस गैंग के अन्य सदस्यों पर निगरानी रखी जा रही है।

गिरफ्तार आरोपी तथा उनसे जब्त सामान-पुलिस द्वारा उदय वीर पुत्र राम सिंह गुर्जर उम्र 24 साल निवासी पारसेन थाना बिजौली ग्वालियर राहुल गुर्जर पुत्र राजवीर सिंह गुर्जर उम्र 23 साल निवासी सरसपुरा थाना बिजौली ग्वालियर भोला गुर्जर पुत्र नाथू सिंह गुर्जर उम्र 20 साल निवासी पारसेन थाना बिजौली ग्वालियर पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए गए एवं 315 बोर के तीन कट्टा तीन जिंदा राउंड एक बुलेट मोटरसाइकिल क्रमांक एमपी 07 एनजे 7130 एक कार बरामद की वही गैंग के तीन अन्य साथीभूरा गुर्जर निवासी पारसेन थाना बिजोली ग्वालियर कौशल गुर्जर निवासी पारसेन थाना बिजौली ग्वालियर अनूप राजावत निवासी ग्राम बगियापुरा मछंड थाना रोन जिला भिंड फरार हो गए।

अपराध का खुलासा- उक्त अपराधियों द्वारा थाना गोहद में दिनांक 8 अप्रैल 2021 को ड्राइवर से स्विफ्ट कार को कट्टा लगाकर लूट की घटना को अंजाम दिया था तथा थाना एंडोरी में दिनांक 20 मई 21 को ग्राम चंदोखर में पंचायत सचिव वीरेंद्र सिंह कुशवाहा पर दिनदहाड़े कट्टा लगाकर बाइक लूट की सनसनीखेज घटना कारित की गई थी आरोपियों को पकड़ने में निरीक्षक विनोद सिंह कुशवाहा थाना प्रभारी मालनपुर, कार्यवाहक निरीक्षक नरेंद्र सिंह कुशवाहा प्रभारी गोहद, कार्यवाहक निरीक्षक गोपाल सिंह सिकरवार थाना प्रभारी गोहद चौराहा,उपनिरीक्षक उपेंद्र धाकड़ थाना प्रभारी एंडोरी कार्यवाहक प्रधान आरक्षक महेश कुमार (साइबर सेल)आरक्षक राहुल यादव (साइबर सेल), कार्यवाहक प्रधान आरक्षक विक्रम सिंह मालनपुर आर,पानसिहं चौकी झांकरी ,आरक्षक गिर्राज कौशल झांकरी,राहुल तोमर चौराहा, रामकुमार थाना चौराहा, नवीन सिंह तोमर थाना मालनपुर, दिग्विजय सिंह थाना मालनपुर, मंगल सिंह गुर्जर थाना मालनपुर आदि की सराहनीय भूमिका रही उक्त आरोपियों की धरपकड़ हेतु पूर्व से प्रथक प्रथक अपराधों पर पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार सिंह द्वारा दस दस हजार का इनामी उद्घोषणा की गई थी भिंड पुलिस की सफलता पर पुलिस महानिरीक्षक मध्यप्रदेश भोपाल द्वारा कार्य की प्रशंसा की गई है।

संपादकीय

शोध पर जोर

अमेरिका दुनिया की सबसे बड़ी आर्थिक महाशक्ति है और सबसे बड़ी सामरिक शक्ति भी। कई सारे क्षेत्र हैं, जिनमें अमेरिका दूसरे बड़े देशों से काफी पिछड़ा हुआ है, खासकर औद्योगिक उत्पादन में, पर एक क्षेत्र है, जो उसे लगातार सबसे आगे बनाए हुए है, और वह है- शोध। अमेरिका लंबे वक्त से वैज्ञानिक और तकनीकी शोध का सबसे बड़ा केंद्र बना हुआ है। नतीजतन, जो सबसे आधुनिक और नए क्षेत्र हैं, उनमें उसका बोलबाला है। मसलन, आईटी क्षेत्र और नई अर्थव्यवस्था में वह सबसे आगे है। चाहे माइक्रोसॉफ्ट हो, गूगल हो, फेसबुक-ट्विटर हों, एपल हो या अमेजन, ये सारी अमेरिकी कंपनियां हैं। अमेरिका की इस शक्ति को और बढ़ाने के लिए राष्ट्रपति जो बाइडन ने अब शोध के मद में सरकारी बजट में जबर्दस्त बढ़ोतरी का प्रस्ताव किया है। बाइडन के आर्थिक कार्यक्रम का मुख्य मुद्दा बुनियादी ढांचे के लिए छह लाख करोड़ डॉलर खर्च करना है। इसमें शोध एवं विकास (आरऐंडडी) का बजट नौ प्रतिशत बढ़ाने का प्रस्ताव है। इस प्रस्ताव के तहत शुद्ध विज्ञान और उसके व्यावहारिक पक्ष, दोनों पर खर्च बढ़ाने की बात कही गई है, सिर्फ रक्षा संबंधी आरऐंडडी के मद में कटौती की जाएगी। अमेरिकी इतिहास में यह शोध संबंधी खर्च में सबसे ज्यादा बढ़ोतरी है। सबसे ज्यादा पैसा स्वास्थ्य संबंधी शोध पर बढ़ाने का प्रस्ताव है और रोगों के नियंत्रण व रोकथाम संबंधी शोध के लिए 22 प्रतिशत खर्च बढ़ाने का प्रस्ताव है। जाहिर है, कोरोना के कहर से नई अमेरिकी सरकार सबक सीखना चाहती है और आइंदा ऐसे संकटों से अपनी जनता को बचाने के लिए पूरी तैयारी करना चाहती है। इसमें अमेरिका के स्वास्थ्य क्षेत्र को और ज्यादा मजबूत करने के लिए भी प्रावधान है और दुनिया के दूसरे देशों को इस क्षेत्र में मदद करने के लिए भी। स्वास्थ्य में शोध सिर्फ प्रयोगशालाओं में माइक्रोस्कोप से संबंधित शोध नहीं है, स्वास्थ्य सुविधाओं की उपलब्धता में गैर-बराबरी, संस्थागत नस्लवाद मिटाने और पर्यावरण में बदलाव से जुड़ी स्वास्थ्य समस्याओं पर शोध भी शामिल हैं। डोनाल्ड ट्रंप जलवायु परिवर्तन को नकारने और पर्यावरण के मुद्दों की उपेक्षा करने में आम अनुदार राजनेताओं से भी बहुत आगे थे। उनके दौर में अमेरिका ने पर्यावरण संबंधी कोई भी जिम्मेदारी स्वीकार करने से मना कर दिया था, बल्कि वह पेरिस जलवायु समझौते से भी हट गया था। पर बाइडन ने अपने चुनाव प्रचार में ही साफ कर दिया था कि पर्यावरण उनकी सरकार की प्राथमिकताओं में होगा। पर्यावरण से जुड़े शोध के लिए भी बजट में बड़ी वृद्धि का प्रस्ताव है। बहुत बड़ी योजना ऐसी टेक्नोलॉजी पर शोध की है, जो पर्यावरण के नजरिये से निरापद हो। अमेरिकी सरकार ने जिस तरह की पहल की है, उससे भारत जैसे देशों को भी सीखना चाहिए। आने वाला वक्त नई चुनौतियां लेकर आएगा और उनसे वही पार पा सकेगा, जिसके पास ज्ञान की शक्ति होगी। वही दूसरों की मदद भी कर पाएगा। अमेरिकी कामयाबी का रहस्य सिर्फ पैसा नहीं है, वह माहौल भी है, जो नए विचारों व शोध को प्रोत्साहित करता है, और जो सिर्फ विज्ञान नहीं, कला, समाजशास्त्र, अर्थशास्त्र, ज्ञान के हरेक क्षेत्र में दुनिया भर की प्रतिभाओं को अपनी ओर खींचता है। शोध के फलने-फूलने के वास्ते उर्वर जमीन तैयार करना देश और दुनिया के भविष्य की बेहतरी के लिए अनिवार्य है।

अनाथ बच्चों को पालने की सोच को सच बनाएं

ललित गर्ग

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा इस दृष्टि से की गयी पहल सराहनीय है। उत्तर प्रदेश सरकार ने अनाथ हुए बच्चों के संरक्षण और उनकी देखभाल के लिए मुख्यमंत्री बाल सेवा नाम से योजना का ऐलान किया है। अनाथ हुई बालिकाओं की शादी के लिए भी उत्तर प्रदेश सरकार एक लाख रुपए उपलब्ध कराएगी। दिल्ली, हरियाणा, असम, कर्नाटक और अन्य राज्य पहले ही योजनाओं का ऐलान कर चुके हैं। कोरोना महामारी ने एक अप्रत्याशित एवं असामान्य स्थिति पैदा कर दी है। सबसे पहला काम तो अनाथ बच्चों की पहचान सुनिश्चित करना है। अनाथ बच्चों की दो श्रेणियां हैं, एक तो यह कि जिनके दोनों पेरेंट्स और गार्जियन कोरोना के कारण चल बसे, दूसरी श्रेणी में वैसे बच्चे हैं जिन्होंने कमाने वाले पेरेंट्स को खोया है। ऐसे बच्चों में बड़ी संख्या में लड़कियां भी हैं। इन्हें तुरन्त राहत पहुंचाना जरूरी है।

भारत को सशक्त ही नहीं, बल्कि संवेदनशील, स्नेहिल एवं आत्मीय बनाने की भी जरूरत है, इस दिशा में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सरकार ने अनूठी एवं प्रेरक पहल की है। मोदी सरकार के सात साल पूरे होने के मौके पर कोरोना के कारण अनाथ हुए बच्चों का सहारा बनने के लिए कल्याणकारी योजनाओं की घोषणा की। कोरोना वायरस की दूसरी लहर ने इस तरह का कहर ढाया कि कई परिवार उजड़ गए और सैकड़ों बच्चे अनाथ हो गए। किसी ने अपने पिता को खोया तो किसी ने अपनी मां को और किसी ने माता-पिता दोनों खो दिये। कहते है कि जिसका कोई नहीं होता, उसका भगवान होता है। मगर ऐसे जन-कल्याणकारी आयाम के साथ परोपकार, वास्तविक जनसेवा एवं जनता के दुःख-दर्द को बांटने के लिये सरकार तत्पर होती है तो वह भगवान से कम नहीं होती। अनाथ एवं बेसहारा बच्चों को मां मिले, बच्चों को घर जैसा वातावरण मिले, स्नेह की छांह मिले, अपनापन का स्पर्श मिले, इस दृष्टि से बालाश्रम एवं वात्सल्य घरों का निर्माण हो। समस्या काफी बड़ी है लेकिन सरकार एवं समाज अगर चाहे तो इन बच्चों के अभावों, दुःख-दर्दों, पीड़ाओं को दूर कर उन्हें भारत का श्रेष्ठ नागरिक बनाया जा सकता है। केन्द्र सरकार के साथ-साथ प्रांतों की सरकारों ने भी अनाथ बच्चों के पालन-पोषण का जिम्मा लेकर अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया है। महिला एवं बाल विकास मंत्री स्मृति ईरानी ने राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों की एक अप्रैल से 25 मई के बीच की रिपोर्ट का हवाला देते हुए इस हफ्ते बताया था कि देशभर में करीब 577 बच्चे कोविड-19 के कारण अनाथ हुए हैं।

अक्सर सरकारें मानवीयता एवं श्रेष्ठता के अवमूल्यन की शिकार रही है, क्योंकि जब सरकारों एवं उनका नेतृत्व करने वाले शीर्ष नेताओं की समझ सही नहीं होती, विचारों में प्रौढ़ता एवं मानवीयता नहीं उतरती, व्यवहार एवं शासन-प्रक्रिया में संवेदनशीलता नहीं प्रकटती, कर्म एवं योजनाएं की दिशाएं लक्ष्य नहीं पकड़ती, सोच में कौशल नहीं होता, तब सरकारों की शासन-व्यवस्था श्रेष्ठताओं के अवमूल्यन की शिकार होती है। ऐसी सरकारें अपंग एवं विक्षिप्त ही कहलाती है। लेकिन हमारी वर्तमान सरकारें ऐसी अपंग एवं विवेकशून्य नहीं है, यह हमारे वक्त का सौभाग्य है। इसी सौभाग्य का सूरज है प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पीएम केयर फंड से अनाथ बच्चों के लिए कई योजनाओं की घोषणा। इस योजना के अन्तर्गत कोरोना महामारी में माता-पिता गंवाने वाले बच्चों को मुफ्त शिक्षा दी जाएगी और उनका हैल्थ बीमा किया जाएगा।

18 वर्ष तक उन्हें मासिक भत्ता दिया जाएगा और 23 वर्ष होने पर पीएम केयर्स फंड से दस लाख रुपए दिए जाएंगे। अनाथ हुए बच्चे के माता-पिता की कमी की तो हम भरपाई नहीं कर पाएंगे लेकिन उनकी सुरक्षा, जीवन-निर्वाह, शिक्षा और चिकित्सा-सहायता करना जहां सरकारों का दायित्व है, वहीं समाज के रूप में हमारा कत्र्तव्य है कि हम बच्चों की देखभाल करें और एक उज्ज्वल भविष्य की आशा का सूरज उद्घाटित करें।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने योजना की आवश्यकता को व्यक्त करते हुए कहा है कि कोरोना महामारी की कठिन परिस्थिति में समाज के तौर पर हमारा कर्तव्य है कि अपने बच्चों की देखभाल करें और उज्ज्वल भविष्य के लिए उनमें उम्मीद जगाएं। ऐसे सभी बच्चे जिनके माता-पिता की कोविड-19 के कारण मौत हो गई है, उन्हें ह्यपीएम केयर्स फॉर चिल्ड्रेनह्व योजना के तहत सहयोग दिया जाएगा। मोदी ने कहा कि बच्चे देश का भविष्य हैं। उनकी मदद करने के लिए सरकार हरसंभव कोशिश करेगी। सरकार चाहती है कि वे मजबूत नागरिक बनें और उनका भविष्य उज्ज्वल हो। यद्यपि राज्य सरकारों ने अपने-अपने स्तर पर अनाथ बच्चों की मदद का ऐलान किया है लेकिन इस संबंध में एक राष्ट्रीय नीति और कार्यक्रम की जरूरत थी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा इस दृष्टि से की गयी पहल सराहनीय है। उत्तर प्रदेश सरकार ने अनाथ हुए बच्चों के संरक्षण और उनकी देखभाल के लिए मुख्यमंत्री बाल सेवा नाम से योजना का ऐलान किया है। अनाथ हुई बालिकाओं की शादी के लिए भी उत्तर प्रदेश सरकार एक लाख रुपए उपलब्ध कराएगी। दिल्ली, हरियाणा, असम, कर्नाटक और अन्य राज्य पहले ही योजनाओं का ऐलान कर चुके हैं। कोरोना महामारी ने एक अप्रत्याशित एवं असामान्य स्थिति पैदा कर दी है। सबसे पहला काम तो अनाथ बच्चों की पहचान सुनिश्चित करना है। अनाथ बच्चों की दो श्रेणियां हैं, एक तो यह कि जिनके दोनों पेरेंट्स और गार्जियन कोरोना के कारण चल बसे, दूसरी श्रेणी में वैसे बच्चे हैं जिन्होंने कमाने वाले पेरेंट्स को खोया है। ऐसे बच्चों में बड़ी संख्या में लड़कियां भी हैं। इन्हें तुरन्त राहत पहुंचाना जरूरी है। विडम्बना है कि अक्सर ऐसी योजनाओं का लाभ वास्तविक पीड़ितों को नहीं मिल पाता है, समाज एवं सरकारों में व्याप्त भ्रष्ट एवं लोभी लोग उनमें भ्रष्टाचार करने को तत्पर हो जाते हैं, सरकारों को सख्ती एवं जागरूकता से देखना होगा कि यह योजना भ्रष्टाचार की भेंट न चढ़े। कोरोना की दूसरी लहर के वक्त आक्सिजन एवं दवाओं की जिस तरह कालाबाजारी हुई, वह अमानवीयता की चरम पराकाष्ठा थी, इन त्रासद एवं वीभत्स स्थितियों से समाज को बचाना हमारी प्राथमिकता होना चाहिए, तभी हम अनाथ बच्चों को पालने में समर्थ होंगे।

देश में ऐसे कई संगठन और संस्थान हैं जो निराश्रित बच्चों के लिए काम कर रहे हैं। जो लोग ऐसे बच्चों के दुखों से मुक्ति दिलाने के लिए निस्वार्थ भाव से अपने सुखों को त्याग कर आगे आते हैं, वह उनके जीवन में संजीवनी का काम करते हैं। हर शहर में धनाढ्य लोग या फिर सामाजिक संस्थाएं ऐसे बच्चों की मदद पैसे से कर देगीं लेकिन सबसे बड़ा सवाल यह है कि इन बच्चों को स्नेह कौन देगा? अपनापन एवं पारिवारिकता का अहसास कौन देगा? समाज में अलग-अलग स्वभाव और अलग-अलग प्रवृत्ति के लोग हैं। अब जबकि केन्द्र और राज्य सरकारों ने अनाथ बच्चों को हर तरह से सहायता देने का ऐलान कर दिया तो हो सकता है बच्चों के करीबी या दूरदराज के रिश्तेदार उन्हें गोद लेने के लिए तैयार हो जाए। धन का लोभ बड़ों-बड़ों को बदल देता है। यह देखना समाज का काम होगा कि क्या ऐसे लोग अनाथ हुए बच्चों की भावनात्मक आवश्यक्ताओं की पूर्ति करते हैं या नहीं? जिला स्तर पर या मंडल स्तर पर ऐसी कमेटियां स्थापित की जानी चाहिए जो इन बच्चों पर निगरानी रख सकें। देश में ऐसे बहुत से अनाथ आश्रम हैं जो ऐसे बच्चों और परित्यक्त महिलाओं को आवास, भोजन, स्वास्थ्य एवं शिक्षा का प्रबंध करती हैं लेकिन वहां यौन शोषण और अन्य आपराधिक घटनाओं की खबरें आती रहती हैं।

हरियाणा के गुरुग्राम में दिव्यांग बच्चों के लिये चलाये जा रहे दीपाश्रम हो या वृंदावन शहर में साध्वी ऋतम्भरा के परमशक्ति पीठ द्वारा संचालित वात्सल्य ग्राम आदि ऐसे सेवा एवं स्नेह के आयाम है, जहां अनाथों को जीवन-रोशनी मिलती है। दीपाश्रम में 16 वर्ष के मानसिक एवं शारीरिक रूप से दिव्यांग विशाल का संरक्षण किया जा रहा है। विशाल को गोद लेने वाले माता-पिता जयपाल एवं जगवंती कोरोना महामारी के कारण अब संसार में नहीं रहे, वह दुबारा अनाथ हो गया था। उसे हरियाणा सरकार ने गोद लेकर अनूठा उदाहरण प्रस्तुत किया है। मुख्यमंत्री मनोहरलाल खटर विशाल से मिलने दीपाश्रम आये एवं अन्य दिव्यांगों से भी वे मिले।

हमें दीपाश्रम एवं वात्सल्य ग्राम जैसे सेवा-आयाम को जगह-जगह स्थापित करना होगा, जहां अनाथ, पीड़ित एवं अभावग्रस्त बच्चों को एक परिवार का परिवेश दिया जा सके। यह भी देखना होगा कि ऐसे बालक-बालिकाओं में हीन भावना व्याप्त न हो। वे अपनी परम्पराओं और संस्कृति में पले-बढ़ें। दीदी मां के नाम से चर्चित साध्वी ऋतम्भरा ने ऐसे बच्चों को गोद लेने और उनकी शिक्षा का प्रबंध करने की घोषणा की है। ऐसे बच्चों को लालची या आपराधिक प्रवृत्ति के करीबी लोगों से बचाने का दायित्व भी समाज को निभाना होगा। यह काम बड़ी सर्तकता से करना होगा कि निराश्रित बच्चे गलत हाथों में न पड़ जाएं। जो लोग बच्चों के लिए तरस रहे हैं, वे ऐसे बच्चों को गोद ले सकते हैं। इसके लिए उन्हें कानूनी प्रक्रियाओं का पालन करना होगा।

गजल

घटती घटनाएँ कहतीं हैं,मानवता धर्म शर्मसार हो चुकी।
मानवता के पुजारी अब तो आओ,धरा बेजार हो चुकी।
कफन का टुकड़ा भी नसीब नहीं हो रहा है देखो मधुर।
दो गज जमीन नसीब नहीं,धूमिल सारे संस्कार हो चूकी।
बंद बोतलों में पानी,अब तो सासें भी बिकने लगी हैं।
लगता है प्रकृति से बहुत ही ज्यादा खिलवाड़ हो चुकी।
काट धरती वीरान पड़ी है, जिससे गली सुनसान पड़ी है।
अब भी सुधर जाओ मधुर,धरती अब बेजार हो चुकी।
चंद रुपयों खातिर जिंदगी दांव पर,इंसानियत शर्मसार है।
बहुत कमाया जिंदगी में पैसे,लेकिन सब बेकार हो चुकी।
बीमारी के नाम पर देखो कितनी हो रही है कालाबाजारी।
भूख से मर रहे हैं लोग,अब इंसानियत तार तार हो चुकी।
दो दो हाथ मिल बढ़ो सभी,चरामेति सा संस्कार चाहिए।
अब तो अवतार लो प्रभु,मनुज का जीवन खार हो चुकी।

सुन्दर लाल डडसेना मधुर
साहित्य साधना सभा छत्तीसगढ़
ग्राम-बाराडोली (बालसमुंद),पो.-पाटसेन्द्री

मोदी मैजिक का परीक्षा वर्ष

कृपया याद करें। दो साल पहले आज के दिन पूरा देश मानो 'मोदी मैजिक'में डूब-उतरा रहा था। शाम को राष्ट्रपति भवन के प्रांगण में शपथ लेते समय उनका आत्मविश्वास देखने लायक था। वजह? 2014 के मुकाबले अधिक सीटें हासिल कर भाजपा राजग सहयोगियों के बिना भी हुकूमत चलाने में सक्षम थी। यह पहला भाजपा मंत्रिमंडल था, जिसमें 'स्वास्थ्य कारणों'से सुषमा स्वराज नहीं थीं। कल तक गृह मंत्री रहे राजनाथ सिंह रक्षा मंत्रालय संभालने जा रहे थे। उनकी जगह अमित शाह ने ले ली थी। तय था, आने वाले दिन आतिशी होने वाले हैं। अगले कुछ महीनों तक ऐसा लगा, जैसे कोई रन-पिपासु बल्लेबाज मैदान के कोने-कोने पर छक्कों और चौकों की बारिश कर रहा है। अनुच्छेद 370 को निरस्त करते हुए जम्मू-कश्मीर को दो हिस्सों में बांट दिया गया। देश के नक्शे में लद्दाख नाम का एक नया केंद्र शासित प्रांत उदित हो चुका था और जम्मू-कश्मीर का पूर्ण राज्य का दर्जा भी अतीत बन गया था। इससे पहले तीन तलाक को गैर-कानूनी घोषित कर दिया गया था। अयोध्या में मंदिर-निर्माण का शिलान्यास सहित ये कुछ ऐसे फैसले थे, जिन पर भारतीय जनता पार्टी बरसों से बस घोषणाएं करती आई थी। नरेंद्र मोदी ने उन्हें अमलीजामा पहना दिया था। इसके साथ, उन्होंने आर्थिक मोर्चे पर भी 2024 तक भारत को पांच ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य रखा। सरकारी बैंकों का डूबता कर्ज इसमें बड़ी बाधा था, लिहाजा 19 बैंकों का विलय कर चार बड़े बैंक बनाने का एलान किया गया। किसानों के कड़े प्रतिरोध के बावजूद कृषि उत्पाद खरीदी के कानून बदल दिए गए। पिछली पहली फरवरी को पेश सालाना बजट में सरकारी उपक्रमों के निजीकरण का रास्ता भी हमवार कर दिया गया। साफ था, मोदी मन मुआफिक आर्थिक सुधारों के लिए हर हाल में प्रतिबद्ध हैं। सब कुछ योजनानुसार चल रहा था, पर किसने सोचा था कि चीन में कहर मचा रहा कोरोना क्रूर दृष्टि से भारत को घूर रहा है? इसी महामारी के कारण आज जब प्रधानमंत्री अपने दूसरे कार्यकाल के तीसरे वर्ष में प्रवेश कर रहे हैं, तब उनके चारों ओर चुनौतियों की विशाल चट्टानें खड़ी हैं। अगर हम तीसरे साल की तीन सबसे बड़ी चुनौतियों का आकलन करें, तो कोरोना अपनी निर्मम भयावहता के साथ सबसे आगे खड़ा नजर आता है। अब तक इस महारोग से भारत में आधिकारिक तौर पर 3,22,512 लोग मर चुके हैं। विपक्ष और कुछ विशेषज्ञों का दावा है कि मरने वालों की तादाद इससे कहीं ज्यादा है। इन भयावह आंकड़ों के बीच विशेषज्ञ चेतावनी देते नजर आते हैं कि अभी तीसरी लहर आनी शेष है। वे यह भी कहते हैं कि अगर देश की 70 से 80 फीसदी आबादी को तत्काल प्रतिरोधी टीके नहीं लगे, तो ऐसी लहरें आगे भी आती रहेंगी। सरकार का दावा है कि दिसंबर तक सभी लोगों को टीका लगा दिया जाएगा, पर अभी तक सभी इंतजाम नाकाफी साबित हुए हैं। 18 या उससे अधिक वर्ष के समस्त नागरिकों के टीकाकरण की घोषणा तो कर दी गई, परंतु सैकड़ों की संख्या में टीकाकरण केंद्र बंद पड़े हैं। उन्हें कब इन प्राणरक्षक बूंदों की आपूर्ति होगी, इसका सटीक जवाब किसी के पास नहीं है। तमाम सूबाई सरकारें इसके विरोध में मुखर हैं। उनका आरोप है, सरकार ने सियासी लाभ के लिए महामारी के खतरे की अनदेखी की। महामारियां देर-सबेर बीत जाती हैं, पर उनके दिए जख्म गहरे होते हैं। भारत की माली हालत पर इसने अभी से गहरा असर डालना शुरू कर दिया है। सेंटर फॉर मॉनीटरिंग इंडियन इकोनॉमी (सीएमआईई) के मुताबिक, पिछली 23 मई को खत्म हुए सप्ताह में ग्रामीण बेरोजगारी दर 13.5 फीसदी पहुंच गई। यह कितनी तेजी से बढ़ रही है, इसका अंदाज इसी से लगाया जा सकता है कि 9 मई को यह आंकड़ा 7.29 फीसदी था। शहरों में बेरोजगारी दर 17.4 फीसदी पाई गई और राष्ट्रीय बेरोजगारी दर भी नए सोपान चढ़ती हुई 14.7 फीसदी पर पहुंच गई। अगर लॉकडाउन जल्दी नहीं खत्म हुए, तो स्थिति और भयावह हो सकती है। आंशिक लॉकडाउन और स्वास्थ्य खर्चों के चलते भारत के 'महान मध्यवर्ग'से 23 करोड़ लोग फिर से गरीबी रेखा के नीचे जाने को अभिशप्त हुए हैं। तय है, मोदी को देशवासियों की प्राण-रक्षा के साथ बिगड़ती माली हालत को भी पटरी पर लौटाना होगा।

संजीव-नी।।

पराई दीवारो में झांकना,आसां बहुत।
गुमान हो गर ,जमीर में झांक कर देख,
मजलूम पर, जिन्दगी खाक कर देख।
पराई दीवारो में झांकना,आसां बहुत,
कभीअपनी गिरेबा में झांक कर देख।
चादरों में सुराख़ करना,आसां बहुत,
अपनी फटी पैबन्द अपनी टांक कर देख।
खुश है, नुक्स पर पराई मीनारों के,
बारिश में ढहती दीवार ढांक कर देख,
भ्रम है, तुझे,जिंदगी रंगीन है बहुत,
मुफलिसी में जरा झांक कर देख,
गैर की दौलत से किसका भला हुआ,
लहु का जाम जरा लगा कर देख,
बेईमीनी चार दिन की चाँदनी, ,
एक दिया पाक जला कर देख,
जलते घरो से हाथ सेंकना, आसां,
तिनका खुद का जरा जलाकर देख,
ख़ुशी अभी रूठी नहीं है, तुझसे संजीव,
खिलखिलाहट में मासूम की, झांक कर देख,

संजीव ठाकुर, अंतरराष्ट्रीय कवि, रायपुर, छत्तीसगढ़, 09009415415,

जय जय जय हनुमान जी

बजरंगबली के श्री चरणों में चौपाई एवं चालीसा स्वरूप निवेदित हमारा यह सृजन! आशा करता हूँ यह छंदयुक्त रचना आपको संस्पर्श करेगी...
लगी राम नाम की लगन, मारुति दौड़े चले आए,
केसरी के पुत्र, पवन वेग पाकर पवनसुत कहलाए।
चंचल सा तन पर कर भी शील के गुरु कहलाए,
सूर्य निगल ना सके पर ग्यान के तेज मे नहाए!
राम नाम सुनकर हनुमान चले आए!!
बानरों और दानवों को भी राम भजना सीखाए,
जब लगी राम नाम धुन तो खुद रुद्र हनुमान बन आए।
देख बल महाबलि कपिश के काल भी डेराए,
ब्रह्म, वरुण, कुबेर, इंद्रादी सब वर देने भागे चले आए।
राम नाम सुनकर हनुमान चले आए!!
राम ही बसे है रोम रोम में, राम की लौ है हरदम जलाए,
देख शील लंगूर का, रावण सम राक्षस भी गुण गाए।
जानकी सुत है प्रभु,अष्ट सिद्धी नौ निद्धी भी चरण दबाए।
राम नाम सुनकर हनुमान चले आए!!
तोड़ के भ्रम,दंभ अर्जुन और भीम के अग्यान खाए,
तोड़ भुजा अहिरावन की,पहाड़ संग सुशेन ले चले आए।
जामवंत के सिखावन से लंका जारी चले आए।
राम नाम सुनकर हनुमान चले आए!!
प्रभु राम काज हित सब फ्रकामफ्र को हर पल हराये,
अक्षयकुमार मार रावन का अहंकार पवन मे उड़ाए।
जानकिशोकनाशनम चिरंजीवी बन लंका से चले आये,
तुलसी पे करके कृपा रामचरितमानस भी गवाऐं।
राम नाम सुनकर हनुमान चले आए!!
दीजिए निज भक्ति जन जन मे हे प्रभु
साखी के हृदय मे भी राम भक्ति की ज्योत जलाए।
राम नाम सुनकर हनुमान चले आए!!
मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम के सर्वोत्तम सेवक, सखा, सचिव और भक्त अतुल बल के स्वामी पराक्रम, ज्ञान और सेवा के आदर्श संगम विवेक, ज्ञान, बल, पराक्रम, संयम, सेवा, समर्पण, नेतृत्व संपन्नता आदि विलक्षण गुणों के धनी ऐसे
वीर बजरंगबली हनुमान जी को नमन!

प्रफुल्ल सिंह बेचैन कलम
युवा लेखक/स्तंभकार/साहित्यकार
लखनऊ, उत्तर प्रदेश

वेश्यावृत्ति अधिकार दिवस

संक्रमण काल में देह दूरी का दंश खेलने वाली वेश्याओं के तन का भूगोल इसी इतिहास के गलियारे में कैद हो गए हैं। विश्व के अनेकों देशों के विभिन्न प्रांतों में निवास करने वाली ये वेश्याएं प्रकृति के तरुणाई एंव भुखमरी से संघर्ष करती हुई दिखाई पड़ रही हैं। गरीबी के गर्भ में उलझी अनेकों समस्याओं को लिए अंतर्मन में व्यथित वेदना के शिकार हो गयी हैं। कभी ना कभी तो प्रकृति के काले सूरज से इनके तरुणाई के एक-एक क्षण का हिसाब कौन मांगेगा ?। सृष्टि के काले सूरज ने इनको सिर्फ दर्द ही दिया है। पुलिस खौफ से विस्थापन की त्रासदी , सांद्र मादकता को लिए कोठों पर बसी निरक्षर बालाएं जिनके आंखों में भूख है, भूख का पीछा करते हुए सपने हैं, जो पूरे नहीं हैं अधूरे हैं, सपने होने का सिर्फ इनके पास एहसास है। ऐसा लगता है इन बालाओं का श्रम सारी दुनिया में मर्द के श्रम से सस्ता है। इन बालाओं को श्रम करने से डर नहीं लगता डर लगता है उस कालसर्प दलाल से जो कहीं कभी ना कभी इनको मृत्यु की गोद में न सुला दे। नर्वसता के नक्षत्रों के काले साए में जिंदगी व्यतीत करने वाली, दुःख-दर्द की पीड़ा की त्रासदी सहने वाली जिंदगी, समाज में दोयम दर्जे का समझा जाना, जिनकी चित्कारें पूंजीवादी समाज के साउंडप्रूफ दीवारों में कैद हो जाती है। जार कर्म में लिप्त इन महिलाओं का स्थापन अनिश्चित है लेकिन विस्थापन सुनिश्चित है, समाज इनके पवित्रता में ही प्रदूषण बताता है, जबकि रावण के घर में ही भक्षण है। बालाएं उस खामोश भरी दीवार के समान हैं जहां चाहा वही कील गाड़ दिया। जहां ठंडा है चूल्हा / वही अनुपस्थित है धूँआ, खामोश है बर्तन तब कैसे हो परिवार का जतन, भड़की है भूख की आग / शुष्क है सूनी आँत, गीला है आटा /खोखली है जाँत फिर भी धरित्री के धैर्य को धारण किए हुए हैं।

सत्य प्रकाश सिंह, केसर विद्यापीठ इंटर कॉलेज प्रयागराज उत्तर प्रदेश

भारत गांव प्रधान देश है, संक्रमण से बचाने, वैक्सीन लगाने, प्रशासनिक सख्ती प्रोत्साहन योजना रणनीति बनाकर क्रियान्वयन हो: एड किशन भावनानी

गोंदिया - भारत देश में कोरोना महामारी से लड़ाई, हमारी योजना बद्ध रणनीतिक रोडमैप बनाकर किया गया महायुद्ध हम जीतने की ओर बढ़ गए हैं। इसका दिनांक 1 जून 2021 को आए संक्रमितों के आंकड़े से लगाया जा सकता है। जहां यह आंकड़ा कई दिनों से लगातार गिर रहा है और कोरोना से जंग जीतने वालों का आंकड़ा लगातार बढ़ रहा है। इसी को ध्यान में रखते हुए कई राज्यों ने दिनांक 1 जून 2021 से अपने अपने राज्यों में अनलॉक की प्रक्रिया शुरू कर दी है और आज अनेक प्रतिष्ठान योजनाबद्ध तरीके और शासकीय दिशानिर्देशों के अनुसार खुले। यह बात तो शहरी क्षेत्र की हुए।....बात अगर हम ग्रामीण क्षेत्र की करें तो भारत एक गांव प्रधान देश है। भारत की करीब 70 प्रतिशत जनसंख्या ग्रामीण क्षेत्रों में रहती है और ऐसे कई गांव हैं जहां कोरोना महामारी तीव्रता से फैल रही है। जहां स्वास्थ्य के प्राथमिक साधन भी उचित रूप से उपलब्ध नहीं हैं और थोड़े से भी स्वास्थ्य संबंधी इलाज में कई किलोमीटर दूर जाना पड़ता है। इस स्थिति में जहां एक और हम कोरोना महामारी से जंग जीतने की ओर तीव्रता से बढ़ रहे हैं, वहीं दूसरी ओर गांव में फैल रहे कोरोना संक्रमण, कहीं हमारी कमजोर कड़ी बनकर न रह जाए। इसलिए ग्रामीण क्षेत्र की ओर अभी से बहुत अधिक ध्यान, शासन-प्रशासन को लगाना अनिवार्य, रणनीतिक रोडमैप बनाकर करना हो गया है।....बात अगर हम ग्रामीण क्षेत्रों में वैक्सीनेशन की करें तो दिनांक 31 मई 2021 को रात्रि में एक प्रसिद्ध टीवी चैनल द्वारा दिखाई गई, अनेक राज्यों की ग्राउंड रिपोर्टिंग में देख कर बहुत हैरानी हुई कि, कई राज्यों में अनेक ग्रामीण क्षेत्रों में गांव वासियों में वैक्सीनेशन को लेकर अनेक भ्रांतियां फैली हुई है और उन्होंने आन कैमरा साफ-साफ कहा कि हम वैक्सीनेशन नहीं लगाएंगे और अनेक भ्रांतियां का हवाला दिया गया जैसे वैक्सीनेशन से मृत्यु होना, बांझपन आना, बीमार पड़ना, सहित अनेक भ्रांतियों को कहा गया जो हैरानी करने वाला है। देखा जाए तो इसमें उनका भी कसूर नहीं है क्योंकि भोले भाले गांववासियों को इस महामारी की भयानकता के बारे में इतना गहरा ज्ञान नहीं है क्योंकि मुझे ऐसा महसूस हुआ कि ग्रामीण क्षेत्रों में वैक्सीनेशन को लेकर एक विशेष जनजागरण अभियान, प्रशासन की सख्ती, विशेष सांत्वना योजना का लाभ देने, इत्यादि कदम उठाए जाने की जरूरत है। ताकि ग्रामीण वासी वैक्सीनेशन लगाने के लिए सखूत रुख़, पाबंदियों, और प्रोत्साहन मिलने से प्रेरित हो सके। हालांकि टीवी चैनल पर दिखाया गया कि कुछ मामलों में प्रशासन ने सख़ूती के रूप में सरकारी कर्मचारियों के वेतन का भुगतान करने में वैक्सीनेशन सर्टिफिकेट अनिवार्य किया है, ग्राहकों द्वारा मदिरा खरीदने पर भी वैक्सीनेशन की शर्त लगाई है कि जिसने वैक्सीनेशन कराया है उसे ही दुकानों से मदिरा मिलेगी और भी इसी तरह की अनेक पाबंदियां उस ग्राउंड रिपोर्ट में दिखाई गई। ग्रामीण क्षेत्रों में वैक्सीनेशन बढ़ाने और गांव को महामारी से बचाने के लिए यह जरूरी भी है।....बात अगर हम वैक्सीनेशन टारगेट की करें तो थोड़ी हैरानी वाली बात है कि प्रथम चरण के अभी अनेक कोरोनावरियर्स ने भी टीकाकरण नहीं करवाया है, प्रशासन द्वारा उसकी जांच कर 100 प्रतिशत टारगेट को पूर्ण किया जाए। द्वितीय चरण के 60 वर्ष से अधिक का टारगेट अभी भी पूरा नहीं हो पाया है। सरकारी कर्मचारियों को वैक्सीनेशन लगाने का 100त्न टारगेट पूर्ण किया जाए। बहुत जगह हम देख रहे हैं कि टीकाकरण केंद्रों पर लोग नजर नहीं आ रहे हैं जिसका संज्ञान लेकर शासन-प्रशासन, गैर सरकारी संगठनज सामाजिक संस्थाएं, सेवादारी संगठन पक्ष -विपक्ष, सभी को मिलकर काम करने की जरूरत है। वैक्सीनेशन प्रोग्राम में मिलजुल कर एक रणनीतिक रोडमैप बनाया जाए, ताकि ग्रामीण क्षेत्र के सभी गांववासियों को जल्द से जल्द वैक्सीनेशन किया जा सके, तभी हम अपनी जंग में जो और कोरोना महामारी की तीसरी लहर को आने की संभावना को जीरो कर सकेंगे और यह जंग जो हम कोरोना महामारी से, महायुद्ध के रूप में लड़ रहे हैं, वह जीत सकते हैं और हम अपने भारत को वैश्विक रूपसे एक अधिकतम नागरिकों के टीकाकरण युक्त देश बना सकते हैं और आर्थिक चक्र को फिर पूरी तरह से गति प्रदान करने के लिए कोरोना मुक्त भारत, अधिकतम वैक्सीनेशन युक्त भारत, लॉकडाउन मुक्त भारत और तेजी से आर्थिक स्थिति रिकवरी करने वाला महान भारत बनाने के सपनों को साकार करने में पूरा योगदान करें।

एड. किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र

अजय देवगन ने 60 करोड़ में खरीदा नया बंगला

अक्षय और ऋतिक बने पड़ोसी

बॉलीवुड जगत में इन दिनों नई प्रॉपर्टी खरीदने की खबरें आ रही हैं। सुनने में आया है कि अभिताभ बच्चन के आद अब 'सिंघम' अभिनेता अजय देवगन ने भी नया बंगला खरीदा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक अजय देवगन ने मुंबई में एक नया बंगला खरीदा है, जिसकी कीमत करीब 60 करोड़ रुपये बताई जा रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अजय देवगन ने मुंबई के जुहू में स्प्रालिंग बंगला खरीदा है। बताया जा रहा है कि अजय देवगन का नया बंगला उनके घर 'शिवशक्ति' से ज्यादा दूर नहीं है। एक मीडिया हाउस से बातचीत के दौरान अजय देवगन के प्रवक्ता ने नया बंगला खरीदने की पुष्टि की है, लेकिन उसकी कीमत पर कुछ नहीं कहा है। हालांकि ऐसा कहा जा रहा है कि उस बंगले की कीमत 60 करोड़ रुपये है।

पड़ोसियों में अक्षय,ऋतिक ,धर्मेंद्र और अमिताभ बच्चन शामिल

याद दिला दे कि बीते साल से ही अजय और काजोल एक नए घर की तलाश मे थे, जिसके बाद बीते साल के अंत मे ही दोनो ने 590 स्क्वायर यार्ड्स के इस बंगले को चुना था। कापोले कोऑपरेटिव हाउसिंग सोसायटी ने 7 मई को बंगले को वीना विरेन्द्र देवगन और विशाल देवगन (अजय देवगन का असली नाम) के नाम किया है। बता दे कि अजय देवगन के पड़ोसियो मे अक्षय कुमार, ऋतिक रोशन,धर्मेंद्र और अमिताभ बच्चन शामिल है। वैसे याद दिला दे कि हाल ही मे अमिताभ बच्चन ने भी 31 करोड का एक नया अपार्टमेंट खरीदा है।

अजय के अपकमिंग प्रोजेक्ट्स

बात अजय देवगन के फिल्मी करियर की करें तो आखिरी बार वो फिल्म तानाजी मे नजर आए थे। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर धमाका किया था। वहीं अजय देवगन की अपकमिंग फिल्मो की लिस्ट मे आरआरआर, मैदान, भुज: द प्राइड ऑफ इंडिया, मेडे, थैंक गॉड और रुद्र शामिल है। इसके साथ ही अजय, सूर्यवंशी और गंगूबाई काठियावाड़ी मे कैमियो करते नजर आएगे।

सलमान और मीका सिंह से झगड़े के बीच केआरके ने लॉक किया ट्विटर अकाउंट

बॉलीवुड के गुंडे भाई लड़ने की हिम्मत है तो खुद सामने आकर लड़ो : केआरके

अभिनेता सलमान खान और सिंगर मीका सिंह से फाइट के बीच स्वघोषित फिल्म क्रिटिक कमाल राशिद खान उर्फ केआरके ने अपना ट्विटर अकाउंट लॉक कर दिया है। उन्होंने अकाउंट की सेटिंग बदलते हुए इसे प्राइवेट कर दिया है। हालांकि, उन्होंने दोनों ही सेलेब्स पर हमला बोलना बंद नहीं किया है। उन्होंने अपनी ताजा पोस्ट में सलमान को गुंडा बताया और उन्हें चुनौती दी है कि अगर उनमें हिम्मत है तो वे सामने आकर लड़ें। केआरके ने ताजा पोस्ट में लिखा है कि देखो बॉलीवुड के गुंडे भाई लड़ने की हिम्मत है तो खुद सामने आकर लड़ो। ये चिरकुट सिंगर, स्ट्रगलिंग एक्ट्रेसेस वगैरह को आगे करके उनके पीछे न छुपो। मेरा वादा है कि तुम्हारा करियर बर्बाद कर दूंगा और तुम्हें टीवी एक्टर बना दूंगा। यह तुम्हारा अंतिम वक्त है। एक पोस्ट में केआरके ने मीका सिंह पर निशाना साधते हुए लिखा है कि यह चिरकुट, गंवार सिंगर खुद को स्ट्रॉन्ग और अनुराग कश्यप और करन जौहर को कमजोर बता रहा है। इस लुक्खे का एक भाई जेल गया, फिर दूसरा भाई जेल गया और फिर ये खुद जेल गया। ये है इसकी औकात। करन और अनुराग के ड्राइवर की वैल्यू इससे ज्यादा है। अनपढ़ है न, कुछ भी फेंकेगा।'

क्या है सलमान और मीका से केआरके का विवाद?

हाल ही मे सलमान खान ने केआरके के खिलाफ मानहानि का मुकदमा किया है। केआरके का दावा है कि यह केस उनके द्वारा 'राधे :योर मोस्ट वांटेड भाई' के निगेटिव रिव्यू की वजह से किया गया है। जबकि सलमान की लीगल टीम ने एक बयान जारी करते हुए इस दावे को गलत बताया। टीम का कहना है कि केआरके के खिलाफ यह केस इसलिए किया है, क्योंकि उन्होंने सलमान को बदनाम करने के उन्हे भ्रष्ट बताया है और उनकी संस्था बीइंग ह्यूमन पर धोखाधड़ी और पैसो की हेरफेर का आरोप लगाया है। सलमान का पक्ष लेते हुए मीका सिंह ने भी केआरके पर हमला बोला था। उन्होंने अपने एक बयान मे कहा था, 'मै हैरान हू कि सलमान भाई ने उसके खिलाफ केस करने मे इतना वक्त क्यो लगाया। उस जैसे गधे को जितना जल्दी हो सके, सबक सिखाना चाहिए। वह हमेशा व्यक्तिगत टिप्पणी करता है, जो कि गलत है।'

कोरोना पॉजिटिव होने के बाद बढ़ गया था मलाइका अरोड़ा का वजन

पिछले साल मलाइका अरोड़ा कोरोना पॉजिटिव हो गई थी। करीब 21 दिन मे उनका टेस्ट नेगेटिव आया था। इस बीच उन्हे काफी वीकनेस हो गई थी साथ ही मानसिक रूप से भी वह हौसला खोने लगी थी। मलाइका ने कोरोना को हराने और इसके बाद की जर्नी फैन्स के साथ शेयर की है। साथ ही उन्होने पूरी दुनिया के जल्दी रिकवर होने की प्रार्थना भी की है। आप बहुत खुशकिस्मत हैं', 'आपके लिए बहुत आसान रहा होगा'... ये मै अक्सर सुनती हू। जी हां, मै जीवन मे कई चीजो के लिए आभारी हू।

लेकिन इसमें किस्मत का बहुत छोटा रोल होता है। और आसानी? ऐसा बिल्कुल भी नही था। मै 5 सितंबर को को कोरोना पॉजिटिव हुई और यह बहुत बुरा था। जो भी कोविड रिकवरी को आसान कहती है वह या तो खुशकिस्मती से बहुत अच्छी इम्यूनिटी वाला है या फिर कोविड के संघर्षो से वाकिफ नही। मै इससे गुजरी हू और यह बिल्कुल भी आसान नही था। कोरोना ने शारीरिक रूप से मुझे तोड़कर रख दिया था। दो कदम चलना बेहद मुश्किल काम लगता था। उठना, बस अपने बिस्तर से उठना या खिड़की पर खड़े होना एक जर्नी जैसा था। मेरा वजन बढ़ गया था और कमजोर महसूस कर हो रहा था। मेरा स्टैमिना खत्म हो गया था। मै अपने परिवार और बाकी चीजो से दूर थी। 26 सितंबर को फाइनली मेरा टेस्ट नेगेटिव आया और मै बहुत ग्रेटफुल थी कि आखिर मैंने कर दिखाया। लेकिन वीकनेस बनी रही। मै निराश थी कि मेरा शरीर वैसे सपोर्ट नही कर रहा जैसे मेरा दिमाग फील कर रहा था। मुझे डर था कि मुझे कभी ताकत वापस नही मिलेगी। मै सोचती थी कि 24 घंटे मे एक ऐक्टिविटी खत्म भी कर पाऊंगी या नही। मेरा पहला वर्कआउट बहुत खतरनाक था। मै कुछ भी ठीक से नही कर पाई। मै टूट गई थी लेकिन दूसरे दिन मैंने वापसी की और खुद से कहा, मै खुद को बनाने वाली हू। इसके बाद तीसरा, चौथा और पांचवा दिन और आगे भी। मुझे नेगेटिव हुए 32 हफ्ते हो गए है। मै फाइनली पहले जैसा फील करने लगी हू। चार अक्षरो के शब्द जिसने मुझे पुश किया, वो था लड्डए। एक आशा कि सब ठीक हो जाएगा, जबकि मुझे फील हो रहा था कि कुछ ठीक नही है। इसके साथ ही मलाइका ने उनका साथ देने वालों का शुक्रिया अदा किया है और दुनिया के जल्द रिकवर होने की प्रार्थना की है।

सोनू सूद ने शेयर की अपने संघर्ष की कहानी

कोरोना कॉल मे गरीबो की मदद करके चर्चा मे आए अभिनेता सोनू सूद ने एक पोस्ट के जरिए अपने संघर्ष के दिनो की कहानी बताई है। सोनू ने फिल्म मैगजीन स्टार डस्ट के अप्रैल एडीशन का कवर पेज शेयर किया है। साथ ही यह भी बताया है कि शुरूआती दिनो मे इसी मैगजीन के लिए ऑडिशन दिया था लेकिन उनके फोटो रिजेक्ट कर दिए गए थे। आज उसी के कवर पेज पर उन्हे एक्सक्लूसिवली छापा गया है। सोनू लिखते है- एक दिन था, जब पंजाब से मैंने अपने कुछ फोटो स्टारडस्ट के ऑडिशन के लिए भेजे थे। लेकिन मुझे रिजेक्ट कर दिया गया। आज स्टारडस्ट का शुक्रिया करना चाहता हू, इस प्यारे कवर के लिए। आभार। सोनू पर स्टार डस्ट की इस कवर स्टोरी के साथ कैप्शन लिखा है- क्या रीयल हीरो सोनू सूद ने बाकी रील हीरोज से स्टारडम चुरा लिया है। मई 2020 मे कोविड-19 महामारी के कारण देशव्यापी लॉकडाउन के दौरान सूद ने हजारो फंसे हुए प्रवासी श्रमिको को उनकी घर वापसी के लिए बसो, विशेष ट्रेनो और चार्टर्ड उड़ानो की व्यवस्था करके उनके घरो तक पहुंचने मे मदद की। सोनू सूद के फिल्मी कॅरियर की शुरूआत 1999 मे तमिल फिल्म कल्लजगर और नेन्जिनिले से हुई थी। 2000 मे तेलुगु सिनेमा और 2002 मे हिंदी सिनेमा मे सोनू ने एक्टिंग शुरू की।

विद्या बालन की अपकमिंग फिल्म शेरनी का टीजर रिलीज

बॉलीवुड एक्ट्रेस विद्या बालन का नाम उन सितारो मे शुमार है, जो हमेशा अलग फिल्मो और किरदारो को करने के चलते चर्चा मे रहती है। ऐसे मे विद्या बालन इन दिनो उनकी अपकमिंग फिल्म शेरनी को लेकर सुर्खियो मे है, जिसका टीजर रिलीज हो गया है। टीजर की शुरूआत मे जंगल का एक सीन दिखता है और बैकग्राउंड मे विद्या बालन कहती सुनाई देती है- 'जंगल कितना भी घना क्यो न हो, शेरनी अपना रास्ता ढूंढ ही लेती है।' वहीं टीजर मे विद्या बालन के कुछ लुक्स भी दिख रहे है। इसके साथ ही एक सीन मे विद्या दो पुलिसकर्मियो के साथ नजर आ रही है। बता दे कि फिल्म मे विद्या बालन के साथ ही शरत सक्सेना, मुकुल चड्ढा, विजय राज और इला अरुण सहित कई और कलाकार मुख्य भूमिका मे नजर आएगे। 'न्यूटन' फेम निर्देशक अमित मसुर्कर ने शेरनी का निर्देशन किया है, जिसका ट्रेलर 2 जून को रिलीज होगा।

लॉकडाउन के दौरान स्विटजरलैंड घूमने गई सुगंधा मिश्रा,फैंस के लिए शेयर किया वीडियो

कॉमेडियन सुगंधा मिश्रा सोशल मीडिया पर एक्टिव रहती हैं, वो अपने फैंस से जुड़ी रहने के लिए आए दिन दिलचस्प पोस्ट शेयर करती दिखाई दे जाती हैं। हाल ही में सुगंधा ने अपने एकाउंट पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें उन्होंने बताया है कि वो लॉकडाउन के दौरान किस तरह स्विटजरलैंड घूमने गईं। इस वीडियो के जरिए उन्होंने अपने फैंस को लॉकडाउन में घूमने का तरीका बताया है। सुगंधा के संग इस वीडियो में उनके पति संकेत भोसले भी दिखाई दे रहे हैं। दरअसल, सुगंधा ने अपने इंस्टाग्राम एकाउंट पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें

वो नाइटसूट पहने हैं लेकिन पूरा मेकअप किए नजर आ रही हैं... क्योंकि वो स्विटजरलैंड जा रही हैं और वो भी लॉकडाउन के दौरान। अगर आप भी कंफ्यूज हो गए तो बता दें कि ये सुगंधा का एक मजाक है, जिसमें वो बता रही हैं कि वो आज स्विटजरलैंड जाने वाली हैं लेकिन... उन्हें नींद आ जाए बस... यानी सुगंधा का इरादा है कि वो सपने में स्विटजरलैंड घूम आएं। इस वीडियो पर कई लोग कमेंट करते हुए बोल रहे हैं- महामारी के हालातों में कहीं घूमना सपने जैसा ही तो है।

अभिनेता कार्तिक आर्यन को एक और बड़ा झटका : 'दोस्ताना 2' और 'फ्रेडी' के बाद आनंद एल राय की फिल्म से हुए बाहर

अभिनेता कार्तिक आर्यन की मुश्किलें बढ़ती जा रही है। खबरें हैं कि करन जौहर की 'दोस्ताना 2' और शाहरुख खान की 'फ्रेडी' के बाद अब कार्तिक आर्यन एक और बड़ी फिल्म से हाथ धो बैठे हैं। सूत्रों के मुताबिक, कार्तिक फिल्ममेकर आनंद एल राय के साथ एक अनटाइटल्ड गैंगस्टर फिल्म करने वाले थे, लेकिन अब वे इसका हिस्सा नहीं हैं। साथ ही कहा जा रहा है कि आनंद अब इस फिल्म के लिए आयुष्मान खुराना पर विचार कर रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक, कार्तिक और आनंद के बीच फिल्म को लेकर बातचीत हुई थी। कार्तिक ने स्क्रिप्ट पढ़ी थी और फिल्म की कहानी भी सुनी थी। लेकिन, कार्तिक के फिल्म साइन करने से पहले ही किसी कारण से बात नहीं बन पाई। आनंद एल राय के असिस्टेंट इस फिल्म का निर्देशन करने वाले हैं। 'आर्यन और राय की इस फिल्म को लेकर खबरें इसी साल फरवरी में सामने आईं थीं। जब एक्टर को फिल्ममेकर के मुंबई कार्यालय के बाहर देखा गया था। इस फिल्म के लिए कार्तिक और आनंद के बीच बात नहीं बनने का वास्तविक कारण अभी सामने नहीं आया है। सूत्र ने आगे कहा, 'यह तथ्य है कि करन ने कार्तिक को फिल्म से बाहर कर दिया है और यह बात दूसरों को प्रभावित कर सकती है। इसलिए यह तीसरा उदाहरण हो सकता है, जहां आनंद जैसे स्थापित फिल्म निर्माता के साथ कार्तिक काम करने से चूक गए हैं।' सूत्र ने बताया कि आनंद अब इस फिल्म के लिए आयुष्मान खुराना पर विचार कर रहे हैं। जिनके साथ उन्होंने पहले 'शुभ मंगल सावधान' (2017) और 'शुभ मंगल ज्यादा सावधान' (2020) की थी। इसलिए यह कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि आयुष्मान को आनंद आसानी से बोर्ड पर ला सकते हैं। इस बारे में आनंद एल राय ने कहा, 'कार्तिक के साथ फिल्म को लेकर कुछ भी औपचारिक बात नहीं हुई थी। एक प्रोडक्शन हाउस के रूप में, हम कई स्क्रिप्ट पर काम करते हैं और इसे एक्टर्स के सामने पेश करते हैं और यही प्रक्रिया होती है। एक्टर्स आपसे मिलते रहते हैं, आप उन्हें बताते रहते हैं कि आप किस प्रोजेक्ट पर काम कर रहे हैं। फिर एक्टर को अच्छा लगता है तो वे फिल्म करने की इच्छा व्यक्त करते हैं। इसके बाद फिर विषय के आधार पर आप तय करते हैं कि आपको फिल्म के लिए उनसे संपर्क करना चाहिए या नहीं। लेकिन, इसका मतलब यह नहीं है कि आपने उन्हें साइन कर लिया है।'

मेरे पास एक कहानी है, जल्द ही आयुष्मान के साथ बनाएंगे

यह पूछे जाने पर कि क्या आयुष्मान खुराना को इस प्रोजेक्ट के लिए बोर्ड पर लिया गया है? इसके जवाब मे आनंद ने कहा, 'मेरे पास एक कहानी है, जिसे हम जल्द ही आयुष्मान के साथ बनाएंगे।' वहीं इस खबर को लेकर कार्तिक आर्यन की तरह से अब तक कोई ऑफिशियल स्टेटमेंट सामने नही आया है।

'सर्कस' की शूटिंग हो चुकी है पूरी, अब फिल्म 'गोलमाल 5' शुरू करेंगे डायरेक्टर रोहित शेट्टी

डायरेक्टर रोहित शेट्टी की फिल्म 'सर्कस' की शूटिंग लगभग पूरी हो गई है। यह हेवी वीएफएक्स फिल्म है। उस पर वीएफएक्स कंपनी काम शुरू कर चुकी है। ट्रेड सर्किल का कहना है कि रोहित अब 'गोलमाल 5'पर जुटेंगे। अपनी टीम के साथ वह इसके प्री-प्रोडक्शन पर जल्द ही काम शुरू कर देंगे। 'गोलमाल' की पिछली किश्त में हॉरर का ऐलिमेंट था। इस बार एक्शन का डोज ज्यादा रहेगा। प्राइमरी कास्ट में पिछले पार्ट के कलाकारों को रिपीट किया जाएगा। इस बारे में रोहित शेट्टी की तरफ से आधिकारिक बयान आना बाकी है।

तुषार कपूर शेयर की कुछ बातें

बातचीत में इस फिल्म की सभी किश्तों में मौजूद तुषार कपूर ने पांचवें पार्ट को लेकर कुछ बातें शेयर की हैं। तुषार कपूर ने हाल ही में इंडस्ट्री में 20 साल पूरे भी किए हैं। तुषार ने कहा कि कोरोना काल ने सब गड़बड़ किया, वरना साल 2019 में यह फिल्म अनाउंस हुई थी। इस साल यानी 2021 में रिलीज किया जाना था। लॉकडाउन होने की वजह से जाहिर तौर पर यह डिले हो गई। मगर मुझे यकीन है कि यह एक न एक दिन तो बनेगी। मेरे ख्याल से अगले साल या उसके बाद, यह तो अभी किसी को पता नहीं। यह जरूर है कि लॉकडाउन के बाद लोग जरूर 'गोलमाल' सीरीज जैसी फिल्म देखना पसंद करेंगे। वह इसलिए कि इस लॉकडाउन में समाज के हर तबके ने कठिनाइयां उठाई हैं। सब स्ट्रेस में रहें हैं। लिहाजा कोरोना खत्म होने के बाद लोग हंसी-खुशी वाले माहौल में फिर से जाना चाहेंगे। वह सब इस फ्रेंचाइज से उन्हें मिलेगा।'

तुषार कपूर ने आगे कहा कि इस फ्रेंचाइज में अजय देवगन साथ रहें हैं। वो प्रोड्यूसर भी हैं। हमारी बतौर प्रोड्यूसर तो कभी बात नहीं हुई। यहां तक कि जब हम 'लक्ष्मी बॉम्ब' बना रहे थे, तो उन्हें पता तो था कि यह बन रही है। तब भी आपस में यह चर्चा नहीं की कि इसमें कितना इनवेस्ट करना चाहिए। हां, हम आपस में बॉक्स ऑफिस कलेक्शन जरूर डिसकस करते हैं कि किसी फिल्म का फ्राईडे कैसा रहा। उन्होंने फिल्म का प्रोमोशन कैसे किया था, वगैरह वगैरह।'

कंगना रनौत ने फैमिली संग किए स्वर्ण मंदिर में दर्शन

विगत दिनों फिल्म अभिनेत्री कंगना रनौत अमृतसर के स्वर्ण मंदिर में दर्शन करने पहुंची थीं। कंगना रनौत ने अपने इंस्टाग्राम पर पर दो तस्वीरें और स्टोरी पर चार तस्वीरें शेयर की हैं। इन तस्वीरों में वह अपनी मां, बहन रंगोली चंदेल और परिवार के अन्य सदस्यों के साथ नजर आ रही हैं। दरअसल, कंगना रनौत इस समय अपने होमटाउन मनाली में अपने फैमिली के साथ क्वालिटी टाइम बिता रही हैं। वह लगातार तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर कर रही हैं। कंगना रनौत अब अपने परिवार के साथ अमृतसर के स्वर्ण मंदिर पहुंची और उन्होंने इसकी भी तस्वीरें शेयर की हैं। कंगना रनौत ने सोमवार को अपने इंस्टाग्राम अकाउंट और स्टोरी पर तस्वीरें शेयर की हैं। कंगना रनौत इन तस्वीरों में अपनी मां, बहन रंगोली चंदेल और परिवार के अन्य सदस्यों के साथ नजर आ रही हैं। ऐक्ट्रेस ने इसके साथ लिखा, 'आज मैं श्री हरमंदिर साहिब स्वर्ण मंदिर गई। भले ही मैं नॉर्थ में पली बढ़ी हूं और मेरे परिवार में लगभग सभी लोग पहले ही कई बार मंदिर के दर्शन कर चुके हैं। मेरे लिए यह पहली बार है। स्वर्ण मंदिर देखने के बाद यहां की खूबसूरती और दिव्यता के लिए मेरे पास शब्द नहीं है और हैरान हूं।'

इंस्टग्राम पर शेयर की पांच तस्वीरें

कंगना रनौत ने बीते शनिवार को अपने इंस्टग्राम अकाउंट पर पांच तस्वीरे शेयर की थी। इनमे आप देख सकते है कि वह अपने परिवार के सदस्यो और दोस्तो के साथ नजर आ रही है और सभी काफी अच्छे मूड मे दिख रहे है। कंगना रनौत ने इसके साथ लिखा, 'कोविड का वक्त सबसे मुश्किल होता है आइसोलेशन, आज मनाली मे रिश्तेदारो और दोस्तो से मिलकर बहुत अच्छा लगा।'

कोरोना के चलते हंसना भूले लोग, वैज्ञानिक बोले- संकट में मुस्कुराइए

ब्रिटेन ■ एजेंसी

कोरोना संकट ने आम आदमी को इस कदर परेशान कर दिया है कि पूरी दुनिया में लोगों को मुस्कुराने के लिए अब कारण खोजना पड़ रहा है। हममें से ज्यादातर लोगों को पिछले 12 महीनों के दौरान एक अच्छी सी मुस्कुराहट और खुलकर ठहाके लगाने की जरूरत महसूस होती रही। यही वजह है कि पहले लॉकडाउन के समय पर नेटफ्लिक्स पर डरावनी फिल्मों की तलाश करने वालों की संख्या में गिरावट आई और अब स्टैंड-अप कॉमिडी से जुड़े कार्यक्रमों के दर्शकों में भारी उछाल देखा गया। ब्रिटेन के ब्रिस्टल विश्वविद्यालय की रिसर्चर लूसी रेफील्ड ने द कन्वरसेशन में लिखा कि सोशल मीडिया की दुनिया में, वायरस से जुड़ी बातों का मजाक उड़ाने वाले अकाउंट को भी बहुत लोगों ने फॉलो किया है जैसे क्वेंटिन क्वारेंटिनो और रेडिट थ्रेड कोरोना आदि। कोरोनावायरसमीम्स जैसे अकाउंट की लोकप्रियता पिछले एक साल में बढ़ी है। हमने जूम मीटिंग्स, हाथ धोने के गाने और घर में ही बाल काटने को लेकर मजाक करने में काफी समय बिताया है। लेकिन ऐसा क्या है कि हम एक पल में मरने वालों की बढ़ती संख्या के बारे में जानकर घबरा जाते हैं और दूसरे ही पल दोस्त द्वारा भेजा वीडियो देखकर हंसने लगते हैं, यह परिवर्तन कैसे होता है?

अरस्तू ने भी दर्द को भूलने के लिए हंसने की दी थी सलाह

हास्य के साथ उपहास से बचने की आवश्यकता भी उतनी ही प्राचीन है। 335 ईसा पूर्व में, अरस्तू ने किसी भी दर्दनाक या विनाशकारी चीज पर हंसने के खिलाफ सलाह दी थी। रोमन शिक्षक क्विंटिलियन ने भी हँसी और उपहास के बीच बहुत महीन रेखा की बात कही थी। इसे अभी भी आम तौर पर एक सामान्य स्थिति के रूप में स्वीकार किया जाता है कि हास्य से किसी को चोट नहीं पहुंचानी चाहिए, विशेष रूप से तब जब हंसने की वजहें पहले से ही कमजोर हों। जब हंसी और उपहास के बीच की सीमा का सम्मान किया जाता है, तो हास्य हमें आपदा से उबरने में मदद करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। यह ऐसे लाभ प्रदान करता है जो गंभीर परिस्थितियों में हास्य की तलाश करने की हमारी प्रवृत्ति की व्याख्या करते हैं, विशेष रूप से शारीरिक और मानसिक सेहत को ठीक रखने की हमारी भावना को बढ़ाने के संदर्भ में।

पुराने समय में भी प्रमुख हथियार था हास्य

लूसी रेफील्ड ने कहा कि अपने करियर का अधिकांश समय हंसी और हास्य का अध्ययन करने में बिताने वाले एक विद्वान के रूप में, मुझे अक्सर हास्य से जुड़े आश्चर्यजनक पहलू देखने को मिलते हैं। मैंने 16वीं सदी के फ्रांस में इतालवी कॉमिडी और इसकी स्वीकार्यता, धर्म के युद्धों में हंसी के राजनीतिक परिणाम और आज के हास्य के मुख्य सिद्धांतों के ऐतिहासिक पूर्व अनुभवों का अध्ययन किया है। उन्होंने कहा कि मेरे अधिकांश शोधों से मजेदार बातों का खुलासा होता है कि कैसे कठिनाई के समय में हास्य हमें लुभाता है। लेकिन महामारी के इस समय ने वास्तव में उन भूमिकाओं को बढ़ा दिया है जो कॉमिडी निभा सकती है और यही वजह है कि हास्य पर हमारी निर्भरता बढ़ गई।

रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचा अकेलापन

अब बात करते है पिछले बरस की सर्दियो की, जब लॉकडाउन के दौरान अकेलेपन का स्तर रिकॉर्ड ऊचाई पर पहुच गया (नवबर मे, ब्रिटेन मे हर चार वयस्क मे से एक ने अकेलापन महसूस करने की सूचना दी), हंसी भी लोगो को एक साथ लाने मे महत्वपूर्ण रही है। यह न केवल आम तौर पर एक सामूहिक गतिविधि है - कुछ वैज्ञानिकों का मानना है कि हमारे मानव पूर्वज जब बोल नही पाते थे तब भी समूहो मे हसते थे - यह जम्हाई लेने से भी अधिक सक्रामक है। यह देखते हुए कि अमूमन हम उन विषयो पर हसते है, जो खुद से जुडे लगते है, हास्य ने लोगो को लॉकडाउन के दौरान एक दूसरे को पहचानने मे मदद की। यह बदले मे जुड़ाव और एकजुटता की भावना पैदा करता है, जिससे हमारी अलगाव की भावना कम हो जाती है। साहित्यिक विद्वान और लेखक जीना बैरेका का कहना है कि छुए बिना आप किसी के जितने करीब आ सकते है, मिलकर हसना आपको उतने करीब ले आता है।

न्यूज. ब्रीफ

बांग्लादेश में हजारों रोहिंग्या ने किया प्रदर्शन, पत्थरबाजी

ढाका। बाग्लादेश के चक्रवात तूफान सभावित इलाके में बसाए गए हजारो रोहिंग्या मुसलमानो ने यहा की खराब हालत को लेकर सोमवार को उग्र प्रदर्शन किया। दिसबर से अब तक बाग्लेदश मे 18 हजार रोहिंग्या मुसलमानो को कॉक्स बाजार से भाषणचार द्वीप पर शिफ्ट किया जा चुका है। कॉक्स बाजार से यहा करीब 1 लाख लोगो को लाए जाने की योजना है, जहा अभी करीब 850,000 लोग बेकार और तग कैपो मे रह रहे है। म्यामार की सेना की बर्बरता का शिकार होकर 2017 मे समुदाय के लाखो लोग जान बचाकर बाग्लादेश पहुचे थे। सोमवार को प्रदर्शन मे करीब 4 हजार लोग शामिल थे।

इजरायली पीएम नेतन्याहू की कुर्सी पर खतरा

नई दिल्ली। इजरायल मे सबसे लबे समय तक प्रधानमत्री रहने वाले बेंजामिन नेतन्याहू की कुर्सी खतरे मे है। दरअसल, इजरायल के राष्ट्रवादी कट्टरपथी नेता नफ्ताली बेनेट ने ऐलान किया है कि वह एक सभावित गठबधन सरकार का हिस्सा बनेगे, जिससे देश मे पीएम बेंजामिन नेतन्याहू की सत्ता खत्म हो सकती है। दक्षिणपथी नेता नेतन्याहू के विरोध मे सासदो का गठबधन बनाने की समय सीमा बुधवार को खत्म हो रही है। उससे पहले ही इस गठबधन को लेकर बातचीत तेज हो गई है। दरअसल, हाल ही मे गाजा पट्टी मे इस्लामिक चरमपथी समूह हमास के साथ सैन्य सघर्ष के बाद इजरायल में विपक्ष की गतिविधियो मे तेजी आई है।

कोरोना टेस्ट रिपोर्ट निगेटिव फिर भी भर्ती हुआ चोकसी

नई दिल्ली। बीते हफ्ते डोमिनिका से पकड़े गए भगोड़े हीरा कारोबारी मेहुल चोकसी को सोमवार अस्पताल मे भर्ती कराया गया। चोकसी की मेडिकल रिपोर्ट के मुताबिक, उसकी कोरोना जाच निगेटिव आई है। चोकसी को डोमिनिका चाइना फ्रेंडशिप अस्पताल मे भर्ती कराया गया। बीती 25 मई को चोकसी एंटीगुआ और बारबुडा से लापता हो गया था। इसके बाद वह 26 मई को डोमिनिका में पकड़ा गया था। पीएनबी घोटाले में आरोपी चोकसी जनवरी 2018 से ही भारत से भागने के बाद एंटीगा और बारबुडा मे रह रहा है।

यूएई ने भारत से उड़ानों का निलंबन 30 जून तक बढ़ाया

दुबई। सयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने रविवार को कोरोना वायरस महामारी के मद्देनजर भारत से आने वाली यात्री उडानो का निलबन 30 जून तक बढ़ा दिया। भारत मे कोविड-19 के मामलो मे वृद्धि के बाद 25 अप्रैल को उडानो पर रोक लगायी गई थी। यूएई की वायुसेवा प्रदाता एमिरेट्स ने रविवार को अपनी वेबसाइट पर जारी सदेश मे कहा कि उसने भारत से आने वाली यात्री उडानो पर जारी रोक को 30 जून तक बढा दिया है। इससे पहले 14 जून तक यात्री उडानो पर रोक की घोषणा की गई थी।

| चीन में जनसंख्या सबसे धीमी गति से 1.412 अरब हुई |

घटती और बुजुर्ग होती जनसंख्या से परेशान हुआ चीन, नीति में बदलाव

बीजिंग ■ एजेंसी

क्या चीन अपनी घटती जनसंख्या से परेशान है? जी हां, सही सवाल है यह। चीन ने सोमवार को घोषणा की है कि प्रत्येक माता-पिता को तीन बच्चे पैदा करने की अनुमति होगी। ड्रैगन ने हाल ही में सामने आए उन आंकड़ों के बाद इस नीतिगत बदलाव की घोषणा की है, जिसमें बच्चों के जन्म में नाटकीय गिरावट देखी गई थी। चीन की आधिकारिक समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, राष्ट्रपति शी जिनपिंग की अध्यक्षता में एक पोलित ब्यूरो की बैठक के दौरान बदलाव को मंजूरी दी गई। 2016 में, चीन ने अपनी दशकों पुरानी एक बच्चे की नीति को समाप्त कर दिया था। चीन ने जनसंख्या विस्फोट को रोकने के लिए यह नीति लागू किया था। दो बच्चों की सीमा के साथ चीन में बच्चों के जन्म में निरंतर वृद्धि नहीं हुई। चीन की शहरों में बच्चों की परवरिश की उच्च लागत ने कई जोड़ों ने इसे नहीं अपनाया।

चीन में जनसंख्या सबसे धीमी गति से 1.412 अरब हुई

इस महीने की शुरूआत में, चीन की एक दशक मे एक बार की जनगणना से पता चला है कि 1950 के दशक के बाद से पिछले दशक के दौरान जनसख्या सबसे धीमी दर से बढ़ी है। अकेले 2020 मे महिलाओ ने औसत रूप से 1.3 बच्चो को जन्म दिया है। चीन की आबादी 2019 की तुलना मे 0.53 प्रतिशत बढ़कर 1.41178 अरब हो गई है हालाकि जनसख्या वृद्धि की यह दर सबसे धीमी है। 2019 में आबादी 1.4 अरब थी। चीन का सबसे ज्यादा आबादी वाले देश का दर्जा अब भी बरकरार है हालाकि अधिकारिक अनुमान के मुताबिक अगले साल तक इस संख्या मे गिरावट आ सकती है और जिससे श्रमिको की कमी हो सकती है और उपभोग स्तर मे भी गिरावट आ सकती है ऐसे में भविष्य में देश के आर्थिक परिदृश्य पर भी इसका असर होगा। चीन की सरकार द्वारा हाल ही मे जारी सातवी राष्ट्रीय जनगणना के आकड़ो के मुताबिक सभी 31 प्रांतो, स्वायत्त क्षेत्रो और नगरपालिकाओं को मिलाकर चीन की जनसख्या 1.41178 अरब हो गई है जो 2010 के आकड़ो के मुकाबले 5.8 प्रतिशत या 7.2 करोड़ ज्यादा है। इन आकड़ो मे हांगकांग और मकाउ को शामिल नही किया गया है। चीन 1990 के दशक से हर 10 साल पर राष्ट्रीय जनगणना कराता है। नवीनतम आंकड़ो के मुताबिक देश की जनसंख्या 2010 के मुकाबले 5.38 प्रतिशत या 7.206 करोड़ बढ़कर 1.41178 अरब हो गई है। सयुक्त राष्ट्र द्वारा जून 2019 मे जारी एक रिपोर्ट के मुताबिक चीन मे जहा आबादी मे कमी आएगी वही 2019 मे 1.366 अरब की आबादी वाले भारत के 2027 तक दुनिया के सबसे ज्यादा आबादी वाले देश के तौर पर चीन से आगे निकल जाने का अनुमान है। एनबीएस द्वारा जारी नई जनगणना के आकड़ो से पता चलता है कि चीन जिस सकट का सामना कर रहा था, उसके और गहराने की उम्मीद है, क्योंकि देश मे 60 वर्ष से अधिक लोगों की आबादी बढ़कर 26.4 करोड़ हो गई है जो पिछले साल के मुकाबले 18.7 प्रतिशत ज्यादा है। एनबीएस ने एक बयान मे कहा कि जनसख्या औसत आयु बढ़ने से दीर्घकालिक सतुलित विकास पर दबाव बढ़ेगा।

अभिभावकों को राहत दिलाने के लिए 1 जून से शुरू होगा मिस्ड कॉल अभियान

नोएडा ■ एजेंसी

कोरोना के इस संक्रमण काल में अभिभावकों की दिक्कतें बढ़ रही हैं। बड़ी संख्या में अभिभावकों की नौकरी चली गई और कारोबार बंद पड़े हैं, लेकिन स्कूल संचालकों ने फीस में कोई राहत नहीं दी है। कोरोना काल में आर्थिक संकट झेल रहे अभिभावकों को राहत दिलाने के लिए नोडा और आई युवा संस्था द्वारा मंगलवार से की ओर से विशेष अभियान की शुरूआत की जाएगी। एक जून से शुरू हो रहे इस अभियान में मिस्ड काल के माध्यम से लोगों का समर्थन हासिल किया जाएगा और ईमेल के माध्यम से अभिभावक अपनी समस्या एवं सुझाव बता सकेंगे। ज्यादातर अभिभावकों के सामने परिचय देने की समस्या होती है, उन्हें ध्यान में रखते हुए मिस्ड काल अभियान शुरू किया गया है। जहां वह बिना डरे समर्थन कर सकेंगे। पीड़ित अभिभावकों की बात को मुख्यमंत्री और शिक्षा मंत्री तक पहुंचाकर उनके लिए रियायत की मांग की जाएगी।

स्कूल फीस व अन्य समस्याओं को लेकर सेक्टर - 62 स्थित श्री मंगलम कालेज ऑफ लॉ में न्यू एजुकेशनलिस्ट एंड इंटरप्राइजिंग डेवलपमेंट एसोसिएशन नोडा और आई युवा की बैठक आयोजित हुई। बैठक में आई युवा अध्यक्ष रुद्र प्रताप सिंह ने बताया कि सर्व सहमति से यह निर्णय लिया गया कि संयुक्त अभियान के जरिये प्रशासन, स्कूल प्रबंधन और अभिभावकों के बीच समन्वय स्थापित करके इस समस्या का व्यावहारिक समाधान निकाला जाएगा। नोडा के अध्यक्ष हर्ष राज द्विवेदी ने कहा कि महामारी के कारण मार्च 2020 से स्कूल संचालित नहीं हो रहे हैं। स्कूल प्रबंधन अभिभावकों पर फीस के लिए दबाव बना रहे हैं।

हाऊस टैक्स: व्यापारी काली पट्टी बांधकर आज विरोध करेंगे

गाजियाबाद। महानगर उद्योग व्यापार मंडल ने महापौर को पत्र भेजकर हाऊस टैक्स बढ़ाने के विरोध में मंगलवार को काली पट्टी बांधकर विरोध करने की चेतावनी दी है। व्यापारी नेताओं ने कहा कि कोरोना महामारी के दौरान लोगों की हालत खराब है। बेरोजगारी और तंगहाली में जी रहे लोगों पर 15 फीसदी का बोझ संकट काल में बढ़ाना अनुचित है। महामंत्री अशोक चावला ने बताया कि नगर निगम द्वारा एक जून से हाऊस टैक्स में 15 फीसदी बढ़ोतरी करने की घोषणा की गई है। कोरोना संक्रमण के कारण जनपद में लॉक डाउन के बाजार पूरा बंद हैं। कारोबार ठप है। लोगों की नौकरियां चली गई हैं। ऐसे में नगर निगम द्वारा कर बढ़ोतरी करना सही नहीं है। चावला ने महापौर आशा को लिखे पत्र में कहा कि अगर निगम एक जून से 15 फीसदी कर बढ़ोतरी करता है तो महानगर उद्योग व्यापार मंडल निगम पार्षदों और स्थानीय सामाजिक संगठनों के पदाधिकारियों के सहयोग से अदालत का दरवाजा खटखटाएंगे।

छत्तीसगढ़: दंतेवाड़ा में हुई मुठभेड़ में महिला नक्सली की मौत, 2 लाख का था इनाम

नई दिल्ली ■ ब्यूरो

छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले में एक महिला नक्सली सुरक्षाकर्मियों के साथ मुठभेड़ में मारी गई। इसके ऊपर 2 लाख रुपए का इनाम था। पुलिस अधीक्षक अभिषेक पल्लव ने कहा, गीदम थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले गांव गुमलनारी के पास सुबह साढ़े छह बजे मुठभेड़ हुई जिसमें जिला रिजर्व गार्ड ने नक्सली विरोधी ऑपरेशन चलाया। कुछ देर तक चली फायरिंग के बाद विद्रोही भाग निकले। बाद में एक महिला नक्सली के शव की शिनाख्त वाइको पेक्को के रूप में हुई जिसे घटनास्थल के 400 किमी दूर से से बरामद किया गया था।

बागी महिला भैरमगढ़ इलाके की रहने वाली थी जो पड़ोसी बीजापुर जिले में पीएलजीए (पीपुल्स लिबरेशन गुरिल्ला आर्मी) के सदस्य के रूप में सक्रिय थी, साइट अधिकारी ने बताया कि घटनास्थल से दो देसी बंदूकें, एक दो किलो का आईईडी, आन्य माओवादी सामग्री, दवाएं और दैनिक उपयोग का सामान भी बरामद हुआ है।

झारखंड में रजनीगंधा, शिखर समेत 11 पान मसाला बैन, मैग्नेशियम कार्बोनेट मिलने पर कार्रवाई

रांची। झारखंड में राज्य सरकार ने रजनीगंधा, पान पराग समेत 11 पान मसालों पर लगे बैन को एक साल के लिए बढ़ा दिया है। झारखंड सरकार के फूड सेफ्टी कमिश्नर अरुण कुमार की ओर जारी हुए इस आदेश के मुताबिक इन पान मसालों में मैग्नीशियम कार्बोनेट मिला है। इससे हार्ट अटैक का खतरा रहता है। झारखंड में 11 पान मसालों पर बैन 8 मई 2020 को लगाया गया था। इसे अब एक साल के लिए बढ़ा दिया गया है। झारखंड के फूड सेफ्टी कमिश्नर अरुण कुमार ने इस आदेश को जारी किया है। आदेश में कहा गया कि अगर कोई उल्लंघन करता है तो उसके खिलाफ आईपीसी के तहत कड़ी कार्रवाई की जाएगी। आदेश में कहा गया है कि 2019-20 में प्रदेश के अलग-अलग जिलों से 41 प्रकार के पान मसाला के सैंपल्स लिये गए थे। जांच में इनमें मैग्नीशियम कार्बोनेट होने की पुष्टि हुई थी। फूड सेफ्टी कमिश्नर अरुण कुमार ने इस आदेश में कहा कि मैग्नीशियम कार्बोनेट से लोगों को हाइपर मैग्निशिया की शिकायत होती है। इससे हार्ट अटैक का खतरा रहता है।

योगी सरकार की कार्रवाई, गेहूं खरीद में धांधली पर पीसीएफ के आरएम समेत पांच कर्मी सस्पेंड

लखनऊ ■ एजेंसी

कानपुर जिले में तीन क्रय केंद्रों पर गेहूं खरीद में बड़ी धांधली पकड़ में आई है। बाहर से गेहूं खरीदकर क्रय केंद्र पर दिखाकर बड़ा गोलमाल किए जाने का मामला पकड़ में आया है। संज्ञान में आने पर प्रादेशिक सहकारी संघ (पीसीएफ) कानपुर के क्षेत्रीय प्रबंधक सहित पांच कार्मिकों को निलंबित कर दिया गया है। इनके खिलाफ विभागीय अनुशासनात्मक कार्रवाई भी की जा रही है।

अपर मुख्य सचिव सहकारिता एमवीएस रामीरेड्डी के निर्देश पर प्रबंध निदेशक पीसीएफ ने यह कार्रवाई की है। पीसीएफ के क्षेत्रीय प्रबंधक कानपुर हरिओम शर्मा, अतुल शर्मा गणक, सोहिल कुमार प्रभारी क्रय केंद्र अरौल, सुरेंद्र कुमार प्रभारी क्रय केंद्र सिंधौली तथा राजेश कुमार प्रभारी क्रय केंद्र रहिमपुर विषधन को गेहूं खरीद में धांधली पर निलंबित किया गया है।

इससे पूर्व गेहूं खरीद में धांधली किए जाने पर पीसीएफ जौनपुर के जिला प्रबंधक वीरेंद्र कुमार यादव को भी निलंबित किया जा चुका है। अपर मुख्य सचिव सहकारिता के मुताबिक कानपुर में तीन क्रय केंद्रों पर गेहूं खरीद में अनियमितता की शिकायतें मिल रही थीं। प्रारंभिक जांच में शिकायतें सही पाई गई। बिचौलियों की मिलीभगत से यह खेल चल रहा था। इस अनियमितता में क्रय केंद्र प्रभारी से लेकर अन्य कई अधिकारी-कर्मचारियों की संलिप्तता नजर आ रही है।

उन्होंने कहा कि अन्य जो भी दोषी पाए जाएंगे, सबके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

चेतावनी: पता लगाएं कहां से आया कोरोना, नहीं तो कोविड-26, कोविड-32 का सामना करने को रहें तैयार

वॉशिंगटन ■ एजेंसी

अमेरिका के दो विशेषज्ञों ने रविवार को कहा कि कोविड-19 की उत्पत्ति का पता लगाने के लिए दुनिया को चीन सरकार के सहयोग की आवश्यकता है ताकि भविष्य में महामारी के खतरे को रोका जा सके। ट्रंप सरकार में फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन में कमिश्नर रहे और फाइजर के बोर्ड के मौजूदा सदस्य स्कॉट गोटलिब ने कहा है कि कोरोना वायरस के चीन के वुहान लैब से निकलने की थ्योरी के समर्थन में सूचनाएं मिल रही हैं। गोटालिब ने सीबीएस न्यूज पर कहा, "थ्योरी के खंडन में चीन ने सबूत नहीं दिए हैं, जबकि वन्यजीवों से वायरस आने को लेकर जांच में संकेत नहीं मिले हैं।" टेक्सास चिल्ड्रेन हॉस्पिटल सेंटर फॉर वैक्सीन डिवेलपमेंट के को-डायरेक्टर पीटर होत्ज ने एक अलग टीवी कार्यक्रम में कहा कि कोरोना वायरस की उत्पत्ति का पता नहीं लगने से भविष्य में नई महामारी का खतरा है। एनबीसी चैनल पर एक कार्यक्रम में पीटर ने कहा, "यदि हम कोविड-19 की उत्पत्ति को अच्छी तरह से नहीं समझ लेते हैं तो कोविड-26 या कोविड-32 भी आ सकते हैं।" चीन के वुहान सीफूड मार्केट में वायरस मिलने के एक साल बाद भी इसकी सही उत्पत्ति का पता नहीं चला है। वैज्ञानिकों ने अनुमान लगाया कि यह किसी जंगली जानवर से मानवों तक पहुंचा। ट्रंप सरकार में कुछ विशेषज्ञों ने यह भी कहा कि वायरस गलती से चीन के वुहान लैब से बाहर आ गया। अब ट्रंप प्रशासन की ओर से भी इसका समर्थन किया जा रहा है। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने पिछले बुधवार को कहा कि वायरस की उत्पत्ति का पता लगाने की आवश्यकता है। उन्होंने एजेंसियों को इसका पता लगाकर 90 दिनों में रिपोर्ट देने को कहा है। उन्होंने कहा कि अमेरिकी इंटेलिजेंस एजेंसियों में इस बात को लेकर मतभेद है कि वायरस प्राकृतिक तरीके से मानवों तक पहुंचा या यह वुहान के लैब से लीक हुआ।

रिपोर्ट — पेट्रोलियम मंत्रालय के पेट्रोलियम योजना एवं विश्लेषण प्रकोष्ठ ने जारी किए अस्थायी आंकड़े

रफ्तार पकड़ रही है अर्थव्यवस्था, लगातार चौथे महीने बढ़ी ईंधन की मांग, 11 माह के उच्चस्तर पर

नई दिल्ली ■ ब्यूरो

देश की ईंधन की मांग में दिसंबर में लगातार चौथे महीने बढ़ोतरी हुई है। आर्थिक गतिविधियां फिर शुरू होने से ईंधन की खपत दिसंबर में 11 महीने के उच्चस्तर पर पहुंच गई है। हालांकि, यह कोविड-19 के पूर्व के स्तर से अभी दो फीसदी कम है। पेट्रोलियम मंत्रालय के पेट्रोलियम योजना एवं विश्लेषण प्रकोष्ठ के अस्थायी आंकड़ों के अनुसार दिसंबर, 2020 में पेट्रोलियम उत्पादों की कुल मांग सालाना आधार पर घटकर 1.85 करोड़ टन रह गई। एक साल पहले समान महीने में यह 1.89 करोड़ टन थी।

परिवहन और कारोबारी गतिविधियां शुरू होने से दिसंबर में ईंधन की खपत माह-दर-माह आधार पर लगातार चौथे महीने बढ़ी है। नवंबर 2020 में देश में ईंधन की खपत 1.78 करोड़ टन रही थी। पेट्रोल की खपत सितंबर में कोविड-19 के पूर्व के स्तर पर पहुंची थी। वहीं डीजल की खपत अक्तूबर में सामान्य हुई थी। हालांकि, नवंबर में इसकी मांग में फिर गिरावट आई। दिसंबर में भी इसकी मांग घटी है। अक्तूबर में डीजल की मांग सालाना आधार पर 7.4 फीसदी बढ़ी थी। नवंबर में यह 6.9 फीसदी और दिसंबर में 2.7 फीसदी घटकर 71.8 लाख टन रह गई। हालांकि, माह-दर-माह आधार पर डीजल की मांग मामूली सुधरी है। नवंबर में यह 70.4 लाख टन रही थी।

सिर्फ एलपीजी की बढ़ी मांग

एकमात्र ईंधन है जिसकी मांग लॉकडाउन में भी बढ़ी थी। सरकार ने गरीब परिवारों को रसोई गैस सिलिंडर मुफ्त दिए थे। दिसबर मे एलपीजी की मांग 7.4 फीसदी बढ़कर 25.3 लाख टन पर पहुच गई। विमान ईंधन एटीएफ की मांग दिसबर मे सालाना आधार पर 41 फीसदी घटकर 4,28,000 टन रह गई। माह-दर-माह आधार पर एटीएफ की मांग मे 13.5 फीसदी का सुधार हुआ।

त्योहारी सीजन की शुरूआत से शुरू हुई वृद्धि: कोरोना वायरस के प्रसार पर अंकुश के लिए लगाए गए लॉकडाउन की वजह से अप्रैल में ईंधन की मांग 49 फीसदी घटी थी। 69 दिन के राष्ट्रीय स्तर के लॉकडाउन के बाद स्थानीय और राज्यस्तर पर भी अंकुश लगाए। हालांकि, बाद में इन अंकुशों में धीरे-धीरे ढील दी गई। नियंत्रण वाले क्षेत्रों में स्थानीय स्तर पर अंकुश अभी कायम हैं। त्योहारी सीजन की शुरूआत से ईंधन की खपत में वृद्धि शुरू हुई। लेकिन देश के ज्यादातर हिस्सों में स्कूल और शैक्षणिक संस्थान अभी बंद हैं। ऐसे में सार्वजनिक परिवहन अभी सामान्य नहीं हो पाया है।

द्रविड़ से मिली मदद तब पता चला कहां कैसे खेलना है, खिलाड़ी ने किया खुलासा

नई दिल्ली ■ ब्यूरो

राहुल द्रविड़ भारत के महानतम बल्लेबाजों में गिने जाते हैं. उन्होंने बतौर खिलाड़ी और कप्तान देश के लिए जो किया वही वह एक कोच के तौर पर कर रहे हैं. भारत की बेंच स्ट्रेंग्थ कितनी मजबूत है इसका सबूत ऑस्ट्रेलिया में देखने को मिला जब देश के कई मुख्य खिलाड़ी चोट के कारण बाहर थे, लेकिन फिर भी टीम ने बेंच पर बैठे खिलाड़ियों की मदद से सीरीज अपने नाम की. इसका श्रेय काफी लोग द्रविड़ को ही देते हैं. उन्होंने अंडर-19 और इंडिया-ए का कोच रहते हुए कई खिलाड़ियों को बनाया. देश के कई युवा खिलाड़ी भी इस बात को कबूल कर चुके हैं कि उनके खेल पर द्रविड़ का असर है. अब भारत को अंडर-19 विश्व कप के फाइनल में ले जाने वाले कप्तान प्रियम गर्ग ने भी माना है कि द्रविड़ के सुझावों से उन्हें काफी फायदा मिला है और कहां, कब कैसे खेलना है यह द्रविड़ ने उन्हें बताया. प्रियम गर्ग की कप्तानी में भारत ने 2020 में विश्व कप के फाइनल में प्रवेश किया था लेकिन वह मात खा गई. द्रविड़ उस समय टीम के कोच थे. इससे पहले भारत ने 2018 में पृथ्वी शॉ की कप्तानी में अंडर-19 विश्व कप जीता था और तब भी द्रविड़ टीम के कोच थे. इससे पहले 2016 में भारत ने ईशान किशन की कप्तानी में अंडर-19 विश्व का फाइनल खेला और तब भी द्रविड़ ही टीम के कोच थे. इन तीनों टीमों से भारत को कई अहम और बड़े खिलाड़ी मिले फिर वो चाहे कुलदीप यादव हों, ऋषभ पंत हो शुभमन गिल, शॉ हो.

बताया क्या सही है

प्रियम ने इंडिया टीवी को दिए इंटरव्यू में बताया कि द्रविड़ उन्हें लगातार सलाह देते रहते थे और बताते थे कि क्या सही है और क्या नही. प्रियम ने कहा, 'निश्चित तौर पर उनके इनपुट्स से काफी मदद मिली. राहुल द्रविड़ काफी बड़े खिलाड़ी है और साथ ही वह काफी अच्छे इंसान है. वह हमेशा आपकी मदद करते है, चाहे आप मैदान पर हो या मैदान के बाहर. वह लगातार आपको सलाह देते रहते है और बताते रहते है कि क्या सही है.'

आईपीएल में मिला मौका

अंडर-19 विश्व कप में बेहतरीन कप्तानी और बल्लेबाजी करने के बाद प्रियम को आईपीएल-2020 में सनराइजर्स हैदराबाद ने अपने साथ जोड़ा. उन्होंने पिछले सीजन में टीम के लिए 14 मैच खेले. वह हालांकि ज्यादा कुछ खास नहीं कर पाए और 14.77 की औसत से 133 रन ही बना पाए. इस दौरान उन्होंने सिर्फ एक अर्धशतक लगाया. आईपीएल-2021 के स्थगित होने तक टीम ने प्रियम को एक भी मैच में मौका नहीं दिया था.

अपना अनुभव किया साझा

प्रियम ने बताया कि जब वह द्रविड़ के साथ थे तब पूर्व कप्तान ने उनसे उनका अनुभव साझा किया था. प्रियम ने कहा, 'जब मैं उनके साथ इंग्लैंड और साउथ अफ्रीका गया तो उन्होंने मुझसे अपना अनुभव साझा किया, जिससे मुझे मदद मिली. उन्होंने मुझे बताया कि किस तरह से परिस्थितियों से निपटा जा सकता है, किस विकेट पर कैसी बल्लेबाजी की जा सकती है, कैसे गेंदबाजों से निपटा जा सकता है, कैसे चुनौतियों का सामना किया जा सकता है. इससे मुझे उन विकेटों पर बल्लेबाजी करने में मदद मिली.'

परिवार के अनुरोध पर मिल्खा सिंह को अस्पताल से मिली छुट्टी, कोविड-19 पॉजिटिव पाए जाने पर हुए थे भर्ती

नई दिल्ली ■ ब्यूरो

भारत के महान धावक मिल्खा सिंह को परिवार के अनुरोध पर अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। उनकी हालत स्थिर है, लेकिन वह अभी भी ऑक्सीजन सपोर्ट पर हैं। मिल्खा सिंह को 24 मई को कोरोना पॉजिटिव पाए जाने के बाद हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था। 91 साल के मिल्खा की वाइफ निर्मल कौर को शनिवार को ऑक्सीजन की जरूरत बढ़ने के बाद आईसीयू में शिफ्ट करना पड़ा था, पर अब उनकी हालत ठीक बताई जा रही है। अस्पताल ने बताया, 'परिवार के अनुरोध पर मिल्खा सिंह को आज स्थिर स्थिति में अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। वह ऑक्सीजन और पोषण संबंधी सपोर्ट पर है।' भारतीय वॉलीबाल टीम की पूर्व कप्तान निर्मल कौर के बारे में अस्पताल ने बताया, 'मिल्खा सिंह की पत्नी को ऑक्सीजन की बढ़ती जरूरत के चलते बीती रात आईसीयू में भर्ती करना पड़ा था। उनकी स्थिति स्थिर बनी हुई है।' अस्पताल ने पहले बताया था कि दोनों का कोविड-19 निमोनिया का इलाज चल रहा है।

पिछले बुधवार (19 मई) को कोविड पॉजिटिव पाए जाने के बाद 'फ्लाइंग सिख मिल्खा सिंह को सोमवार (24 मई) को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इसके दो दिनों के बाद उनकी पत्नी को भी कोविड-19 जांच में पॉजिटिव आने के बाद उसी अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

शेयर बाजार में रौनक बरकरार, सेंसेक्स 52000 और निफ्टी 15600 के करीब बंद

नई दिल्ली ■ ब्यूरो

इस महीने के आखिरी और सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को शेयर बाजार मजबूती के साथ बंद हुआ। बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 514 अंकों की छलांग के साथ 51,937.44 के स्तर पर बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 147 अंकों की छलांग के साथ 15582 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी टॉप गेनर की लिस्ट में जेएसडब्ल्यू स्टील 3.25 फीसद की तेजी से टॉप पर रहा। वहीं बढ़त के साथ बंद होने वाले शेयरों में आईसीआईआई बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज, भारती एयरटेल और टटा स्टील टॉप गेनर में शामिल रहे।

वहीं, महिंद्रा एंड महिंद्रा, अड़ाणी पोर्ट, एचडीएफसी लाइफ, आईओसी और इंडसइंड बैंक टॉप लूजर में शामिल रहे। निफ्टी फिफ्टी के 50 में से 39 स्टॉक्स आज हरे निशान पर बंद हुए। अगर शेयर बाजार में ऐसी तेजी कुछ दिन और बरकरार रही तो सेंसेक्स अपना 16 फरवरी के ऑल टाइम हाई (52516) तोड़ देगा। आज सुबह बीएसई का 30 स्टॉक्स वाला प्रमुख संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 53.34 अंकों की बढ़त के साथ 51,476.22 के स्तर पर खुला। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का 50 स्टॉक्स वाला प्रमुख संवेदी सूचकांक 15,437.75 के स्तर पर खुला। बता दें एशियाई बाजारों में कमजोरी के रुख के बीच एचडीएफसी, इंफोसिस, टीसीएस और रिलायंस जैसे बड़े शेयरों में गिरावट के चलते प्रमुख शेयर सूचकांक सेंसेक्स सोमवार को शुरूआती कारोबार में 185 अंक से अधिक गिर गया।

| साल के दूसरे ग्रैंड स्लैम में सभी की नजरें इन युवा खिलाड़ियों पर होगीं |

ये युवा खिलाड़ी हैं सनसनी, बड़े-बड़े दिग्गजों को मात देने का रखती हैं दम

साल का दूसरा ग्रैंड स्लैम फ्रेंच ओपन शुरू हो चुका है. किसी भी टेनिस खिलाड़ी के लिए ग्रैंड स्लैम जीतना सपना होता है जिसके लिए वो जी जान लगा देते हैं. इस बार कुछ युवा चेहरों पर सभी की नजरें होंगी. इसका कारण इन लोगों का अतीत में किया हुआ प्रदर्शन. खेल में वैसे तो उम्र मायने नहीं रखती क्योंकि पहले भी यह देखा गया है कि कोई भी खिलाड़ी किसी को भी हरा सकता है. इन युवाओं के प्रदर्शन को देखा जाए तो उलटफेर कोई बड़ी बात लगती नहीं है. आइए नजर डालते हैं उन महिला युवा खिलाड़ियों पर जो इस फ्रेंच ओपन में सभी की नजरों में रहेंगी.

नई दिल्ली ■ ब्यूरो

इस फेहरिस्त में सबसे पहले नाम है मौजूदा विजेता इगा स्वियातेक का. 20 साल की इगा ने पिछले साल सोफिया केनिन को मात देकर फ्रेंच ओपन का खिताब जीता था. इस साल भी वे बेहतरीन फॉर्म में नजर आ रही हैं और खिताब की दावेदार पर उतरी हैं. फ्रेंच ओपन की तैयारी करते हुए उन्होंने हाल ही में इटालियन ओपन का खिताब अपने नाम किया था. उन्होंने कैरोलिना प्लिसकोवा को मात दे थी.

एक और युवा महिला खिलाड़ी हैं जिन पर सभी की नजरें होंगी. उनका नाम है अमेरिका की कोको गॉफ. इस युवा सनसनी ने वीनस विलियम्स को मात देकर तहलका मचाया था और तब से वह कई उलटफेर करती आई हैं. इसलिए गॉफ को कोई भी खिलाड़ी हल्के में नहीं ले सकती. वह इस ग्रैंड स्लैम में इटली में पारमा में खेले गए टूर्नामेंट का खिताब जीतकर आ रही हैं वो भी युगल और एकल वर्ग दोनों में. गॉफ सिर्फ 17 साल की हैं इस समय उनकी रैंकिंग 25 है और वह 1998 के बाद शीर्ष-25 में शामिल सबसे युवा अमेरिकी महिला हैं. लाल बजरी पर अगर वे अपना पहला ग्रैंड स्लैम जीत जाएं तो कोई हैरत नहीं.

ऐसी की एक और खिलाड़ी हैं क्लारा टॉसन. इस समय वे 90वें स्थान पर हैं. उन्होंने हालांकि अभी तक एक ही टूर एकल खिताब जीता है. उन्होंने मार्च मेंन लियोन में हार्ड कोर्ट पर टूर लेवल खिताब जीता था. उन्होंने 2019 में ऑस्ट्रेलियन ओपन जूनियर खिताब जीता था. डेनमार्क की इस खिलाड़ी ने फ्रेंच ओपन की शुरूआत भी जीत के साथ की है. उन्होंने पहले दौर के मैच में जॉर्जिया की इकातेरिने जॉरजोइजे को 6-4, 6-2 से हराया.

जून से आपकी रोजमर्रा की जरूरतों से जुड़ी सेवाओं और नियम में हो रहे ये पांच अहम बदलाव

नई दिल्ली ■ ब्यूरो

अगले महीने यानी जून से आपकी रोजमर्रा की जरूरतों से जुड़ी सेवाओं और नियम में कई तरह के बदलाव हो रहे हैं। सबसे पहले बात कर्मचारी भविष्य निधि की। ईपीएफओ अगले महीने से पीएफ खाते को आधार से जोड़ना अनिवार्य करने का जा रहा है। वहीं, आयकर विभाग की वेबसाइट 1 जून 2021 से लेकर 6 जून 2021 तक काम नहीं करेगी। करदाताओं की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए रिटर्न दाखिल करने के लिए नया वेबसाइट लॉन्च किया जा रहा है। आइए जानते हैं अगले महीने से बदल रहे पांच अहम नियम के बारे में।

पीएफ खाता को आधार से जोड़ना जरूरी होगा: कर्मचारी भविष्य निधि संगठन आपके पीएफ को लेकर बड़ा फैसला किया है। ईपीएफओ ने नियोक्ताओं को निर्देश दिए हैं कि 1 जून के बाद से अगर कोई खाता आधार से लिंक नहीं है या फिर यूएनएस आधार वेरिफाइड नहीं है तो उसका इलेक्ट्रॉनिक चालान कम रिटर्न नहीं भरा जा सकेगा। ऐसे में पीएफ खाताधारकों को भी नियोक्ता की तरफ से मिलने वाला हिस्सा रुक सकता है।

आयकर विभाग नया वेबसाइट लॉन्च करेगा: करदाताओं को बेहतर सुविधा मुहैया कराने के लिए आयकर विभाग नई वेबसाइट लॉन्च करने जा रहा है। इसके लिए 1 से 6 जून तक आयकर विभाग की वेबसाइट बंद रहेगी। आयकर विभाग ने कहा है कि 7 जून को आयकर रिटर्न भरने के लिए एक नया पोर्टल ई-फाइलिंग 2.0 शुरू करेगा।

यूट्यूब से कमाई पर देना होगा ज्यादा टैक्स: यूट्यूब पर वीडियो बनाकर अपलोड करके पैसे कमाना कॉमन हो गया है लेकिन जून से इससे होने वाली कमाई पर टैक्स देना पड़ सकता है। यूट्यूब की इस नई टैक्स पॉलिसी की शुरूआत जून 2021 से हो जाएगी। इस टैक्स के दायरे में भारतीय यूट्यूब कंटेंट क्रिएटर्स भी आएंगे, जिन्हें कमाई पर 24 फीसदी प्रतिमाह के हिसाब से टैक्स देना होगा। प्रतिमाह कंटेंट क्रिएटर्स को नये नियम के तहत अपनी कमाई का 31 मई से पहले खुलासा करना होगा। इसके साथ ही गूगल फोटो की मुफ्त क्लाउड स्टोरेज की सुविधा एक जून 2021 से बंद हो रही है।

घरेलू हवाई यात्रा महंगी होगी: नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने देश में पिछले साल किराए में लगाए न्यूनतम किराए की लिमिट को बढ़ा दिया है। नागरिक उड्डयन मंत्रालय की ओर से हवाई यात्रा के किराए में अलग-अलग अवधि वाले विमानों के किराए में 13 से 16 फीसदी तक बढ़ोतरी की है। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्रालय के मुताबिक 40 मिनट की दूरी वाले विमानों के न्यूनतम किराये की सीमा 2,300 से बढ़ाकर 2,600 रुपये कर दी गई है।

बीओबी में चेक से भुगतान का नियम बदलेगा: बैंक ऑफ बड़ौदा (बीओबी) के नोटिफिकेशन के मुताबिक 1 जून से बैंक के चेक पेमेंट के नियम में बदलाव होने जा रहा है। बैंक अगले महीने से पॉजिटिव पे कन्फर्मेशन लागू कर रहा है। पॉजिटिव पे कंफर्मेशन के जरिए दो लाख से अधिक के चेक पेमेंट पर ग्राहकों को रिकंफर्म करवाना होगा।

भारतीय अर्थव्यवस्था की हालत में सुधार, 1.6 प्रतिशत बढ़ी जीडीपी

नई दिल्ली ■ ब्यूरो

सरकार द्वारा सोमवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक भारत की अर्थव्यवस्था 2020-21 की चौथी तिमाही (जनवरी-मार्च) के दौरान 1.6 प्रतिशत की दर से बढ़ी, जबकि पूरे वित्त वर्ष के दौरान जीडीपी में 7.3 फीसदी की संकुचन देखने को मिली। हालांकि, जनवरी-मार्च 2021 के दौरान वृद्धि दर इससे पिछली तिमाही अक्टूबर-दिसंबर 2020 के 0.5 प्रतिशत वृद्धि के मुकाबले बेहतर थी। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार 2019-20 में जनवरी-मार्च तिमाही के दौरान सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में तीन प्रतिशत की वृद्धि हुई थी।आंकड़ों के मुताबिक भारतीय अर्थव्यवस्था के आकार में 2020-21 के दौरान 7.3 प्रतिशत संकुचन हुआ, जबकि इससे पिछले वित्त वर्ष में अर्थव्यवस्था चार प्रतिशत की दर से बढ़ी थी।

घुड़सवार फवाद मिर्जा ने आखिरी बाधा पार कर कटाया ओलिंपिक का टिकट

नई दिल्ली ■ ब्यूरो

भारत के शीर्ष घुड़सवार फवाद मिर्जा ने इसी साल होने वाले टोक्यो ओलिंपिक के लिए आधिकारिक तौर पर क्वालीफाई कर लिया है. इसी के साथ वह भारत को 21 साल में घुड़सवारी में ओलिंपिक खेलों में कोटा दिलाने में सफल रहे हैं. उन्होंने पूरा करते हुए ओलिंपिक कोटा हासिल किया है. फवाद ने पोलैंड में बाबोरोव्को इक्वेस्टेरियन फेस्टिवल शनिवार को शुरूआती दो स्थान हासिल करते हुए कोटा हासिल किया. भारतीय खेल प्राधिकरण ने ट्वीट के माध्यम से इस बात की जानकारी दी. इससे पहले हालांकि उनका नाम इंटरनेशनल फेडरेशन फॉर इक्वेस्ट्रियन स्पोर्ट्स द्वारा टोक्यो ओलिंपिक के लिए क्वालिफाइ करने वाले एथलिट्स की सूची में था. उन्हें एक औपचारिकता पूरी करने के लिए एमईआर फाइनल क्वालीफिकेशन हासिल करना था जो उन्होंने कर लिया.पोलैंड में ही पिछले महीने एक और टूर्नामेंट में वह यह क्वालीफिकेशन हासिल करने से काफी करीब से चूक गए थे. इस क्वालीफिकेशन को हासिल करने की डेडलाइन 24 जून थी. वह भारत के तीसरे घुड़सवार हैं जिन्होंने ओलिंपिक कोटा हासिल किया है. उनसे पहले आइजे लाम्बाऔर इम्तियाज अनीसने भारत को इक्वेस्टेरियन में ओलिंपिक कोटा दिलाया था।

एशियाई खेलों में रचा था इतिहास

फवाद ने 2018 में जकार्ता में खेले गए एशियाई खेलो रजत पदक जीता था. इसी के साथ उन्होने 36 साल के सूखे को खत्म किया था. उन्होने व्यक्तिगत स्पर्धा मे रजत पदक अपने नाम किया था. ईएसपीएन ने मिर्जा के हवाले से लिखा है, सप्ताह के अंत मे मेरे ऊपर काफी दवाब था क्योकि मेरे लिए एमईआर मे हासिल करने के लिए यह आखिरी मौका था. आखिरकार हम यह हासिल करने मे सफल रहे. यह बताता है कि मेरे घोडे अच्छी फॉर्म मे है और मै भी अच्छा कर रहा हू.

अर्जेंटीना से भी छिनी कोपा अमेरिका की मेजबानी, टूर्नामेंट पड़ा खटाई में

साओ पाउलो ■ एजेंसी

कोपा अमेरिका के आयोजन में केवल दो सप्ताह का समय बचा है लेकिन उसके पास कोई मेजबान नहीं है। कारण यह है कि दक्षिण अमेरिकी फुटबॉल की सर्वोच्च संस्था कॉनमेबोल ने अर्जेंटीना की मेजबानी भी खारिज कर दी है, क्योंकि वहां कोविड-19 के मामलों में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। यह घोषणा रविवार की रात को की गई जिससे दक्षिण अमेरिका की इस टॉप फुटबॉल टूर्नामेंट पर संकट के बादल मंडराने लगे हैं। महामारी के कारण यह टूर्नामेंट पिछले साल भी स्थगित कर दिया था। इसका आयोजन इस साल 13 जून से 10 जुलाई के बीच होना है। अर्जेंटीना और कोलंबिया को कोपा अमेरिका की संयुक्त मेजबानी सौंपी गई थी। कोलंबिया में राजनीतिक उथल-पुथल के कारण उसे पहले ही संयुक्त मेजबान से हटा दिया गया था। अर्जेंटीना ने अकेले मेजबानी करने की पेशकश की थी, लेकिन अब वह भी इसका आयोजन नहीं कर पाएगा। कॉनमेबोल ने ट्विटर पर इस नए घटनाक्रम की घोषणा की और बाद में एक अधिकारी ने इसकी पुष्टि कर दी। कॉनमेबोल ने किसी देश का नाम लिए बिना कहा कि कुछ अन्य देशों ने इस महाद्वीपीय टूर्नामेंट के आयोजन में दिलचस्पी दिखायी है और वह उनका आकलन कर रहा है। कॉनमेबोल ने कहा, 'नए मेजबान की जल्द घोषणा की जाएगी।' दक्षिण अमेरिका की टीमें दो सप्ताह बाद शुरू होने वाले इस टूर्नामेंट के लिए तैयारियों में लगी है।

प्रैक्टिस में अगर बाधा नहीं पड़ती, तो गोल्ड मेडल भारत के नाम और होते : हेड कोच

नई दिल्ली ■ ब्यूरो

भारत की सभी 10 महिला मुक्केबाजों ने एशियाई चैंपियनशिप में मेडल जीते, लेकिन मुख्य कोच मोहम्मद अली कमर का मानना है कि अगर कोविड-19 के कारण उनके अभ्यास में बाधा नहीं पड़ती, तो गोल्ड मेडल और ज्यादा भारत के नाम होते। भारतीय महिला टीम ने 10 भार वर्गों में हिस्सा लिया था। उसने एक गोल्ड, तीन सिल्वर और छह ब्रोन्ज मेडल जीते। इनमें से सात मेडल तो ड्रॉ के दिन ही पक्के हो गए थे, क्योंकि इनमें कम प्रतिस्पर्धियों ने हिस्सा लिया था। अली कमर ने कहा, 'मैं ओवरऑल प्रदर्शन से काफी संतुष्ट हूं। हां, हम अधिक गोल्ड मेडल जीत सकते थे, लेकिन हमें चैंपियनशिप से पहले अभ्यास करने का ज्यादा मौका नहीं मिला, इसलिए मैं शिकायत नहीं कर सकता।' उन्होंने कहा, 'सभी सिल्वर मेडलिस्ट करीबी मुकाबलों में हारे और उन्होंने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। एक कोच के रूप में मैं इससे अधिक उम्मीद नहीं कर सकता।' अली कमर ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर चुकी एमसी मैरीकॉम (51 किग्रा), टूर्नामेंट में डेब्यू करने वाली लालबुतसाई (64 किग्रा) और अनुपमा (81 किग्रा से अधिक) की करीबी हार के बारे में बात कर रहे थे। ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर चुकी पूजा रानी (75 किग्रा) भारत की तरफ से गोल्ड मेडल जीतने वाली इकलौता महिला मुक्केबाज रहीं। भारतीय टीम का राष्ट्रीय शिविर दिल्ली के इंदिरा गांधी स्टेडियम में चल रहा था, लेकिन कोविड-19 के कई मामले पाए जाने के बाद इसे रोक दिया गया था।

कोविड से बचाव के तरीकों पर विद्यार्थी चलाएं जन-जागरण अभियान : मुख्यमंत्री श्री चौहान

प्रभार के जिलों में जन-जागरण अभियान को नेतृत्व प्रदान करें मंत्री, शालाओं और परीक्षाओं के संचालन पर निर्णय के लिए मंत्रीः समूह गठित, मुख्यमंत्री श्री चौहान ने मंत्रि-परिषद की बैठक के पूर्व किया संबोधित

ग्वालियर। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि मंत्री-मंडल के सदस्यों की कड़ी मेहनत और टीम वर्क के परिणामस्वरूप ही प्रदेश में कोरोना नियंत्रण में आया है। अब हम सुविधाजनक स्थिति में हैं। इसी का परिणाम है कि कल 1078 पॉजिटिव केस आए, पॉजिटिविटी रेट 1.5 प्रतिशत हो गया है और 4 हजार 120 व्यक्ति स्वस्थ हुए हैं। रिकवरी रेट 96.36 प्रतिशत हो गया है, जो संतोषजनक है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रदेश में चरणबद्ध रूप से अनलॉक की प्रक्रिया आरंभ कर दी गई है। अब लोगों को कोविड अनुकूल व्यवहार अपनाने के लिए लगातार प्रेरित करना होगा। इसके लिए प्रदेश की छात्र शक्ति को आगे आना होगा। महाविद्यालयीन विद्यार्थियों, एनएसएस व एनसीसी कैडेट्स को मास्टर ट्रेनर के रूप में प्रशिक्षित कर उनकी सेवाएँ जन-जागरण अभियान में ली जाएँगी। मुख्यमंत्री श्री चौहान मंत्रि-परिषद की बैठक के पहले माननीय मंत्रीगण को संबोधित कर रहे थे। मंत्रि-परिषद की बैठक मंत्रालय में वंदे-मातरम् के गान के साथ आरंभ हुई।

मंत्रि-परिषद के सभी सदस्य बधाई के पात्र-मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि अलीराजपुर में कल एक भी पॉजिटिव केस नहीं आया। प्रदेश के 36 जिलों में 10 से कम केस आए हैं। हमारा लक्ष्य 31 मई तक 0त्र केस की स्थिति में पहुँचने का था। प्रदेश के 36 जिलों में सिंगल डिजिट में केस आने का मतलब यह है कि हम लक्ष्य के पास पहुँच गए हैं। केवल भोपाल और इंदौर में पॉजिटिविटी दर 5त्र से अधिक है। इन दोनों शहरों में अलग रणनीति बनाकर काम किया जाएगा। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि क्राइसिस मैनेजमेंट ग्रुप की सक्रियता और जनता के साथ मिलकर काम करने की वजह से ही प्रदेश इस स्थिति में पहुँचा है। इस संतोषजनक स्थिति के लिए मंत्रि-परिषद के सभी सदस्य बधाई के पात्र है।

वातावरण निर्माण के लिए जिलों का दौरा करेंगे मुख्यमंत्री-मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि कोरोना को लॉक करना है। अतः कोविड एप्रोप्रियेट बिहेवियर को अपनाने के लिए लोगों के बीच वातावरण बनाना होगा। मंत्रि-परिषद के सभी सदस्यों का यह दायित्व है कि इस दिशा में वे अपने-अपने क्षेत्रों में कार्य करें। कोविड गाइड लाइन का पालन कराने के लिए मास्क पहनने, दूरी बनाए रखने, बार-बार हाथ धोने, दुकानों के आगे गोले बनाने जैसी गतिविधियों को लोगों को आत्मसात करने के लिए प्रेरित करना होगा। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि इस दिशा में वातावरण बनाने के लिए वे स्वयं भी कुछ जिलों का दौरा करेंगे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि मंत्री-परिषद के सभी सदस्य अपने-अपने प्रभार के जिलों का दौरा करें। जनता से संवाद करें, अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दें और कोविड

एप्रोप्रियेट बिहेवियर के लिए लोगों को प्रेरित कर अपनी जिम्मेदारी निभाए। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने मंत्री-परिषद के सदस्य गणों को वैक्सीनेशन के लिए अपने-अपने प्रभार के जिलों में जन-जागरण पर केंद्रित अभियान चलाने के निर्देश भी दिए।

शिक्षा व्यवस्था के संबंध में विशेषज्ञों से चर्चा कर प्रस्तुत करें सुझाव-मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि कोरोना संक्रमण के प्रबंधन के लिए छह मंत्री- समूह बनाए गए हैं। यह समूह टीकाकरण, अस्पताल प्रबंधन, जन-जागरण, वैक्सीनेशन, ऑक्सीजन उत्पादन और उपलब्धता की दिशा में लगातार कार्य करते रहें। सप्ताह में एक बार प्रत्येक मंत्री- समूह की बैठक आवश्यक रूप से हो। इसके अतिरिक्त सातवाँ मंत्री समूह शिक्षा के लिए बनाया गया है। शिक्षा देने के क्या विकल्प हो सकते हैं, परीक्षाओं का संचालन कैसे हो, क्या बड़े बच्चों को सीमित संख्या में शाला आने की अनुमति दी जा सकती है? इस संबंध में यह समूह विचार करेगा। इस समूह में खेल एवं युवा कल्याण तथा तकनीकी शिक्षा मंत्री श्रीमती यशोधरा राजे सिंधिया, जनजातीय कार्य तथा अनुसूचित जाति कल्याण मंत्री सुश्री मीना सिंह, चिकित्सा शिक्षा एवं गैस राहत मंत्री श्री विश्वास सारंग, उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. मोहन यादव, स्कूल शिक्षा राज्य मंत्री श्री इंदर सिंह परमार, आयुष राज्य मंत्री श्री रामकिशोर कावरे विचार-विमर्श करें। इस दिशा में टेक्नोलॉजी का क्या उपयोग किया जा सकता है, इस पर विचार करें और विशेषज्ञों से चर्चा कर सुझाव प्रस्तुत करें। हमारा यह प्रयास होना चाहिए कि शिक्षा के क्षेत्र में मध्यप्रदेश का एक अलग मॉडल बने, जो देश में एक उदाहरण हो।

आत्म-निर्भर मध्यप्रदेश का निर्माण हमारी प्राथमिकता-मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि आत्म-निर्भर मध्यप्रदेश का निर्माण हमारी प्राथमिकता है। इस दिशा में कार्य पुनः आरंभ किए जाएँ। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि स्वास्थ्य अधोसंरचना को सशक्त करने के लिए बने वार्डों तथा अन्य सुविधाओं का तत्काल वर्चुअल शिलान्यास और लोकार्पण कर कार्य आरंभ किया गया है। ये व्यवस्थाएँ जनता में विश्वास पैदा करेंगी। स्थिति सामान्य करने के लिए आवश्यक वातावरण निर्माण में इन गतिविधियों से मदद मिलेगी।

विद्यार्थी और प्राध्यापक बनेंगे कोविड अनुकूल व्यवहार के मास्टर ट्रेनर-मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रदेश में जनता को कोविड अनुकूल व्यवहार अपनाने के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से जागरूकता अभियान चलाया जाना है। इसमें महाविद्यालय और तकनीकी शिक्षण संस्थान के विद्यार्थियों को शामिल किया जाए। प्रदेश में 18 लाख से अधिक विद्यार्थी हैं। इन विद्यार्थियों और प्राध्यापकों की कोविड अनुकूल व्यवहार के मास्टर ट्रेनर के रूप में प्रशिक्षित किया जाए। प्रशिक्षित विद्यार्थी और प्राध्यापक कोविड अनुकूल व्यवहार और टीकाकरण के लिए लोगों को प्रेरित करें। छात्र शक्ति, एनसीसी और एनएसएस की टीमों का योगदान कोविड अनुकूल वातावरण बनाने में प्रभावी होगा।

तीसरी लहर रोकने में मध्यप्रदेश नया मॉडल प्रस्तुत करेगा-मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रदेश में किसी भी स्थिति में तीसरी लहर नहीं आने देना है। इस प्रकार की गतिविधियाँ हमें तीसरी लहर को रोकने में सहायक सिद्ध होगी। इसके साथ ही टेस्ट, पॉजिटिव व्यक्ति की पहचान, कान्टेक्ट ट्रेसिंग और कोरोना संक्रमित को कोविड केयर सेंटर में ले जाना जारी रहे। किल-कोरोना अभियान चलता रहे। इन गतिविधियों और कोविड अनुकूल व्यवहार अपनाने के लिए जागरूकता अभियान को मंत्री, विधायक और सांसद नेतृत्व प्रदान करें। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि छात्र शक्ति का उपयोग कर कोविड की तीसरी लहर को रोकने में मध्यप्रदेश पूरे देश में एक नया मॉडल प्रस्तुत करेगा।

सुपोषित मध्यप्रदेश के लिए पोषण नीति-2020 का अनुमोदन

मुख्यमंत्री श्री चौहान की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद की बैठक

ग्वालियर। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आज हुई मंत्रि-परिषद की बैठक में प्रदेश के सभी समुदायों को पोषण एवं स्वास्थ्य की व्यापक सुरक्षा प्रदाय करने तथा उन्हें सक्षम बनाने, समुदाय विशेषकर बच्चों, किशोरों और महिलाओं को उपयुक्त पोषण और बेहतर स्वास्थ्य के स्तर को प्राप्त कर सुपोषित मध्यप्रदेश की संकल्पना को साकार करने के लिए महिला बाल विकास विभाग द्वारा तैयार की गई राज्य की पोषण नीति-2020 अनुमोदित की गई ।

औद्योगिक भूमि तथा भवन आवंटन एवं प्रबंधन नियम 2021-सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम के विकास के लिए सहायक और सक्रिय पारिस्थिति का तंत्र विकसित करने के उद्देश्य से मध्यप्रदेश एमएसएमई विकास नीति 2019 जारी की गई है। मंत्रि-परिषद ने इसमें सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विभाग के प्रशासकीय नियंत्रण की भूमि आवंटन के लिए नये नियम अनुमोदित किए। यह नियम मध्यप्रदेश एमएसएमई को औद्योगिक भूमि तथा भवन आवंटन एवं प्रबंधन नियम 2021 कहलाएंगे। नियमों में मुख्यत॰ प्रावधान किए गए हैं कि नियम लागू होने से पहले के विकसित औद्योगिक क्षेत्रों के लिये विकास शुल्क 150 रूपये प्रति वर्गमीटर तथा नियम लागू होने के बाद विकसित होने वाले औद्योगिक क्षेत्र के लिये विकास शुल्क उस औद्योगिक क्षेत्र के समेकित विकास में हुए कुल व्यय पर समानुपातिक रूप से लिये जाने का प्रावधान किया गया है। औद्योगिक क्षेत्रों में भूमि/भूखण्डों का आवंटन आनलाईन नीलामी प्रक्रिया से किये जाने का प्रावधान किया गया है। आवंटन प्रक्रिया तथा अपील प्रक्रिया में समय -सीमा लगभग आधी की गई है। विभागीय शेडों को किराये पर दिये जाने का प्रावधान किया गया है।

मुख्यमंत्री कोविड-19 योद्धा कल्याण योजना-मंत्रि-परिषद की बैठक में कोविड-19 महामारी की रोकथाम में योद्धाओं की तरह सेवाएँ दे रहे कर्मियों के लिए मुख्यमंत्री कोविड-19 योद्धा कल्याण योजना दो माह एक अप्रैल से 31 मई 2021 की अवधि में लागू करने की मंजूरी दी।

मुख्यमंत्री कोविड-19 बाल कल्याण योजना-मंत्रि-परिषद ने कोविड-19 बाल कल्याण योजना के विभिन्न बिंदुओं पर अनुमोदन दिया। यह योजना ऐसे बच्चों के लिये बनाई गई है, जिनके माता-पिता या अभिभावक की मृत्यु कोरोना से एक मार्च से 30 जून 2021 तक की अवधि में हुई हो, जिससे उनकी आर्थिक समस्या के अतिरिक्त उनकी शिक्षा में कोई व्यवधान उत्पन्न न हो। इसके लिए इस योजना के माध्यम से शासन द्वारा उन्हें आर्थिक सहायता, नि॰शुल्क राशन तथा नि॰शुल्क शिक्षा दी जायेगी। योजना में प्रत्येक बाल हितग्राही को 5 हजार रूपये प्रतिमाह आर्थिक सहायता, संरक्षक को राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के अंतर्गत निःशुल्क मासिक राशन तथा शिक्षा सहायता के रूप में पहली से लेकर स्नातक तक की नि॰शुल्क शिक्षा दी जाएगी। इसमें शासकीय एवं अशासकीय विद्यालय, महाविद्यालयों और विश्वविद्यालय शामिल है। इसके अलावा तकनीकी शिक्षा, चिकित्सा शिक्षा, आयुष शिक्षा, विधि शिक्षा इत्यादि सभी विषयों की भी नि॰शुल्क शिक्षा का प्रावधान योजना में रखा गया है।

मुख्यमंत्री कोविड-19 विशेष अनुग्रह योजना-मंत्रि-परिषद ने मुख्यमंत्री कोविड-19 विशेष अनुग्रह योजना का अनुसमर्थन किया। योजना से संबंधित अन्य अनुगामी कार्यवाही के लिए वित्त विभाग को अधिकृत करने की मंजूरी दी।

विकेन्द्रीकृत उपार्जन योजना-मंत्रि-परिषद ने प्रदेश में विकेन्द्रीकृत उपार्जन योजना में खाद्यान्न आदि के उपार्जन, सार्वजनिक वितरण प्रणाली और अन्य शासकीय योजनाओं के संचालन, डेफिसिट पूर्ति एवं वर्तमान में जारी वित्तीय व्यवस्था की निरंतरता के लिये धनराशि उधार लेने के लिए 29 हजार 400 करोड़ रूपये की नि॰शुल्क शासकीय प्रत्याभूति की स्वीकृति वित्तीय वर्ष 2021-22 के लिए प्रदान करने का निर्णय लिया। साथ ही शासकीय प्रत्याभूति के संस्थावार पुनर्आवंटन एवं खाद्यान्न साख-सीमा के संचालन के लिए समय-समय पर कार्यवाहियाँ करने के लिये खाद्य विभाग को अधिकृत किया गया।

सपना कहती हैं कोरोना कर्फ्यू में भी हमारी रोजी-रोटी पर संकट नहीं आया

ग्वालियर। सिकंदर खेतीहर श्रमिक हैं। उनकी धर्मपत्नी सपना भी काम में हाथ बटातीं। जैसे-तैसे परिवार का गुजारा भी चल रहा था। मगर सपना इस काम से संतुष्ट नहीं थीं। वह दिन-रात सोचा करतीं कि छोटी ही सही पर गाँव में अपनी एक किराना की दुकान खुल जाए। सपना का यह सपना मुख्यमंत्री ग्रामीण पथ विक्रेता योजना और ग्रामीण आजीविका मिशन ने पूरा कर दिया है। ग्वालियर जिले की ग्राम पंचायत मुख्तियारपुरा से जुड़े ग्राम तोर की निवासी श्रीमती सपना जाटव और उनके पति श्री सिकंदर जाटव की खुशी देखते ही बनती है। सपना का कहना है कि कोरोना कर्फ्यू और लॉकडाउन के दौरान भी हमारे परिवार पर रोजी-रोटी का संकट नहीं आया। गाँव में हमारी छोटी सी किराना की दुकान खूब चली। सपना बताती हैं कि भला हो ग्रामीण आजीविका मिशन और मुख्यमंत्री ग्रामीण पथ विक्रेता योजना का जिसने हमारे परिवार को आत्मनिर्भर बना दिया है। सपना जाटव ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत

गठित हुए लोढ़ीमाता स्व-सहायता समूह से जुड़ी हैं। वे बताती हैं कि पति की मजदूरी से जब घर का खर्च चलना मुश्किल हो गया तो हमने अपने स्व-सहायता समूह से मदद लेकर किराना की दुकान खोलने की सोची। इसी बीच प्रदेश सरकार ने लॉकडाउन से प्रभावित हुए गाँव में फेरी लगाकर सब्जी-भाजी व रोजमर्रा की जरूरत का छोटा-मोटा सामान बेचने वाले लोगों की मदद के लिये मुख्यमंत्री ग्रामीण पथ विक्रेता योजना शुरू की। हमारे पति ने भी इस योजना से मदद लेने के लिये ऑनलाइन फार्म भर दिया। जल्द ही उन्हें 10 हजार रूपए की मदद मिल गई। इसके अलावा हमने 25 हजार रूपए समूह से लिए। इस प्रकार कुल 35 हजार रूपए लगाकर अपने गाँव में हमने ÷सपना किराना स्टोर÷ खोला। जब कोरोना की दूसरी लहर आई और जनता कोरोना कर्फ्यू लगा तब इस किराना की दुकान ने हमें टूटने से बचा लिया। हमारी किराना दुकान खूब चली और हर माह इससे 8 से 10 हजार रूपए की आमदनी हो रही है। लोढ़ीमाता आजीविका स्व-सहायता समूह से जुड़ीं सपना जाटव बताती हैं कि उनके गाँव में 7 स्व-सहायता समूह बने हैं जिनसे 93 महिलाएं जुड़ी हैं। स्व-सहायता समूहों ने महिला सशक्तिकरण को बड़ी रफ्तार दी है। ग्रामीण आजीविका मिशन से कौशल उन्नयन प्रशिक्षण और आर्थिक मदद लेकर गाँव की महिलाओं ने आत्मनिर्भरता की ओर कदम बढ़ाए हैं।

7 जून तक स्थगित रहेगी अंतर राज्य बस सेवा - परिवहन मंत्री श्री राजपूत

ग्वालियर। परिवहन एवं राजस्व मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत ने बताया कि एक जून से कोरोना कर्फ्यू में राहत के बावजूद अंतर राज्य बस सेवा 7 जून तक स्थगित रहेंगी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रदेश में संक्रमण की घटती पॉजिटिविटी दर एवं बढ़ते रिकवरी रेट को देखते हुए एक जून से प्रदेश में क्रमबद्ध तरीके से अनलॉक की प्रक्रिया प्रारंभ की है। परिवहन मंत्री श्री राजपूत ने कहा कि प्रदेश में कोरोना वायरस संक्रमण को देखते हुए प्रदेश के बाहर से आने जाने वाले यात्रियों के माध्यम से कोरोना संक्रमण के फैलाव के प्रति हम लापरवाह नहीं रह सकते। इस संक्रमण के फैलाव को रोकने के लिए पूर्व से प्रतिबंधित अंतर राज्यीय बस सेवा की प्रतिबंधित अवधि 7 जून तक बढ़ा दी गई है। परिवहन मंत्री श्री राजपूत कहा कि यह सेवाएँ पहले की तरह महाराष्ट्र, राजस्थान, उत्तर प्रदेश एवं छत्तीसगढ़ के लिए प्रतिबंधित रहेंगी। इन प्रदेशों में ना तो मध्यप्रदेश की बसें जाएँगी और ना ही इन प्रदेशों से मध्यप्रदेश में बसें आएँगी। यह सेवाएँ 7 जून तक प्रतिबंधित रहेगी। इसके पश्चात परिस्थिति को देखते हुए सेवाएँ बहाल करने के संबंध में आगे निर्णय लिया जाएगा।

उपभोक्ता बिजली कंपनी के एफओसी वाहन के द्वारा भी सर्विस केबल बदलवा सकेंगे

ग्वालियर। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने उपभोक्ताओं को घर पहुँचकर सर्विस केबल बदलने की सुविधा उपलब्ध करा दी है। उपभोक्ता चाहें तो बिजली कंपनी की मदद से बिजली खंभे से मीटर तक अपनी सर्विस केबल बदलवा सकेंगे। दरअसल मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के कॉल सेन्टर में अक्सर ऐसी शिकायतें प्राप्त होती हैं कि विद्युत अवरोध हो गया है घर, में लाइट नहीं है। शिकायत करते समय उपभोक्ता को यह नहीं मालूम होता है कि लाइट क्यों गई है। उपभोक्ता कॉल सेन्टर में फोन करते हैं तो कॉल सेन्टर का एफओसी वाहन लाइनकर्मी के साथ विद्युत अवरोध दूर करने के लिए जांच करते हैं। मालूम होता है कि संबंधित उपभोक्ता की सर्विस केबल डेमेज है। ऐसी अवस्था में विद्युत वितरण कंपनी ने उपभोक्ता की सर्विस लाइन एफओसी स्टॉफ द्वारा बदलने की सुविधा प्रदान कर दी है। कंपनी ने कहा है कि सभी एफओसी वाहन में सिंगल फेस की 6 स्क्वायर एमएम की सर्विस लाइन रखी जाए। आकस्मिक परिस्थिति में उपभोक्ता की सप्लाई चालू करने हेतु उपभोक्ता को यह विकल्प दिया गया है कि यदि वे अपनी सर्विस केबल एफओसी दल से बदलवाना चाहते हैं तो निर्धारित मापदंड के अनुसार एस.ओ.आर. रेट तथा सर्विस चार्ज जिसकी भुगतान राशि संबंधित माह के बिल राशि में जोड़कर देय होगी, का सहमति पत्र भरने के उपरांत अपने बिजली कनेक्शन के सर्विस केबल बदलवाने की सुविधा का लाभ उठा सकते हैं। इसमें न्यूनतम चार्ज 30 मी. की दूरी मानते हुए उपभोक्ता से लिया जाएगा। उपभोक्ता सर्विस लाईन बदलवाने के लिए 1912 पर संपर्क कर सकते हैं।

उपार्जन केन्द्रों पर चना की खरीदी 05 जून तक होगी

ग्वालियर। राज्य शासन द्वारा कृषक हित में कोरोना संक्रमण की परिस्थितियों के देखते हुए सभी किसान अपनी चने की उपज का उपार्जन केन्द्रों पर समर्थन मूल्य पर विक्रय कर सकें इस हेतु रबी विपणन वर्ष 2021-22 में चना फसल के प्राईस सपोर्ट स्कीरम अंतर्गत उपार्जन की अंतिम तिथि 5 जून 2021 नियत की गयी है। जिले के समस्त किसान भाईयों से अनुरोध है कि जिन किसानों द्वारा अपनी चना की उपज अभी तक समर्थन मूल्य पर विक्रय नहीं कर पाई है। ऐसे सभी पंजीकृत किसान अपनी उपज निर्धारित खरीदी केन्द्र पर 05 जून 2021 तक विक्रय कर सकते है। यदि किसान भाईयों को अपनी उपज विक्रय करने में कोई कठिनाई आ रही हो, तो जिला कार्यालय में स्थापित कंट्रोल रूम के दूरभाष क्रमांक 0751-467920 पर प्रात॰ 10॰00 बजे से सांय 06॰00 बजे तक संपर्क कर सकते हैं ।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, एवं संपादक- भरत सिंह चौहान। पुष्पांजली प्रिंटर्स गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, जिला ग्वालियर (म.प्र.) से मुद्रित एवं दीपू इलेक्ट्रोनिक्स, पंजीयन क्रमांक/ एम.पी.एच.आई.एन. /31130 निअर हनुमान मंदिर, गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, ग्वालियर (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक - भरत सिंह चौहान E-mail : pushpanjalitoday17@gmail.com 0751-4901333, M.: 8269307478